CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

आ : २/106

63.

ताल दीपिका

प्रथम भाग - चतुर्थ भाग

आम्नाय-ग्रन्थालय,
भारतनिधि, करौंदी
वाराणसी-5

थालय
वाराणसी-५
106

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

प्रेमलता शर्मा
निजी प्रति

जनवरी १९५९.

आम्नाय-ग्रन्थालय,
भरतनिधि, करौंदी
वाराणसी-5

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

श्रीः

ताल-दीपिका ।

(तबला प्रकरण)

प्रथम भाग ।

लेखक तथा प्रकाशक—

मन्नू जी मृदङ्गाचार्य,

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय ।

पुस्तक का अधिकार प्रकाशक के आधीन है ।

मूल्य—।।=)

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

आम्नाय-ग्रन्थालय,
भरतनिधि, करौंदी
वाराणसी-5

समर्पण ।

श्रीकृष्णार्पणमस्तु ।

इस पुस्तक को भगवान श्रीकृष्णचन्द्र के चरण में अर्पण करता हूँ ।

मन्नू जी ।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

आम्नाय-ग्रन्थालय,
भरतनिधि, करौंदी
वाराणसी-5

सूची ।

विषय				पृष्ठ
भूमिका	....	...	...	१
तबले का इतिहास	....	...	...	३
ताल मीमांसा	...	...	...	५
कायदे में आए हुए तथा स्तुति और नाच के बोलों में आनेवाले अक्षरों के निकालने की रीति	...	...	...	७
ताल के चिह्न	...	...	...	६
ठेके में आए हुए तथा बांट में आनेवाले अक्षरों के निकालने की रीति	...	...	...	६
कायदा तबला	....	...	...	११
ठेके	...	....	...	१५
बोल धीमा तिताला				१७
मोहड़ा खाली से दून की लय में	...	...	...	१६
बोल आड़ीलय का	...	....	...	२०
तिहाइयां तिताले में हरएक मात्रा से समतक की	....	....	...	२२
धीमा तिताले की दून तिगून तथा चौगून	..	...	..	२५

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

आम्नाय-ग्रन्थालय,
भरतनिधि, करौंदी
वाराणसी-5

भूमिका

प्रिय संगीत-प्रेमी सज्जनवृन्द !

यह कहने की आवश्यकता नहीं है कि हमारे प्राचीन शास्त्रीय संगीत की आजकल क्या दशा हो रही है ? प्राचीन संगीत आजकल बड़ी दुरवस्था में पड़ा है। लोगों में उसके प्रति दिन २ श्रद्धा घटती ही जाती है। अति सूक्ष्म से सूक्ष्म भावों को जाग्रत करने वाले तथा बाह्य प्रकृति के साथ मानव-हृदय की रागात्मिका वृत्ति का सामंजस्य करने वाले उस प्राचीन भारतीय संगीत की यह दुर्दशा देख हृदय टुकड़े २ हो जाता है। प्रत्येक संगीतज्ञ यह भली भाँति जानता है कि कहीं पर प्राचीन राग रागिनियों का आलाप सुनकर अधिकांश श्रोताजन किस प्रकार नाक भौं सिकोड़ने लगते हैं और इस प्रकार ऊब जाते हैं जैसे जीवन हीसे ऊब गये हों। दैवगति बलवान् है ! जिस संगीत के सम्बन्ध से तानसेन जैसे गायकों की कीर्ति संसार में चतुर्दिक् फैल रही है और जिस संगीत का महत्व स्वीकार कर महात्मा सूरदास जीने भी अपनी अनोखी कविता को उसके साथ इस प्रकार मिला दिया है कि दोनों एक रूप हो गये हैं, उस संगीत की यह दशा किस संगीतरसिक के हृदय को नहीं जलाती। इस दुर्दशा का वर्णन करते हुए लेखनी काँपती है।

संगीत के दो विस्तृत विभाग हैं, स्वर और लय। गायन स्वर का विषय है और लय का विषय ताल है। इन दोनों ही विभागों का वास्तविक तत्व आज कल लुप्तप्राय हो गया है; और उसमें भी ताल जिस संकटावस्था में पड़ा है वह अवर्णनीय है। इसका विशेष वर्णन करना निरर्थक है, केवल इतना ही कहना पर्याप्त होगा कि संगीत की आधुनिक कई मुख्य २ पाठशालाओं में ताल का कोई महत्व ही नहीं माना जाता। कहां तो ताल की वह उन्नत अवस्था जब कि सभी लोग कहा करते थे "ताल बिनु गान जैसे नीर-हीन कूप है," और कहां यह शोचनीय अवस्था ?

अस्तु, इसका विचार करना व्यर्थ है। जो होना होता है वह होकर ही रहता है। उन्नति और अवनति तो गाड़ी के पहिये की तरह हैं—आती जाती ही रहती हैं। इस लिये हमें निराश नहीं होना चाहिये। प्रयत्न करते रहना चाहिये। परिश्रम का फल अवश्य मिलता है। ऐसी अवस्था में भी आज भारतवर्ष के प्रायः प्रत्येक कोने में इस संगीत कला के परम रहस्य को जानने वाले बड़े २ आचार्य्य विद्यमान हैं। वे तन

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मन से यह चाहते हैं कि कोई संगीतानुरागी आवे, इस संगीत का महत्त्व और सौन्दर्य्य समझे और प्रचार करे। परन्तु उन्हें हताश होना पड़ता है; कोई भी अनुरागी नहीं मिलता।

हमारे परम पूज्य आचार्य श्रीयुत मन्नूजी भी ऐसे संगीतज्ञों में से एक हैं। आप स्वनामधन्य, परमश्रद्धेय श्रीयुत पं० भोलानाथ जी पाठक के शिष्य हैं। पाठक जी को कौन नहीं जानता? वे उन इने गिने संगीत-शिरोमणियों में से हैं जिनकी अपूर्व प्रतिभा में स्वर और लय, दोनों ही का गूढ़ तत्व समान रूप से प्रस्फुरित हुआ है। श्रीयुत मन्नूजी काशी हिन्दूविश्वविद्यालय के संगीत विभाग में मृदङ्गाचार्य हैं। जिस उत्साह और प्रवीणता के साथ आप विद्यार्थियों को ताल की शिक्षा देते हैं वह संसार के बहुत थोड़े अध्यापकों में मिल सकती है।

मुझे भी आचार्य मन्नूजी से विश्वविद्यालय में रहने के कारण ताल का अध्ययन करने का सुअवसर प्राप्त हुआ है विषय बड़ाही गहन है और समय थोड़ा। फिर भी जो कुछ आचार्यजी से अबतक प्राप्त हुआ है उस से भविष्य में कुछ उन्नति कर लेने की संभावना है। गुरुजी ने इस पुस्तक में संगीत-रसिक जनों के उपकारार्थ अपने संपूर्ण जीवन के परिश्रमका सार प्रकाशित कर अपनी उदारता का परिचय दिया है। यह केवल प्रथम भाग है। इस भाग में क़ायदे, स्तुति और नाच के बोलों में आने वाले अक्षरों के निकालने की रीति, ठेके कुछ बोल, तिहाइयाँ इत्यादि हैं। यह पुस्तक ताल का ज्ञान तथा तबला सीखने वालों के लिए अत्यन्त उपयोगी है। आगे का विषय अन्य भागों में प्रकाशित किया गया है। आशा है कि संगीतप्रेमी सज्जन इस से यथेष्ट लाभ उठायँगे। श्री गुरु जीने गुरुसुलभ प्रेमके वश होकर मुझे अपनी इस पुस्तक की भूमिका लिखने के लिए कहा है। मेरे लिए हर्ष और सौभाग्य की बात है। जितनी भी गुरुसेवा बन पड़े श्रद्धा से करना शिष्य का परम धर्म है। इसी श्रद्धा से प्रेरित होकर जो कुछ मैंने थोड़े अक्षरों में लिखा है वह पाठकों के सामने उपस्थित ही है। त्रुटियों के लिए क्षमा प्रार्थी हूँ।

हिन्दू विश्वविद्यालय,
वसंत पञ्चमी
सम्वत् १९८८, वि०

अक्षयकीर्त्ति व्यास, बी० ए०
(आनर्स)

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

तबले का इतिहास।

सब से प्राचीन ताल का वाद्य मृदङ्ग है। आजकल जो तबले का प्रचार विशेष रूप से देखने में आता है, उसका आरम्भ हुए लगभग तीन सौ वर्ष हुए हैं। तबला मृदङ्ग के दो भाग कर बनाया गया है। इसका प्रमाण यह है कि कुछ वर्ष पहिले तक तबले के बाँये पर भी आटा ही लगाया जाता था और अब भी पंजाब में बाँये पर आटा लगाकर बजाने की ही प्रथा है।

सब से पहिले तबला मीर खुसरू ने निकाला। इनके शागिर्द कल्लूखाँ थे। ये लोग उस समय दिल्ली में रहते थे। कल्लूखाँ के दो शागिर्द हुए जिनका नाम मोधूखाँ और बक्सूखाँ था। इस प्रकार तबले की उत्पत्ति मुसलमानों के साथ हुई। मोधूखाँ के शिष्य रामसहायजी थे जिन्होंने १२ वर्ष तक लखनऊ में तबला सीखा था। रामसहायजी तबला बजाने में बड़े प्रवीण थे। बक्सूखाँ के लड़के की सुन्नत के जलसे में जहाँ कि हिन्दुस्तान के प्रसिद्ध २ तबला बजानेवाले बुलाये गये थे, रामसहायजी का तबला सात दिन तक बजा। उसके बाद किसी को तबला बजाने की हिम्मत न हुई। रामसहायजी की ऐसी विद्वत्ता जान अन्य सब तबला बजाने वालों ने उनके तबले और उनके भुजा की पूजा की। सभों ने एक स्वर से कहा कि आप के समान तबला बजाने वाला और कोई नहीं है। इसके बाद रामसहायजी काशी चले आये और यहीं पर शिष्यों को अपनी विद्या प्रदान की। उनका देहान्त काशी में ही हुआ।

इन रामसहायजी के पाँच शागिर्द थे, जिनके नाम जानकी सहायजी, रामसरनजी, भैरोसहायजी, भगतजी और परतप्पूजी थे, इनमें से जानकी सहायजी रामसहायजी के भाई थे। रामसरनजी के लड़के का नाम दरगाही जी था। इन दरगाहीजी के पुत्र बिक्कूजी इस समय विद्यमान हैं। बिक्कूजी के

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

पुत्र का नाम गम्मा है। (मैंने भी बिक्कूजी से तबला सीखा है।) भैरो सहायजी के पुत्र का नाम बलदेव सहायजी था। इन बलदेव सहायजी के लड़के नन्हू और सूरदासजी के नाम से पुकारे जाते थे। कराटे जो कि काशी के रहने वाले और आजकल के प्रसिद्ध तबले बजाने वालों में हैं, उक्त बलदेव सहायजीही के शागिर्द हैं। भगतजी के शागिर्द का नाम भैरोजी है जो कि अभी मौजूद हैं। भैरोजी के शागिर्द का नाम मोलबी राम जो कि प्रसिद्ध तबला बजाने वालों में है। परतप्पूजी के पुत्र का नाम जगन्नाथ था। जगन्नाथजी के लड़के का नाम वाचा था। इन वाचाजी के पुत्र श्यामता प्रसाद इस समय विद्यमान हैं। जानकीसहायजी के जो रामसहायजी के पहिले शागिर्द थे, दो शागिर्द हुए। एक का नाम गोकुलजी और दूसरे का नाम विश्वनाथजी था। विश्वनाथजी के शागिर्द भगवानजो थे। भगवानजीके पुत्र वीरू मिश्र भी विश्वनाथजी के शागिर्द हैं। वीरू मिश्र प्रसिद्ध तबला बजाने वालों में हैं जिनको 'संगतरत्न' की उपाधि मिली हुई है यहां तक तो कल्लूखां के शागिर्द मोधूखाँ की शिष्य परम्परा का वर्णन हुआ। अब उनके दूसरे शागिर्द बक्सूखां के शिष्य परम्परा का वर्णन चलता है।

बक्सूखां के दो लड़के हुए जिनके नाम केसरी और मम्मू थे। मम्मू के लड़के का नाम मुहम्मद था। मुहम्मद के दो लड़के मुन्ने और आबिदहुसेन मौजूद हैं। आबिदहुसेन के भतीजे वाज़िदहुसेन हैं जो लखनऊ के अच्छे तबला बजाने वालों में हैं यह सारा वंश लखनऊ में रहता है।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ताल मीमांसा ।

गौरीं गौरीसुतं रामं रामदूतं तथा गुरुम् ।
नत्वा बोधाय तालानां सम्यग् लक्षणमुच्यते ॥ १ ॥

भावार्थ—मैं पार्वती, गणेश, रामचन्द्र, हनूमानजी तथा अपने गुरु को नमस्कार करके तालों का अच्छी प्रकार ज्ञान होने के लिए उनके लक्षणों को कहता हूँ।

तालस्तलप्रतिष्ठायामिति धातोर्धञि स्मृतः ।
गीतं वाद्यं तथा नृत्यं यतस्ताले प्रतिष्ठितम् ॥ २ ॥

भावार्थ—'ताल' शब्द व्याकरण के अनुसार तल् धातु से बना है जिसका कि अर्थ 'किसी चीज़ में किसी का रहना' होता है। तल् धातु से घञ् प्रत्यय लगाकर 'ताल' शब्द बना है, क्योंकि इस ताल में गाना, बजाना और नाचना तीनों रहते हैं। इसलिये ताल इन सबो में प्रधान है।

तकारः शंकरः प्रोक्तो लकारः पार्वती स्मृतः ।
शिवशक्तिसमायोगात् ताल इत्यभिधीयते ॥ ३ ॥

भावार्थ—'त' यह शंकर का रूप है। 'ल' यह पार्वती का रूप है इस प्रकार महादेव और पार्वती के मिलने से यह ताल कहा जाता है।

संगीतशास्त्र के जाननेवाले आचार्यों के नाम ।

सदाशिवो हरिर्ब्रह्मा भरतः कश्यपो मुनिः ।
हनूमानङ्गदश्चैव नारदस्तुम्बुरुस्तथा ॥ ४ ॥
दुर्गाशक्तिर्मतङ्गश्च यास्कशार्दूलकोहलः ।
एते संगीतसर्वज्ञाः बुधास्तालान् प्रचक्रमुः ॥ ५ ॥

भावार्थ—शिव, ब्रह्मा, विष्णु, भरतऋषि, कश्यपमुनि, हनुमान, अङ्गद, नारद, तुम्बुरुगन्धर्व, दुर्गा, पार्वती, मतङ्ग, यास्क, शार्दूल और कोहलऋषि, इन आचार्यों ने ताल की रचना की है।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

तौर्यत्रिकं तु मत्तेभस्तालं तस्याङ्कुशं विदुः ।
न्यूनाधिकप्रमाणं तत् प्रमाणं क्रियते यतः ॥ ६ ॥

भावार्थ—जिस प्रकार मतवाले हाथी को अंकुश वश में रखता है इसी प्रकार गाना बजाना और नाचना इन तीन मतवाले हाथियों को ताल रूपी अंकुश न्यूनाधिक (कम ज़्याद) समय बतलाता हुआ ठीक मार्ग पर ले जाता है।

तालों के दश प्राण ।

कालमार्गक्रियाङ्गानि ग्रहजातिकला लयः ।
यति प्रस्तारकौ चेति ताल प्राणाः दश स्मृताः ॥ ७ ॥

भावार्थ—काल, मार्ग, क्रिया, अङ्ग, ग्रह, जाति कला, लय यति और प्रस्तार यह तालों के दश प्राण हैं।

ताल के इन दश प्राणों का विशेष वर्णन इस पुस्तक के आगे के भागों में दिया जायगा।

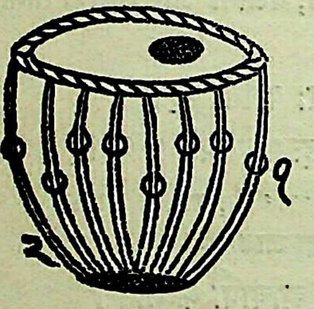

१ कड़ी.
२. डोरी

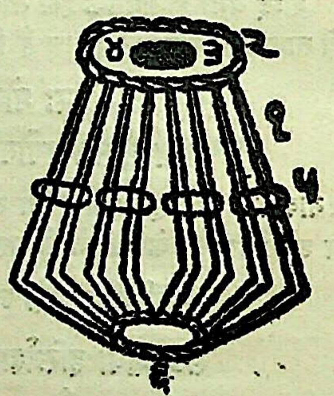

१. बद्धी
२. पघड़ी
३. स्याही
४. चाटी
५. गट्टा
६. नीचे की पघड़ी

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

कायदे में आये हुए तथा स्तुति और नाचके बोलोंमें आनेवाले अक्षरों के निकालने की रीति ।

नोटः—अंगुठे के पास वाली उगली को तर्जनी कहते हैं ।
तर्जनी के पास वालीको मध्यमा कहते हैं ।
मध्यमा के पास वाली उगली को अनामिका कहते हैं ।
सबसे छोटी उँगली को कनिष्ठा कहते हैं ।

दाहिने में स्याही के प्रारंभिक भागपर निकलने वाले खुले अक्षरों के निकालने की रीति ।

ता, न, ङ ड़, लाँ, ॐ, गा अ	यह अक्षर दाहिने हाथ की अनामिका से स्याही के प्रारम्भिक भाग पर आघात देने से निकलते हैं और मुड़ी हुई अनामिका के साथ वे मुड़ी तर्जनी और मध्यमा भी गिरते हुए उठती हैं 'ता' कनिष्ठा को बहुत थोड़ा मोड़ कर उसके अग्रभाग से स्याही के प्रारंभिक भाग पर आघात देने से भी निकलता है और इस मुड़ी हुई कनिष्ठा के साथ भी वे मुड़ी तर्जनी, मध्यमा और अनामिका गिर कर उठ जाती है ।

दाहिने में स्याही के ऊपर खुले अक्षरों के निकालने की रीति ।

दिन्, तू, म दाँ, झ, ज, व, ह	दाहिने हाथ की मिली हुई चारों अंगुलियों से स्याही के समाप्त होने के कुछ पहिले तक आघात देने से यह शब्द निकलते हैं ।

नोट—बोल में जहां "तू" के साथ "न" आता है वह "ना" "ता" की तरह निकलता है ।

दाहिने में स्याही के समाप्त होने के पहिले बन्द अक्षरों के निकालने की रीति ।

ते, तित् ड़, ट, न, च, छ, प, फ, दित्	तर्जनी को छोड़कर शेष तीनों अंगुलियों को मिलाकर स्याही के समाप्त होने के कुछ पूर्व दक्षिण भाग में आघात देने से यह शब्द निकलते हैं । किन्तु जहां 'तेटे' या 'तेरे' आता है वहाँ 'र' और 'ट' दोनों स्याही के वाम भाग पर तर्जनी से आघात देने से निकलते हैं । तिर स्याही के समाप्त होने के आगे के भाग पर चाँटी के प्रारम्भ होने के पहिले तक भी निकलता है ।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

तरान्, नरान् — चाँटी पर कनिष्ठा अनामिका और मध्यमा के अग्रभाग के आघात देने से "त" और तर्जनी के आघात देने से "रान्" निकलता है।

नोट—कुछ अक्षर ऐसे हैं जो दाहिने में स्याही के समाप्त होने के पूर्व और स्याही के प्रारम्भिक भाग से भी निकलते हैं जैसे कि 'ड़' और 'न' स्याही के प्रारम्भिक भाग पर खुला निकलता है और स्याही के समाप्त होने के कुछ पहिले बन्द निकलता है और 'न' चांटी पर तर्जनी से आघात देने से भी निकलता है।

बाँये पर निकलने वाले खुले अक्षर।

ग, थ, थुं, घु, भी, अ, इ, उ, श, ष, स, — कलाई के अग्र भाग को स्याही के प्रारंभिक भाग के पहिले जमाकर उठी हुई चारों अँगुलियों को एक साथ गिराते हुए अनामिका और मध्यमा से स्याही की समाप्ति के आगे ठोक देने से निकलते हैं।

बाँये पर निकलने वाले बन्द अक्षर।

क, की, कत, ख, — बाँये हाथ की पाँचो अँगुलियों से दबाकर स्याही पर आघात देने से यह अक्षर निकलते हैं।

दोनों ओर के बाँयें तथा दाँयें के मिले हुए खुले अक्षर।

धा, थेई, — दाहिने हाथ की मुड़ी हुई अनामिका और बाँए हाथ की मुड़ी हुई मध्यमा और अनामिका के एक साथ आघात देने से निकलते हैं।

धिन् बाँए हाथ की मध्यमा और अनामिका और दाँए के खुले अक्षरों में निकलने वाले उपरोक्त "दिन्" की तरह एक साथ आघात देने से भी निकलता है।

घ्ड़ान — बाँएँ हाथ की अनामिका और मध्यमा से और दाहिने हाथ की मुड़ी हुई अनामिका से कुछ आगे पीछे आघात देने से निकलता है।

धड़न्न — दाहिने हाथ की अनामिका मध्यमा कनिष्ठा से स्याही पर और बाँएँ हाथ की अनामिका और मध्यमा एक साथ लगाते हुए ध और दाहिने हाथ की तर्जनी से स्याही के बाम भाग पर आघात देने से "घड़न्न" निकलता है।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

दाहिने और बाँये के आगे पीछे निकलने वाले बन्द और खुले शब्द ।

कड़ान	बाँएँ हाथ की कनिष्ठा अनामिका मध्यमा और तर्जनी से स्याही की समाप्ति पर तथा दाँएँ की मुड़ी हुई तर्जनी से कुछ आगे पीछे आघात देने से निकलता है।
धेत्	बाँएँ हाथ की अनामिका और मध्यमा और दाँएँ हाथ की कनिष्ठा अनामिका और मध्यमा से एक साथ आघात देने से निकलता है।

नोट—१ | तड़न्न, धड़न्न, घिगिन्न इत्यादि बहुत से शब्द मृदङ्ग (पखावज) में ही बजाने से उसका स्पष्ट रूप प्रतीत होता है पर आज कल इन शब्दों को तबले में भी बजाया जाता है किन्तु वास्तविक शब्द का रूप स्पष्ट नहीं होता।

२. ताल चिन्ह ।

+ यह सम तथा आघात दोनों का ज्ञापक चिन्ह है। प्रस्तार के चिन्हों में इसे काक पद नाम दिया गया है।

। यह आघात का चिन्ह है।

० यह चिन्ह खाली का बोध कराता है।

१ कायदे, ठेके, बोल, इत्यादि पर जो अङ्क दिये हैं। उनको मात्रा कहते हैं।

ठेके में आये हुए तथा बाँट में अनेवाले अक्षरों के निकालने की रीति।

दाहिने में चाँटी के ऊपर बन्द अक्षरों के निकालने की रीति।

ड़ा, ता, न	अनामिका को स्याही के प्रारंभिक भाग पर रखते हुए तर्जनी के अग्रभाग से चाँटी पर आघात देने से होता है।

दाहिने में स्याही के प्रारम्भिक भाग पर खुले अक्षरों के निकालने की रीति।

तिन्	दाहिने हाथ की मुड़ी हुई अनामिका को स्याही के प्रारंभिक भाग पर रखकर गद्दी से आघात देते हुए तर्जनी को गिराकर उठाने से तिन् निकलता है।

नोट—बाँट में जहाँ भी 'तू' के साथ 'ना' आता है वह 'ना' 'तिन्' की तरह निकलता है।

२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

बाँये के बन्द अक्षर ।

क कू किक्	कलाई के अग्रभाग को स्याही के प्रारंभिक भाग के पहिले जमाकर उठी हुई चारों अँगुलियों को एक साथ गिराकर आघात देने से निकलते हैं तर्जनी को मोड़कर उसके नख का स्याही पर आघात देने से भी निकलते हैं ।

बाँये के खुले अक्षर ।

ग, घ	कलाई के अग्रभाग को स्याही के प्रारंभिक भाग के पहिले जमाकर उठी हुई चारों अँगुलियों को एक साथ गिराते हुए मध्यमा और तर्जनी से स्याही की समाप्ति के आगे आघात देने से निकलते हैं ।

बाँये तथा दाँये के मिले अक्षर ।

धा	दाँए हाथ की अनामिका को स्याही के प्रारंभिक भाग पर रखते हुए तर्जनी के अग्रभाग से चाँटी पर और बाँए हाथ का ग, इन दोनों के एक साथ आघात देने से होता है ।
धिन्	ठेका व बांट में आने वाला दाहिने हाथ का खुला 'तिन्' और बाएँ हाथ का 'ग' दोनों का एक साथ आघात देने से होता है ।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

क़ायदा तबला।

ताल धीमा तिताला।

	+				|			
	१	२	३	४	५	६	७	८
१.	धा	धा	ते	टे	धा	धा	तू	ना
	०				|			
	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
	ता	ता	ते	टे	धा	धा	तू	ना

	+				|			
	१	२	३	४	५	६	७	८
२.	धा	धा	तिर	किट	धा	धा	तू	ना
	०				|			
	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
	ता	ता	तिर	किट	धा	धा	तू	ना

	+				|			
	१	२	३	४	५	६	७	८
३.	धागे	तेटे	धागे	तेटे	धागे	नागे	तूना	कत्ता
	०				|			
	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
	तागे	ते टे	तागे	ते टे	धागे	नागे	तू ना	क त्ता

	+				|			
	१	२	३	४	५	६	७	८
४.	धागे	तिरकिट	धागे	तिरकिट	धागे	नागे	तूना	कत्ताँ
	०				|			
	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
	तागे	तिरकिट	तागे	तिरकिट	धागे	नागे	तू ना	क त्ता

	+				|			
	१	२	३	४	५	६	७	८
५.	धागे	न धा	तिरकिट	धागे	न धा	तिरकिट	धाधा	तिरकिट
	०				|			
	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
	धागे	न धा	तिरकिट	तू ना	किटतक	तिरकिट	त कता	तिरकिट

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

	+				|			
	१	२	३	४	५	६	७	८
६.	घेते	टेधा	तिरकिट	घेते	टेधा	तिरकिट	धाधा	तिरकिट
	०				|			
	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
	घेते	टेधा	तिरकिट	तूना	किटतक	तिरकिट	तकता	तिरकिट

	+				|			
	१	२	३	४	५	६	७	८
७.	घेने	कधा	तिरकिट	घेने	कधा	तिरकिट	धाधा	तिरकिट
	०				|			
	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
	घेने	कधा	तिरकिट	तूना	किटतक	तिरकिट	तकता	तिरकिट

	+				|			
	१	२	३	४	५	६	७	८
८.	धातिर	किटतक	धातिर	किटतक	धातिर	किटतक	तूना	किटतक
	०				|			
	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
	तातिर	किटतक	तातिर	किटतक	धातिर	किटतक	तूना	किटतक

	+				|			
	१	२	३	४	५	६	७	८
९.	घेटेघेटे	किटतक	घेटेघेटे	किटतक	घेटेघेटे	किटतक	तूना	किटतक
	०				|			
	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
	तेटेतेटे	किटतक	तेटेतेटे	किटतक	घेटेघेटे	किटतक	तूना	किटतक

	+				|			
	१	२	३	४	५	६	७	८
१०.	तड़न्न	किटतक	धिरधिर	किटतक	तिरकिट	तकतिर	किटतक	तिन्
	०				|			
	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
	धड़न्न	किटतक	धिरधिर	किटतक	तिरकिट	तकधिर	किटतक	धिन्

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

	+				।			
	१	२	३	४	५	६	७	८
११.	घिन्तरा	ऽन्धा	तूना	क्डितक्र	तिरक्टि	तक्रतिर	क्टितक	तित्
	०				।			
	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
	घिन्नड़ा	ऽन्धा	तूना	क्टितक्र	थिरक्टि	तक्रतिर	क्टितक्र	तित्

	+				।			
	१	२	३	४	५	६	७	८
१२.	धग	द्दिगन *	धग	द्दिगन	धातिरक्टि	घेतेटे	घेनेग	दीगन
	०				।			
	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
	धगं	द्दिगन	धग	द्दिगन	धातिरक्टि	घे ते टे	घेनेग	दीगन

	+				।			
	१	२	३	४	५	६	७	८
१३.	धाधा	ऽधा	तिरक्टि	नगतित्	घ्ड़ान्	धा धा	तूना	क्टितक
	०				।			
	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
	ताता	ऽता	तिरक्टि	नगतित्	घ्ड़ान्	धाधा	तूना	क्टितक

	+				।			
	१	२	३	४	५	६	७	८
१४.	तिरक्टि	तक्रता	धिरक्टि	नगतित्	घ्ड़ान्	धाधा	तूना	क्टितक
	०				।			
	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
	धिरक्टि	तक्रता	तिरक्टि	नगतित्	घ्ड़ान्	धाधा	तूना	क्टितक

* 'न' चाटी पर तर्जनी के अग्रभाग के आघात देने से निकलता है। मध्यमा, अनामिका व कनिष्ठका यह स्याही तथा पघड़ी से अलग रहती है।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

१५.

+				|			
१	२	३	४	५	६	७	८
*दिनतक्र	दिनतक्र	धातिर	किटतक	धिरधिर	किटतक	तातिर	किटतक
०				|			
९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
†तिनतक्र	तिनतक्र	तातिर	क्रिटतक्र	धिरधिर	क्रिटतक्र	धातिर	क्रिटतक

१६.

+				|			
१	२	३	४	५	६	७	८
‡धातिट	घेड़नग	दिनतक्र	धातिट	घेड़नग	दिनतक्र	तातिर	किटतक
०				|			
९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
तातिट	घेढ़नग	दिनतक्र	तातिट	घेड़नग	दिनतक्र	धातिर	किटतक

१७.

+				|			
१	२	३	४	५	६	७	८
धिन्	नग	नग	धिन्	नग	नग	दिन	तक
०				|			
९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
§तिन्	नग	नग	धिन्	नग	नग	दिन	तक

१८.

+				|			
१	२	३	४	५	६	७	८
धाधा	तेटे	कति	ऽत्ति	धा	धा	तू	ना
०				|			
९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
ताता	ते टे	कति	ऽत्ति	धा	धा	तू	ना

* 'दि' के साथ जब पूरा 'न' आता है तब 'दि' तरजनी से 'दिन्' के तरह और 'न' 'ते' के तरह निकलता है (बोल तथा कायदे में 'न' ते के तरह भी निकलता है)

† 'तिन' तरजनी से दिन् के तरह और 'न' 'ते' के तरह निकलेगा

‡ 'ड़' 'ते' के तरह भी निकलता है ऐसे 'ड़' के साथ जब 'न' आता है वह 'न' 'ता' के तरह निकलता है।

§ नोट—'तिन' दिन् के तरह निकलेगा) 'न' चा ही पर निकलेगा)।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

	+				|			
	१	२	३	४	५	६	७	८
१९.	तिरकिट	तकतिर	किटतक	तिरकिट	धा	ऽतेरे	किटतक	तित्
	०				|			
	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
	धिरकिट	तकधिर	किटतक	धिरकिट	ता	ऽधिर	किटतक	तित्

	+				|			
	१	२	३	४	५	६	७	८
२०.	धातिर	किड़धा	तेटे	घेने	धाड़े	घेने	तूना	कत्ता
	०				|			
	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
	तातिर	किड़धा	ते टे	घेने	धाड़े	घे ने	तू ना	क त्ता

ठेका धीमा त्रिताला मात्रा १६

	+				|				०				||			
	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
१.	ता	धिन्	धिन्	ता	ता	धिन्	धिन्	ता	ता	तिन्	तिन्	ता	ता	धिन्	धिन्	ता

ठेका जल्द त्रिताला मात्रा ८

	+		|		०		|	
	१	२	३	४	५	६	७	८
२.	नाधिं	ऽधि	ना	धिन्	ता	तिन्	ना	धीधी

ठेका एक ताल मात्रा १२

	+				|				|			
	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
३.	धिन्	धिन्	धा	तिरकिट	तू	ना	क	त्ता	धिन्	तिरकिट	धी	ना

ठेका शूल मात्रा १०

	+		०		|		|		०	
	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०
४.	धी	धी	ना	धी	धी	ना	तिन्	तिरकिट	ती	ना

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ठेका सितार खानी या कौवाली मात्रा ८

	+		।		०		।	
	१	२	३	४	५	६	७	८
५.	ताधिं	ऽता	ताधिं	ऽता	तातिं	ऽता	ताधिं	ऽता

ठेका कहरवा मात्रा ४

	+		।	
	१	२	३	४
६.	धागे	नधि	नक	धिन्

ठेका दादरा मात्रा ६
डेढ़ीलय के छन्द का है

	+			०		
	१	२	३	४	५	६
७.	धी	धी	ना	धा	तू	ना

ठेका खेमटा मात्रा ६
आड़ीलय के छन्द का है

	+			०		
	१	२	३	४	५	६
८.	धा	धिन	तक	ता	तिन्	तक

ठेका लावनी मात्रा ८

	+		।		०		।	
	१	२	३	४	५	६	७	८
९.	धिन्धी	नाधिन्	नातिन्	नागे तिरकिट	तिन्ती	नाधिन्	नातिन्	नागे तिरकिट

उठान धीमा त्रिताला ।

+				।				०				।
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३
ता	धिन्	धिन्	ता	ता	धिन्	धिन्	ता	ता	तिन्	तिन्	नाना	तिना

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

+ | ०

१४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११

तित् तिना तिरकिट तित् ता ऽ किक् किक् तित् तक तत् तत् ता घे घे

| +

१२ १३ १४ १५ १६ १

तिट तिट ताघिड़ नगता तिरकिट (ता)

बोल धीमा त्रिताला।

+ |

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८

१. धातिऽद्धा गद्दी घेड़नग तगतिर किटतक् नगदित् कड़ान्

० |

९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६

धातिर किटतक् तातिर किड़धा दींगड़धा दींगड़धा दिंगड़

+ |

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८

धा कड़ान् धा किड़धा दींगड़धा दींगड़धा दींगड़

० | +

९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १

धा कड़ान् धा किड़धा दींगड़ धादीं गड़धा दींगड़ धा

जोड़ा

+ |

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८

२. धाधा तिरकिट घिंतिर किटघिं तरान धादिन् धातिर किटतक्

० |

९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६

गेदिन्न किटतक धिरधिर किटतक् तिरकिट नगदित् कड़ान् धाति

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

+				|				
१	२ ३	४	५	६	७	८		
द्धा	घेतिद्धा	किटतक्	तिरकिट	नगदित्	कड़ान्	धाति		
०			|				+	
९	१० ११	१२	१३	१४	१५	१६	१	
द्धा	घेतिद्धा	किटतक्	तिरकिट	नगदित्	कड़ान्	धातिं	द्धा	

—:o:—

	+				|				
	१	२	३	४	५	६	७	८	
३.	किटतक	ता	किटतक	ता	तूना	किटतक	तातिर	किटतकं	
	०				|				
	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	
	तिरकिट	तकतिर	किटतक	धा	दीं	किड़धा	ऽतग	तिरकिट	
	+				|				
	१	२	३	४	५	६	७	८	
	धा	ऽतिर	किटतक	धा	दीं	किड़धा	ऽतग	तिरकिट	
	०				|				+
	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१
	धा	ऽतिर	किटतक	धा	दीं	किड़धा	ऽतग	तिरकिट	धा

—:o:—

	+				|				
	१	२	३	४	५	६	७	८	
४.	गेदिन्	ता	कत्ति	द्धा	किटतक	तिरकिट	तातिर	किटतक्	
	०				|				
	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	
	धिरधिर	किटतक	धातिर	किटतक	कड़ान्	धा	धिरधिर	किटतक	
	+				|				
	१	२	३	४	५	६	७	८	
	धा	ऽता	ऽक	तित्	कड़ान्	धा	धिरधिर	किटतक	
	०				|				+
	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१
	धा	ऽता	ऽक	तित्	कड़ान्	धा	धिरधिर	किटतक	धा

—:o:—

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

बोल धीमा तिताला ।

	+				।				।		
	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११
५.	धागे	तिट	तागे	तिट	धागे	दिन्	नग	तिट	तिट	तगे	ऽन्न

+	।				+				।				०	
१२	१३	१४	१५	१६	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०
घिट	तगे	ऽन्न	धि	त्ता	धे	ध्दे	तगे	ऽन्न	धा	तिट	धे	ध्दे	तगे	ऽन्न

		।				+
११	१२	१३	१४	१५	१६	१
धा	तिट	धे	ध्दे	तगे	ऽन्न	धा

जोड़ा

	+				।				०		
	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११
६.	धे	ढ्दे	ढ्दिट	तिट	धागे	तिट	तागे	तिट	धग	नत	किट

	।				+				।	
१२	१३	१४	१५	१६	१	२	३	४	५	६
धगे	दिन्	दिन्	नरा	ऽन	धे	ढ्दे	ढ्देत्	कड़ान्	धा	तिरकिट

		।				।				+
७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१
धे	ढ्दे	ढ्देत्	कड़ान्	धा	तिरकिट	धे	ढ्दे	ढ्देत्	कड़ान्	धा

मोहड़ा खाली से दून की लय में

	०				।			
	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
७.	कत्तेट	घघेतिट	घिंतिरकिटतक्	तागेतिट	धाधा	दिन्दिन्	नाना	तेटतेट

+				।				०
१	२.	३	४	५	६	७	८	९
कतगदि	गनधागे	तिटकत	गदिगन	धाधा	धाकत	गदिगन	धागेतिट	कतगदि

			।				+
१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१
गनधा	धाधा	कतगदि	गनधागे	तिटकत	गदिगन	धाधा	धा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

बोल आड़ी लय का ।

	+				|				
	१	२	३	४	५	६	७	८	
८.	घेंघे	दिंघेन	घेतिरकिट	धींकिट	घेंघे	दिंघेन	घेतिरकिट	घेकेट	
	०				|				
	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	
	कतक्क	धान	कतक्क	धान	कतक	तकत	कतक	ऽद्धा	
	+				|				
	१	२	३	४	५	६	७	८	
	कतक	तकत	कतक	ऽद्धा	धागेति	टतागे	तिटक्क	धाकिट	
	०				|				
	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	
	धागेति	टतागे	तिटक्क	धाकिट	धगेन	कत्	धगेन	कत्	
	+				|				
	१	२	३	४	५	६	७	८	
	धातिरकिड़	धाकिट	धातिरकिड़	धाकिट	धाग	दीगन	धातिरकिड़	धाकिट	
	०				|				+
	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१
	धातिरकिड़	धाकिट	धाग	दीगन	धातिरकिड़	धाकिट	धातिरकिड़	धाकिट	धा

बोल आड़ी लय का ।

	+				|			
	१	२	३	४	५	६	७	८
९.	घ्ड़ान	घ्ड़ान	घ्ड़ान	कतिट	कतिट	कतिट	कतक	तकत
	०				|			
	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
	धातिरकिट	धींकिट	धातिरकिट	धींकिट	धातिरकिट	धींकिट	धगेन	धगेन
	+				|			
	१	२	३	४	५	६	७	८
	धगेन	तगेन	तगेन	तगेन	तकत	कतक	तिरकिटतक	ताकिट

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

०				|	
९	१०	११	१२	१३	१४
तिरकिटतक	ताकिट	तिरकिटतक	ताकिट	धेटधे	टधेट

		+				|				
१५	१६	१	२	३	४	५	६	७	८	९
धिटक	तान	धिटक	तान	धाग	दिगन	धिटक	तान	धिटक	तान	धाग

			|				+
१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१
दीगन	धिटक	तान	धिटक	तान	धिटक	तान	धा

यह बोल साढ़े बारहवीं मात्रा से उठता है

आड़ी लय का ।

|				+				|	
१३	१४	१५	१६	१	२	३	४	५	६
किड़ ताता	ऽकिड़	तीक	ड़ान	धाक्कि	टतक	धुमक्कि	टतक	घेघे	त्तान

		०				|				+
७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१	२
धा	घेघे	त्तान	धा	तान	धा	धान	धा	तकिट	धा	घेघेन	ऽग घेघे

		|				०				|	
३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४
दींदीं	ऽकिड़	तान	तान	ता	ऽकिड़	धान	धान	धा	किड़	धान	धान धाकिड़

		+
१५	१६	१
धान	धान	धा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

तिहाइयां तिताले में हरएक मात्रा से समतक की

तिहाई सम से सम तक ।

+				।				०	
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०
तगेन्न	धाता	ऽन्धा	ताधा	गदिगन	धातगे	ऽन्नधा	तान	धाता	धागदि

		।				+
११	१२	१३	१४	१५	१६	१
गनधा	तगेन	धाता	ऽ नधा	ताधा	गदिगन	धा ॥

तिहाई दूसरी मात्रा से सम तक ॥

+									
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०
(ता)	धागदि	गनदिग	दिन्ता	धित्ता	कुधान	धागदि	गनदिग	दिन्ता	धित्ता

		।				+
११	१२	१३	१४	१५	१६	१
कुधान	धागदि	गनदिग	दिन्ता	धित्ता	कुधान	धा ॥

तिहाई तीसरी मात्रा से सम तक ॥

+				।							
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
(ता	धिं)	धिंतरा	ऽन्धा	क	द्धाति	द्धा	धिंतरा	ऽन्धा	क	द्धाति	द्धा

।				+
१३	१४	१५	१६	१
धिंतरा	ऽन्धा	क	द्धाति	द्धा

तिहाई चौथी मात्रा से सम तक ॥

+				।						
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११
(ता	धिं	धिं)	कतघड़ा	ऽन्धा	तिद्धा	ऽता	धाकत	घड़ान	धाति	द्धाता

	।				+
१२	१३	१४	१५	१६	१
ऽधा	कतघड़ा	ऽन्धा	तिद्धा	ऽ ता	धा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

तिहाई पाँचवी मात्रा से समतक ।

```
+               |                     0
१  २  ३  ४      ५          ६     ७       ८     ९           १०
( ता धिं धिं ता ) धातिरकिट धेत्ता गदिगन धाति द्धातिरकिट धेत्ता

              |                       +
११     १२    १३        १४   १५    १६   १
गदिगन धाति द्धातिरकिट धेत्ता गदिगन धाति द्धा
```

तिहाई छठवाँ मात्रा से समतक ।

```
+                                          0
१  २  ३  ४  ५  ६        ७      ८     ९   १०     ११    १२
(ता धिं धिं ता ता) तिटकत गदिगन धाति द्धा तेटकत गदिगन धाति

|                   +
१३  १४    १५    १६   १
द्धा तिटकत गदिगन धाति द्धा
```

तिहाई सातवाँ मात्रा से समतक ।

```
+           |                              0
१  २  ३  ४  ५  ६   ७          ८     ९          १०     ११
( ता धिं धिं ता ता धिं ) तिरकिटधेत् तड़न्न धाति द्धातिरकिट धेत्तड़

        |                     +
१२     १३   १४        १५    १६   १
ऽ न्नधा तिद्धा तिरकिटधेत् तड़न्न धाति द्धा
```

तिहाई आठवाँ मात्रा से समतक ।

```
+        |                                             |
१  २  ३  ४  ५  ६  ७     ८     ९    १०   ११    १२      १३
(ता धिं धिं ता ता धिं धिं) किटतक धाति द्धा द्धाकिट त कधा तिद्धा

            +
१४  १५    १६   १
ऽद्धा किटतक धाति द्धा
```

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

तिहाई नवाँ मात्रा समतक

\+ | ० |

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४

(धा धिं धिं ता ता धिं धिं ता) तिटकत ग दिगन धा तिटकत ग दिगन धा

\+

१५ १६ १

तिटकत ग दिगन धा

तिहाई दसवीं मात्रा से सम तक

\+ | ० |

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४

(ता धिं धिं ता ता धिं धिं ता ता) क्‍धान धाति द्धाक्‍धा ऽन धा तिद्धा

\+

१५ १६ १

क्‍धान धाति द्धा

तिहाई ग्यारहवीं मात्रा से समतक

\+ | ० |

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४

(ता धिं धिं ता ता धिं धिं ता ता तिं) गदिगन धा ऽगदि गनधा

\+

१५ १६ १

ऽ गदिगन धा

तिहाई बारहवीं मात्रा से समतक

\+ | ० | +

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १

(ता धिं धिं ता ता धिं धिं ता ता तिं तिं) धाति द्धा धाति द्धा धाति द्धा

तिहाई तेरहवी मात्रा से समतक

\+ | ० | +

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १

(ता धिं धिं ता ता धिं धिं ता ता तिं तिं ता) कत्ता धाक त्ताधा कत्ता द्धा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

तिहाई चौदहवीं मात्रा से समतक

\+ | ० | +

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १

(ता धिं धिं ता ता धिं धिं ता ता तिं तिं ता ता) त धा ऽतधा ऽत धा

तिहाई पन्द्रहवीं मात्रा से समतक

\+ | ० | +

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १

(ता धिं धिं ता ता धिं धिं ता ता तिं तिं ता ता धिं) किड़धा किड़धाकिड़धा

तिहाई सोलहवीं मात्रा से समतक

\+ | ० | +

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १

(ता धिं धिं ता ता धिं धिं ता ता ति ति ता ता धि धि) धा धा धा

धीमा तितालाकी दून तिगुन तथा चौगुन

	+				|			
	१	२	३	४	५	६	७	८
दून—	ताधिं	धिंता	ताधिं	धिंता	तातिं	तिंता	ताधिं	धिंता
	०				|			
	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
	ताधिं	धिंता	ताधिं	धिंता	तातिं	तिंता	ताधिं	धिंता

	+				|			
	१	२	३	४	५	६	७	८
तिगुन—	ताधिंधिं	ताताधिं	धिंताता	तिंतिंता	ताधिंधिं	ताताधिं	धिंताता	धिंधिंता
	०				|			
	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
	तातिंतिं	ताताधिं	धिंताता	धिंधिंता	ताधिंधिं	ताताति	तिंताता	धिंधिंता

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

	+				|	
	१	२	३	४	५	६
चौगुन—	ताधिंधिंता	ताधिंधिंता	तातिंतिंता	ताधिंधिंता	ताधिंधिंता	तधिंधिंधाता
			०			
	७	८	९	१०	११	१२
	तातिंतिंता	ताधिंधिंता	ताधिंधिंता	ताधिंधिंता	तातिंतिंता	ताधिंधिंता
	|					
	१३	१४	१५	१६		
	ताधिंधिंता	ताधिंधिंता	तातिंतिंता	ताधिंधिंता		

॥ इति ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

नम्बर लाईन	पृष्ठ	अशुद्ध	शुद्ध
१४	३	सभो	सबो
८	६	—	प्राणः
१४	६	पघड़ी	पगड़ी
१८	६	पघड़ी	पगड़ी
१९	७	न	ना
२	८	आधात	आघात
२७	८	धड़न्न	ड़न्न
१७	९	अनेवाले	आनेवाले
१० (२६)	१३	पघड़ी	पगड़ी
४	१४	ग्रेढ़नग	ग्रेड़नग
१४	१४	चाही	चाटी
		।	०
		९	९
२	१९	तिट	तिट
		+	
		१२	१२
३	१९	धिट	धिट
		।	०
		९	९
८	१९	ढेत	ढेत
१०	१९	ग्घेतिट	ग्रेघेतिट
१०	१९	घिंतिरकिटतक्	घिंतिरकिटतक्
		१३	१३
१२	१९	गनधागे	गनधागे
४	२१	गात्रा	मात्रा
			+
६	२१	+	१
			।
७	२१	।	१३
			+
८	२१	+	१

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

७	२१	ऽग	ऽग्
५	२२	तगेन	तगेन्न
६	२२	५.	। ५. ०
६	२२	६	६ ०
९	२२	६	६ ०
१२	२२	६	६
४	२३	छठवां	छठवाँ
५	२३	५.	। ५
७	२३	सतवां	सतवाँ
८	२३	।	। ५. ०
८	२३	०	६
१०	२३	आठवां	आठवाँ
११	२३	। ४	। ५ ०
११	२३	६	६
१	२४	नवां	नवाँ
१	२४	मात्रा	मात्रा से
६	२४	+	+ १
१२	२४	। १४	। १३
१	२५	तातितिता	तातिंतिता

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

पुस्तक मिलने का पता :—

मन्नू जी, मृदङ्गाचार्य,

किसुनदास मकुन्ददास,

बरतन के व्यापारी,

गोपाल मन्दिर,

बनारस सिटी ।

तारा यन्त्रालय, काशी ।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

श्रीः

ताल-दीपिका ।

(तबला प्रकरण)

द्वितीय भाग ।

लेखक तथा प्रकाशक—

पं० मन्नू जी मृदङ्गाचार्य,

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय ।

पुस्तक का अधिकार प्रकाशक के आधीन है ।

पहिली बार १०००]

मूल्य—१।=)

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सूची ।

विषय	
तालमीमांसा	१
ठेके	४
बोल सीधी लय के (तीताले के)	६
बोल गीताङ्गी छन्द के	११
बोल कहरवा छन्द के	१२
छन्द कौवाली के बोल	१३
गत सीधी लय की	१३
गत पंजाबी आड़ी लय की	१४
बोल आड़ीलय का	१४
टुकड़ा सीधी लय का	१५
बाट कहरवा लय के	१६
बाट आड़ीलय के	२०
बोल चौताला या एकताला के	२३
टुकड़ा बड़ा ताल चौताले का	२५
टुकड़ा छोटा ,, ,, ...	२७
रेला चौताले का	२७
बोल आड़ीलय का चौताला का	२८
तीहाइयां चौताले या एकताले की	२६
दून, तीगुन, चौगुन	३१-३२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

' निवेदन '

बड़े हर्ष की बात है कि तालदीपिका के प्रथम भाग के साथ ही साथ उसका द्वितीय तथा तृतीय भाग भी प्रकाशित हो रहा है। इस द्वितीय भाग में तालों के कुछ प्राणों का वर्णन, प्रचलित ठेके, तिताले के सीधे तथा आड़ी-लय के बोल कहरवा आदि छन्दों के बोल बाँट और चौताला तथा एक ताला के सीधे तथा आड़ी-लय के बोल रेला तथा तिहाइयां इत्यादि हैं।

इस ताल दीपिका को प्रकाशित करने का भार मैंने अपने प्रियशिष्य रामकृपालु गुप्त, ध्रुवदेव सहाय, रामदेव शर्मा अक्षयकीर्त्ति शर्मा व्यास के सहयोग के बल पर ही उठाया है ये सब विश्वविद्यालय के भिन्न २ विभाग के विद्यार्थी हैं और संगीत से प्रेम रखते तथा सीखते हैं इन लोगों ने मुझे यथा समय आवश्यक सहयोग देकर तालदीपिका के प्रकाशित करने में उत्साह दिलाया है।

मन्नू जी।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ताल-दीपिका ।

तबला प्रकरण

(द्वितीय भाग)

तस्मादत्र दश प्राणाः प्रदर्श्यन्ते क्रमादिह ।
ताल तत्व परिज्ञाने कारणं तत्प्रदर्शनम् ॥ ८ ॥

भावार्थ—तालों के प्राणों का नाम निर्देश प्रथम भाग में किया गया है उनमें से कुछ प्राणों का निरूपण इस भाग में किया जाता है । इन प्राणों का निरूपण तालों के तत्व का ज्ञान कराने में अत्यावश्यक हैं ।

अथ कालः

हस्तद्वयस्य संयोगे वियोगे चापि सर्वदा ।
व्याप्तिमान् यः समादिष्टः स कालस्ताल संज्ञकः ॥ ९ ॥

भावार्थ—दोनों हाथों के मिलाने या अलहदा करने में काल सर्वदा विद्यमान रहता है इसी काल का नाम ताल कहा गया है ।

कालस्ताल इति प्रोक्तो त्र्यणवादिक्रिययामितः ।
गीतादेः संमितिं कुर्वन् मार्गी देशीति स द्विधा ॥ १० ॥

भावार्थ—गायन के साथ अणु इत्यादि परिमित काल में इसकी (ताल की) क्रिया होने की वजह से यह काल ही ताल कहा जाता है । जो मार्गीय और देशीय भेद से दो प्रकार का है ।

नोट—जिस काल के अनुसार गन्धर्वादि गाते हैं उस कालको मार्गीय काल कहते हैं और जिसके अनुसार मनुष्य गाते हैं उसे देशीय काल कहते हैं ।

क्षणादिरूपो यः कालः स तून्नेतुं न शक्यते ।
अणुद्रुतादिरूपस्तु कालस्तालोऽत्र कथ्यते ॥ ११ ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

भावार्थ—क्षण इत्यादि संज्ञक काल का व्यवहार अति सूक्ष्म होने से स्पष्ट नहीं मालूम हो सकता। अतः अणुद्रुत इत्यादि रूप वाले काल का ही ताल में व्यवहार किया जाता है।

उपर्युपरि विन्यस्य पद्मपत्रशतं सकृत्।
सूचीकृतस्तत्संवेधे यः कालः स क्षणः स्मृतः ॥ १२ ॥

भावार्थ—एक के ऊपर एक इस प्रकार से १०० कमल पत्र रखकर सुई के अग्रभाग से छेदन करने में जो समय लगता है वह क्षण कहलाता है।

लवः क्षणैरष्टभिः स्यात् काष्ठा स्यादष्टभिर्लवैः।
अष्टकाष्ठानिमेषः स्यान्निमेषैरष्टभिः कला ॥ १३ ॥

भावार्थ—आठ क्षण का एक लव होता है आठ लव की एक काष्ठा होती है आठ काष्ठा का एक निमेष होता है और आठ निमेष की एक कला होती है।

कला द्वयाच्चतुर्भागश्चतुर्भाग द्वयादणुः।
अणुद्वयाद् द्रुतः प्रोक्तस्तद्द्वयेन लघुर्भवेत् ॥ १४ ॥

भावार्थ—दो कला का एक चतुर्भाग और दो चतुर्भाग का एक अणु दो अणु का एक द्रुत और दो द्रुत का एक लघु होता है।

लघुद्वयाद् गुरुः प्रोक्तस्त्रिलघुः प्लुत उच्यते।
एवं काल गतिः प्रोक्तः तालज्ञैः पूर्वसूरिभिः ॥ १५ ॥

भावार्थ—दो लघु का एक गुरु और तीन लघु का एक प्लुत होता है। इस प्रकार ताल के जानने वाले विद्वानों ने ताल का वर्णन किया है।

इति कालः।

अथ मार्गाः

मार्गाः स्युस्तत्र चत्वारो ध्रुवश्चित्रश्च वार्त्तिकः।
दक्षिणश्चेति तत्र स्याद् ध्रुवके मात्रिका कला ॥ १६ ॥
शेषेषु द्वेचतस्रोऽष्टौ क्रमान्मात्राः कला भवेत् ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

भावार्थ—ध्रुव, चित्र, वार्त्तिक, और दक्षिण इन भेदों से मार्ग चार प्रकार का है। इनमें से ध्रुव नामक मार्ग में एक कला होती है, और शेष मार्ग क्रम से दो, चार, और आठ कलाओं से बनते हैं।

यहाँ पर संगीताचार्यो की कुछ मत भिन्नता दिखाई देती हैं क्योंकि चूड़ामणि में छै और मणिदर्पण में १२ मार्ग कहे हैं।

(इति मार्गाः)

अथ क्रिया

निःशब्दा शब्दयुक्ता च क्रिया तु द्विविधा मता।
निःशब्दा तु कला प्रोक्ता चतुर्धा सा प्रकीर्त्तिता ॥ १७ ॥

भावार्थ—'निः' शब्द और 'स' शब्द भेद से क्रिया दो तरह की होती हैं। निः शब्द क्रिया कला नाम से भी पुकारी जाती है जो चार प्रकार की है।

आवापश्चाथ निष्क्रामो विक्षेपश्च प्रवेशकः
निःशब्देति चतुर्धोक्ता—

भावार्थ—यह आवाप, निष्काम, विक्षेप और प्रवेशक भेदों से चार प्रकार की कही गयी है।

सशब्दापि चतुर्विधा ॥ १७ ॥
ध्रुवः शंपा तथा तालः सन्निपात इतीरिता।

भावार्थ—'स' शब्द क्रिया भी ध्रुव शंपा ताल तथा सन्निपात इन भेदों से चार तरह की है।

पातः कला च सा ज्ञेया तासां लक्ष्माभिधीयते ॥ १८ ॥
आवापस्तत्र हस्तस्योत्तानस्यांगुलिकुंचनम्।
निष्क्रामोऽधस्तलस्य स्यादंगुलीनां प्रसारणम् ॥ १९ ॥

भावार्थ—'स' शब्द क्रिया को पात तथा कला इन नामों से पुकारते हैं अब इन सब भेदों के लक्षणों को कहते हैं।

आवाप—उठे हुए हाथ की अंगुलियों के बटोरने की क्रिया को कहते हैं।

निष्काम—हाथ को नीचे कर अंगुलियों के फैलाने की क्रिया को कहते हैं।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

क्षेपो दक्षिणपार्श्वस्योत्तानस्य प्रसृतांगुले: ।
विक्षेपोऽधस्तलस्यास्य प्रवेशोऽङ्गुलिधूननम् ॥ २० ॥

विक्षेप—फैले हुए दाहिने हाथ की उठी हुई अंगुलियों के गिराने को कहते हैं। प्रवेशक—उन्हीं फैली हुई अंगुलियों के नीचे के हिस्सों को कँपाने के प्रयोग को कहते हैं।

ध्रुवोहस्तस्य पात: स्याच्छोटिका शब्द पूर्वक: ।
शंपा दक्षिण हस्तस्य तालो वाम करस्य तु ।
उभयो: सन्निपातस्स्यात्तासां मार्गवशान्मिति: ॥ २५ ॥

भावार्थ ध्रुव—हाथ के गिराने को कहते हैं।
शंपा—दाहिने हाथ की शब्द पूर्वक चुटकी बजाने को कहते हैं।
ताल—बाँये हाथ की शब्द पूर्ण चुटकी बजाने को कहते हैं।
सन्निपात—दोनों हाथों की एक साथ चुटकी बजाने को कहते हैं।
नोट—वर्तमान समय में चुटकी बजाने के स्थान पर एक हाथ पर दूसरा हाथ गिराकर ताल का कार्य लेते हैं। (इति क्रिया)।

* ताल चौताला मात्रा १२

	+		०		।		०		।		।	
	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
१.	धा	धा	दिन्	ता	क	द्धागे	दिन्	ता	तिट	कत	गदि	गन

†ताल धमार मात्रा १४

	+		०			।		०			।		०	
	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४
२.	क	धे	ट	धे	ट	धा	ऽ	ग	दि	न	दि	न	ता	ऽ

* यह ताल केवल पखावज का है लेकिन आज कल लोग तबले पर भी बजाते है।

† धमार यह फाल्गुन के खेल का नाम है जैसे प्रमाण :—खेलत धमार आई बृज की सुकुमारी' इत्यादि बहुत से पद ऐसे हैं जिसमें कि ऐसे ही भाव आते हैं। सूरदास जी तथा हरिदास जी जो बड़े महात्मा हो गये हैं उनके पद इस प्रकार के बहुत से पाए जाते हैं जोकि फाल्गुन मास में बल्लभ कुल सम्प्रदाय के मंदिरों में गाए जाते हैं।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ताल आड़ा चौताला मात्रा १४

	+	। ०	। ०	। ०
	१ २	३ ४ ५ ६	७ ८ ९ १०	११ १२ १३ १४
३.	धिन् तिरकिट	धीना तूना	कत्ता धी धी	ना धी धी ना

ताल झपताला मात्रा १०

	+	। ०	।
‡	१ २	३ ४ ५ ६ ७	८ ९ १०
४.	धीना	धी धी ना तीना	धीं धी ना

X ताल झम्पा मात्रा १०

	+	। ०	।
	१ २ ३	४ ५ ६ ७	८ ९ १०
५.	धीना धी	धी ना तीना	धी धी ना

ठेका जत मात्रा ८

	+	। ०	।
	१ २	३ ४ ५ ६	७ ८
६.	ताक धिं	धाग धिं ताक तिं	धाग धिं

---

‡ धमार झपताला आदि ताल का प्रस्तार चिन्ह बनाया गया है लेकिन वह ठीक नहीं अभिनव ताल मञ्जरी में इनके प्रस्तार चिह्न दिए हैं। झूमरे इत्यादि ठेकों में जो प्रस्तार चिह्न होते हैं वह भी ठीक नहीं हैं। क्योंकि जितने प्रस्तार चिह्न होते हों उतने ही आघात होना चाहिए। झूमरे इत्यादि ठेकों में प्रस्तार चिह्न चार हैं और आघात तीन हैं इसलिए इस प्रकार करना भ्रमात्मक होता है। हमारी पुस्तक के चौथे भाग में ताल तथा ठेकों के प्रस्तार चिह्न बनाने कीरीति दी गई है। —

X यह ताल का वास्तविक रूप है जो कि संङ्गीत रत्नाकर में झंपा के नाम से लिखा है। इसका दूसरा प्रमाण यह है कि प्राचीन समय के ध्रुपद, ख्याल तथा ठुमरी इसी ताल के छन्द के सदृश मिलते है। परन्तु वर्तमान समय में पहले लिखे हुए ताल झपताला के छन्द में ही गाते हैं।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ठेका जत मात्रा १४

	+			|				०			|			
	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४
७.	धा	धिन्	ऽ	धा	गे	तिन	ऽ	ता	धिन्	ऽ	धा	गे	धिन्	ऽ

ठेका रूपक मात्रा ७।

	०	|	
	१ २ ३	४ ५	६ ७
८.	तीन ता तिरकिट	धिं धि	धा धा

इस तालमें समके चिह्न के स्थान पर शून्य दिया जाता है शून्य ही को सम मानते है।

ठेका पंजाबी मात्रा १२ भड़ौआ छन्द का।

	+	| ०	|
	१ २ ३	४ ५ ६ ७ ८ ९	१० ११ १२
९.	धा ऽ धी ऽ क	धा धा ऽ धी ऽ कता ता	ऽ ती ऽ क धा

ठेका पंजाबी मात्रा १६

	+	| ०	|
	१ २ ३ ४	५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२	१३ १४ १५ १६
१०.	धा ऽ धी ऽ न धा	धा ऽ धीऽन ता ता ऽ ती ऽ न धा	धा ऽ धी ऽ न धा

ठेका फरोदस्त मात्रा १४

	+	|	|	|	|
	१ २	३ ४	५ ६	७ ८ ९ १०	११ १२ १३ १४
११.	धिन्ना	कत्ता	तिरकिट तूना	धिंधि नग धिधि नग	धि धी ना तक

ठेका कैदफरोदस्त

	+ ०	|	|	|
	१ २ ३ ४ ५ ६	७ ८	९ १०	११ १२
१२.	धिन् ता कत तिन् ता तिरकिट	धिन् ता	क त्ता	तिरकिट तूना

|	|	
१३ १४ १५	१६ १७ १८	१९
धिधि नग धिधि	नग धी धिन्ता	क त

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ठेका सवारी मात्रा १५

१३.

+				।				।				।		
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५
धि	धिन्	ता	तिरकिट	ना	केते	नागे	तूना	कत्ता	धीधी	नाधी	धीना	धी	धीऽन्धी	धिं

ठेका हालिया या ठुमरी मात्रा ४

१४.

+	।	०	।
१	२	३	४
धा धा	गेतिन्	ताधा	गे धिं

ठेका त्योरा मात्रा ७

१५.

+			।		।	
१	२	३	४	५	६	७
धी	धी	ना	धी	ना	धी	ना

ठेका पस्तो मात्रा ७

१६.

+			।		।	
१	२	३	४	५	६	७
तिं	ऽ	तक	धिं	ऽ	धा	गे

ठेका झूमरा मात्रा १४

१७.

+			।				०			।			
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४
धिं	धा	तिरकिट	धिं	धिं	धा	धा	तिं	ता	तिरकिट	धिं	धिं	धा	धा

ठेका ख्याल मात्रा ८

१८.

+		।		०		।	
१	२	३	४	५	६	७	८
धाकड़	धिन्धा	ऽद्धा	तिन्	ताकड़	धिन्धा	ऽद्धा	धिन्

२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ठेका तिल वाड़ा मात्रा १६

२०.	+ १ २ ३ ४ धा ऽक्ड़ धिन् धिन्	। ० ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ धा धा धिन् धिन् ताऽक्ड़ धिन् धिन्	। १३ १४ १५ १६ धा धा धिन् धिन्

लक्ष्मी ताल मात्रा १८ *

२१.	+ । । ० । । । ० । । । । । । । । । । । ० १ २ ३ ४ ५ । ६ ७ ८ ९ १० १ १ १२ १ ३ १४ १५ १६ १७ १८ तत् तत् धा ऽ त त तत् धा ऽ ताधा गदिगन धा किड़ धा धा न् कत् थुनु दि

*नोट—जहां कि पांच (५) मात्रा का अङ्क दिया है वहां 'पाँ' और 'आँ' यह दोनों अक्षरों पर ताल है दूसरा जहां की (ग्यारह) ११ मात्रा का अङ्क दिया हुआ है वहां पर 'ग्या' 'र' दोनों पर ताल है, अथवा जहां पहला '१' है और जहाँ दूसरा '१' है वहाँ ताल है। तीसरा जहां कि (तेरह) १३ मात्रा का अङ्क है वहां पर 'ते' औ 'र' दोनों पर ताल है। अथवा '१' और '३' पर ताल है। चैाथा जहाँ की चैादह (१४) मात्रा का अङ्क है वहां पर 'द' पर ताल है। अथवा चार पर है। पाँचवा जहाँ की पन्द्रह मात्रा का अङ्क है। वहाँ पर 'द्र' पर ताल है। अथवा (५) पाँच के अङ्क पर ताल है।

ब्रह्मताल मात्रा १४

२२.	+ ० १ २ धादिन् तादित्	। ३ धाधा	। ० ४ ५ धादिन् तादित्	। ६ धाधा	। ७ केते	। ८ धादिन्
	० ९ तादित्	। १० धाधा	। ११ तिटकत	। । ० १२ १३ १४ गदिगन धा थुन्		

ठेका दीप चन्दी या होली का मात्रा १४

२३.	+ १ २ ३ ता धिं ऽ	। ० ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ता ता धिं ऽ ता तिं ऽ	। ११ १२ १३ १४ ता ता धिं ऽ

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ठेका खमसा या जैश्री मात्रा ८

+	०	|	|	|	|	|	०
१	२	३	४	५	६	७	८
धाधा	धिन्‌धा	कद्धागे	धिन्‌धा	ऽतिरकिट	तूना	कद्धागे	नधागेन

ठेका दोबहार मात्रा १३

+	|	०	|	|	|	|	०
१	२	३	४	५	६	७	८
धादिन्	धाकिट	किटतक	थुन्‌थुन्	गदिगन	तादेत्	कद्धा	दिन्ता

|	|	|	|	०
६	१०	११	१२	१०
तिटकत	गदिगन	धाति	द्धा	दिन्ता

बोल तितालेके सीधी लयके ।

\+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ६ १० ११
१. कत कत् तिट तिट कातिर किटतक् धिरकिट घ्ड़ान् धिरकिट तक्‌धिरकिट तक्
| + |
१२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५
घ्ड़ान् धिरकिट घ्ड़ान् धिरकिट घ्ड़ान् ताघ्ड़ाऽन् ता घ्ड़ान् धिरकिट धा
० | +
६ ७ ८ ६ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
धा ताघ्ड़ाऽन्‌ताघ्ड़ान् धिरकिट धा धा ताघ्ड़ाऽन्‌ताघ्ड़ान् धिरकिट धा

\+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ६ १०
२. कड़ान किटतक तगतिरकिटतक धानी धागे दिन्ता गदिगन धिरधिर किटतक
| + |
११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५
तातिर किटतक धातिर किड़धा ऽ धा ऽ त धाऽधा गदिगन धा धातिर
० | +
६ ७ ८ ६ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
किड़धा ऽ धा ऽ त धा ऽ धा गदिगन धाधातिर किड़धा ऽ धा ऽ त धा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

\+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
३. किटतक थुंथुं नत्ते टेता ऽ धा दिन्ता किड़धा दिन्ता कत्ते टेधा दिन्ता कत्

| + ०
१३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
तेटे धादिन्ता किड़धे ऽद्धा दिन्ता कत्ते टेधा ऽथुं ऽताधा कतेटेधा ऽथुं

| +
११ १२ १३ १४ १५ १६ १
ऽता धा कत्ते टेधा ऽथुं ऽता धा

जोड़ा ८

\+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११
४. किटतक तागे तिरकिट तकता ऽधागेदि नागे दिन्ता किटतक तागे दिन्ता

| + |
१२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
किटतक तागे धादि न्ता नगधे ऽद्धा दिन्ता घेघे तेटे ऽता ऽधा धा घेघे

० | +
९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
तेटे ऽता ऽधा धा घेघे तेटे ऽता ऽधा धा ॥

———

\+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
५. धे द्धे तिरकिट धेत् घेतिर किटतक नगतिर किटतक नकिटधा ऽट घिट

| + | ०
१३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११
तकिटधा तिट धा धिं धिं तिट तिट घेघे तिट गदि गन कतिरकिटधी किट

| +
१२ १३ १४ १५ १६ १
धिंट धकिटधा गदि गन धा ॥

——*०*——

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

जिस बोल में मात्रा देते हुये कहने में बोल के छन्द का रूप कठिन हो जाता है उस बोल में ताल ही देकर कहना सहज होता है, इसलिये यहां और आगे भी मात्रा दे रक्खी हैं फिर भी ताल ही से कहने में सहज होता हैं।

यहां बोल तेवरे के छन्द ऐसा है पर उसे तिताला ताल के छन्द में बांधा है। आगे भी जब एक छन्द का प्रवेश दूसरे छन्द के ताल में होता है प्रायः रूप मात्रा के कहने में ऐसा ही कठिन हो जाता है। इसलिये व्रहां भी ताल ही से कहने में सहज होता है।

बोल गिताङ्गी के छन्द का दून की लय में खाली से शुरू होता है।

नोटः—बरोबर की लय में सम से शुरू करने पर भी सम पर आता है।

०　　　　　　　　　　|
९　१०　११　१२　१३　१४　१५　१६
६. धगेन तकधिन् घेनक तकतिरकिट धाकिड़ धातित् धिरधिरकिट ता तिरकिट

\+　　　　　　　　|　　　　　　　　०
१　२　३　४　५　६　७　८　९
धित्त घेड़नग धागेन दिगधागे दिगेन नानातिट कतिट धातिरकिट् धाकिड़

|　　+
१०　११　१२　१३　१४　१५　१६　१
धाकद्धातिरकिट् धाकिड़धाकद्धातिरकिट् धाकिड़धाकद्धा

बोल गितांगी के छन्द का दून की लय में।

\+　　　　　　　　|
१　२　३　४　५　६　७
७. कटित किड़धाकिट धकिट नागेदिन् कातिरकिट् तिरकिटतकता कटित
८　९　१०　११　१२　१३　१४　१५　१६
धाता धान धातिरकिट् किड़धिन् नागेदिन् घेतिटता कतिटधा ऽ कतिटधा ऽ

\+
१
कतिट धा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

बोल कहरवा के छन्द का

+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३
८. कति टता ऽन कत कातिर किटधा तिट धिट कत क्ड़धा ऽन तिट कातिर
० + | ०
१४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११
किटधा ऽन धा थुन् थुन् तिट तिट कातिर किटधा ऽन घेन कत धिला ऽड्ग
+ |
१२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
कत धा धिला ऽड्ग कत धा धिलाँ ऽग कत धा घेन कत धिला
० | + |
९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६
ऽड्ग कत धा धिला ऽड्ग कत धा धिला ऽड्ग कत धा घेन कत धिलाँ
० | +
७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
ऽग कत धा धिलाँ ऽग कत धा धिलाँ ऽग कत धा।

बोल कहरवा के छन्द का जोड़ा।

+ | |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५
९. नगे नत किट तक तिट घड़ा ऽन कत घेघ तिट गदि् गन नगे नता ऽन
+ | ० |
१६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
धा किट किट घेघे दिन् कत घड़ा ऽन कत कति ट धा ऽन तग धा ऽधा
+ | ० |
१५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
ऽन तग धा ऽधा ऽन तग धा किट कति टधा ऽन तग धा ऽधा ऽन तग
+ | ० |
१५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
धा ऽधा ऽन तग धा किट कति टधा ऽन तग धा ऽधा ऽन तग धा ऽधा
+
१५ १६ १
ऽन तग धा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

छन्द कौवाली ।

\+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११
१०. धातिर किड़धा तित्त किड़धा धित्रा किड़धा नित्त कत कत्ते टेधा तेट्ट

| + |
१२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
घेने गेदि कत्ता नित्त कत नादिऽद्धा नित्त कत किड़धा नित कत्त धानी

| +
९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
धा ऽ क त्त धानी धा ऽ कत्त धानी धा

छन्द कौवाली ।

\+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
११. तक्के टेतक् घ्ड़ान्धुम किटतक् धादिं ऽता घेते टेता कड्धिर किटतक्

| + |
११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७
ताथुं ऽ ता कत्ते टेता ऽ ड्धिर किटतक् धाते टेताऽधेटेता कत्ते टेताऽड्धिर

| +
८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
किटतक् धाते टेता ऽ धे टेता कत्ते टेताऽड्धिर किटतक् धा

गत लय सीधी ।

\+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
१२. धीकड़ धीना घेड़नग दिनतक धगतिट घड़ान घेड़नग दिनतक धिरकिट

| +
१० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
तकता तिरकिट घेनगेन धागेन घेनगेन धागेन घेनगेन धा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

गत पंजाबी आड़ी लय की ।

+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
१३. धिं ऽ धिं ऽ धिं ऽ धगे ऽ न धगे ऽ न धगे ऽ न तक्कि ऽ ट तक्कि ऽ ट तक्कि ऽ ट

+ ० | +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३
धड़ऽधेन धऽड़ धे नऽधड़धे ऽ न तक ऽधे न तऽक्क धे न ऽ तक्क धे ऽ न तकऽतक

० | +
४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३
तऽक्क तिन ऽ तिन धि ऽ न तगे ऽ न तगे ऽ न धातिर ऽ किट धगे ऽ न धा ऽ धातिर

| ० | +
४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
ऽ किट धागे ऽ न धातिर ऽ किट धागे ऽ न घेन ऽ ग घेन ऽ ग घेन ऽ ग धा

बोल आड़ी लय का नोट यह बोल तेरहवीं मात्रा से शुरू होता है ।

| + |
१३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
१४. तीकि टतक धात धात धाकि टतक धगतिट कत कतिरकिट धातिट तका तका

० | + |
९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५
तक्का ऽथुं गा ऽ तक्का ऽथुं गा ऽ कत्त धातिट कतग दीगन धाति

० | +
६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
टतिट कत्त धातिट कतग दीगन धाति टतिट कत्त धातिट कतग दीगन धा

बोल आड़ी लयका ।

+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
१५. कत्ते टतेट घेनक दीगेन धातिरकिट धातिट धातिरकिट घेत्तक दीगेन

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

| +
१० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३
कतक तकत कतिट धाड़ धातिरकिट धेनक दीगेन कत्ति टतिट धेनक

| ०
४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
दीगेन धाति टतिट कत्ति टतिट धेनक दीगेन धाति टतिट कत्ति टतिट

+
१५ १६ १
धेनक दिगेन धा

बोल आड़ी लयका ।

+ |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
१६. कतिट तगेन कातिरकिट् तिरकिटतक् धीकिट तगेन धातिरकिट धिरकिटतक्

० | +
९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
कतक तकत कतिट धातिट धिट धिट धिट धिटकिड़ धाकिट कातिरकिट

| ०
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११
धातिट कतग दीगन धाति टतिट कातिरकिट धातिट कतग दीगन धाति

| +
१२ १३ १४ १५ १६ १
टतिट कातिरकिट धातिट कतग दीगन धा

टुकड़ा सीधी लय का ।

+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३
१५. धातिर किटतक् ता धातिर किटतक् ता धेत्ता धेत् तगेऽन्न धा तिरकिट

+ | ०
१४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
तकता ऽधा ऽत धागे तूना कत् धागे दिन धातिर किटतक् तागे ता कत्

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi.

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

| + |
११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७
तित् ताधा तिरकिट तकता ऽधा ऽत धाऽ कत् ताधा तिरकिट तकता ऽधा

o | +
८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
ऽत धा ऽ कत् ताधा तिरकिट तकता ऽधा ऽत धा

जोड़ा

+ | o
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
१६. कति टक ता कति टक ता कद्धा घेन् त घेऽत्त धा कति टधा ऽ कड़ाऽन

+ | o
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
किड़धा दिन्ता धेत् दींगड़ धा धिन्तिरकिटतक् धातिद्धा घे दिंन् धाता

| + | o
१३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११
कति टता ऽघड़ा ऽन धा ऽ दिन् धाता कति टता ऽघड़ाऽन धा ऽ दिन्

| +
१२ १३ १४ १५ १६ १
धाता कति टता ऽ घड़ा ऽ न धा

बाट कहरवा के लय का ।

+ | o
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११
१. धीक धिन्ना तिरकिट धिन्ना धाग धातीऽकती नाड़ा तीक तिन्ना तिरकिट

|
१२ १३ १४ १५ १६
धिन्ना धाग नाधीऽकधी नाड़ा

+ | o
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११
२. धीग धिन्ना तिरकिट धेन धेन धागे नधा तिरकिट धिन्ना ऽ द्धा तिरकिट

|
१२ १३ १४ १५ १६
धिन् धाग धाती ऽकती नाड़ा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
३. तीग तिन्ना तिरकिट तेन गेन तागे नता तिरकिट धिन्ना ऽद्धा तिरकिट धिन्
|
१३ १४ १५ १६
धागे नधी ऽकधि नाड़ा

+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
४. घेन गेन धीग धिन्ना तिरकिट धिन्नाऽद्धां तिरकिट धिन्ना ऽद्धा तिरकिट धिन्
|
१३ १४ १५ १६
धागे धाती ऽकती नाड़ा

+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
५. ते ने गेन तीग तिन्ना तिरकिट तिनाऽत्ता तिरकिट धिना ऽद्धा तिरकिट धिन
|
१३ १४ १५ १६
धाग नाधी ऽकधी नाड़ा

+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
६. तिरकिट धिन धातिर किटधागेन धिन्ना धिन्ना ऽ धिन्ना ऽद्धा तिरकिट धिन्
|
१३ १४ १५ १६
धाग धा ती ऽकती नाड़ा

+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
७. तिरकिट तिन तातिर किटतागेन तिन्ना धिन्ना ऽ तिन्ना ऽता तिरकिट तिन्
|
१३ १४ १५ १६
धागे ना धीऽकधी नाड़ा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

+ । ० ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३
८. धिनाऽता तिरकिट धिन् धागे धा तीऽकती नाड़ा तिनाऽता धा तिनाऽता
+
१४ १५ १६ १
धा तिनाऽता धा

+ । ० ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
१. धिनाऽधिऽघ्दी नाड़ा तिनाऽधिऽद्धी नाड़ा धिनाऽधिऽद्धी नाड़ा
।
१३ १४ १५ १६
तिनाऽधिऽघ्दी नाड़ा

+ । ० ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
२. धिध्दिना धिध्दिना धिध्दिना तित् तिना धिध्दिना धिध्दिना धिध्दिना
१५ १६
तित् तिना

+ । ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
३. धगे नधाऽकतिनाड़ा तगे नधाऽगधिनाड़ा धगेनधाऽकति नाड़ा
।
१३ १४ १५ १६
त गे न धाऽगधि नाड़ा

+ । ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११
४. धीक धीना तिरकिट धीना धाग धातीऽती नाड़ा तीग तीना तिरकिट
।
१२ १३ १४ १५ १६
धिना धाग धातीऽकधीनाड़ा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३
५. धिन धागे नतीनाड़ा किट तागे नधीनाड़ा धिनधागे नतीनाड़ा किट
१४ १५ १६
तागे नधी नाड़ा

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३
६. धीक धीना धीक धीना धीक धीना धाती किन्ना तीक तिना तीक तीना धीग
१४ १५ १६
धीना धाधी गिन्ना

\+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११
७. ना धीऽग् धिना धीऽग् धि ना धीऽग्ति नाड़ा तिग ना धी ऽ ग्धिना
|
१२ १३ १४ १५ १६
ती ऽ क्धिना ती ऽ क्ती नाड़ा धिग

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
८. धागेऽद्धि नाड़ा तिग तागेऽति नाड़ा धिग धा गे ऽ द्धि नाड़ा तिग तागे ऽ ति
१५ १६
नाड़ा धिग

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
९. तागेऽत्ति नग तिग धागेऽत्ति नग धिग तागे ऽ त्ति नग तिग धागेऽत्ति न ग धि ग

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३
१०. धिग धागे नधि नाड़ा तिग तागे नति नाड़ा धिग धागे न धि नाड़ा तिग
१४ १५ १६
तागे नति नाड़ा

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
११. धाधिनाग धाधिनाग धाधिनाग तातिनाग ताधिनाग ताधिनाग धाधिनाग
१५ १६
ताधि नाग

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
१२. धिन त धिन्ऽति नग नग त तिऽन्ति तक तिन तधि ऽ न्ति नग नग त
१५ १६
धिऽन्ति तक

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
१३. धिन् त धिऽन्ति नग धिन् त तिऽन्ति तग तिन त धि ऽ न्ति नग धिन् त
१५ १६
धि ऽ न्ति तग

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३
१४. घेघे नाड़ा घेघे नाड़ा घेघे नाड़ा ऽति नाड़ा केते नाड़ा केते नाड़ा घेघे
१४ १५ १६
नाड़ा ऽधि नाड़ा ।

\+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११
१५. धा धिन् नाड़ा धा धिन् नाड़ा धाधिन् नाड़ाऽति नाड़ा तातिन् नाड़ा ता
|
१२ १३ १४ १५ १६
तिन् नाड़ा धातिन् नाड़ाऽधि नाड़ा

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३
१६. नाधिऽन् धी नाधिऽन् धी ना तिऽन्ति नाधिऽन् धी ना धि ऽ न्धि ना ना धिऽ-
१४ १५ १६
न्धि ना ना धि ऽ न्धि

(बांट) आड़ी लय के ।

\+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
१. धागे तेट घेन धागे तूना कत धातिरकिट धागेन धागे तूना कत धाधा
|
१० ११ १२ १३ १४ १५ १६
ऽ घेन धागे तूना कत धातिरकिट धागेन धागे तूना कत

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
२. धागेतू नाकत धागेतू नाकत धातिरकिट धागेन धागेतु नाकत तागे तूना

|
११ १२ १३ १४ १५ १६
कत तागे तूना कत धातिरकिट धागेन धागे तूना कत

+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
३. धातिरकिट धागेन धागेतू नाकत तातिरकिट तगेन धागेतू नाकत धातिरकिट

|
१० ११ १२ १३ १४ १५ १६
धागेन धागेतू नाकत तातिरकिट तागेन धागेतू नाकत

+ |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७
४. धातिरकिट तातिरकिट तातिरकिट धातिरकिट तातिरकिट धातिरकिट धागे

० |
८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५
तू नाकत तातिरकिट धातिरकिट धा तातिरकिट धातिरकिट धा तातिरकिट

+
१६ १
धातिरकिट धा

(बांट) आड़ी लय के ।

+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
१. धातिरकिट धागेन धागेधे नेघेन ता तिरकिट तागेन धागेधे नघेन धातिरकिट

|
१० ११ १२ १३ १४ १४ १६
धागेन धागेधे न घेन ता तिरकिट तागेन धागेधे नघेन

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

\+ |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
२. धातिरकिट धागेन धातिरकिट धागेन धातिरकिट धागेन धागेधे नघेन
० |
९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
तातिरकिट तागेन तातिरकिट तागेन धातिरकिट धागेन धागेधे नघेन

\+ |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
३. धातिरकिट धागेन धागेन धागेन धातिरकिट धागेन धागेधे नघेन
० |
९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
तातिरकिट तागेन तागेन तागेन धातिरकिट धागेन धागेधे न घेन

\+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
४. धातिरकिट धागेन धागेधे नगेन धाधाऽघेन धागेधे नघेन तातिरकिट
|
१० ११ १२ १३ १४ १५ १६
तागेन तागेतेनगेन धाधाऽघेन धागेधे नघेन

वाट आड़ी लय के ।

\+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
५. घेन धाऽघेन धा घेन धा धागेन धागेन धागेधे नघेन केनता ऽ केन ताकेनता
|
१३ १४ १५ १६
धागेन धागेन धागेधे नघेन

\+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
६. धागे घेन घेन धागेधे नघेन धातिरकिट धागेन धागे घे न घेन तागेते नगेन
|
११ १२ १३ १४ १५ १६
तागे ते न गेन धातिरकिट धागेन धागे घेन घेन

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

\+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
७. धा धाऽघेन धागेधे नघेन धातिरकिट धागेन धागेधे नघेन ताता ऽ केन
|
११ १२ १३ १४ १५ १६
तागेते न गेन धातिरकिट धागेन धागेधे न घेन

\+ | |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०११ १२
८. धगधे नघेन तगते नगेन तगते नघेन धगधे नघेन धा ऽ धगधे न घेन
| +
१३ १४१५ १६ १
धा ऽ धगधे नघेन धा

बोल चौताल या एक ताले के ।

\+ |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
१. धागे तिट धागे तिट तागे तिट तागे तिट कृधाकिट धागेतिट गदिगन नगतिट
० + |
९ १० ११ १२ १ २ ३ ४ ५
कतिटत गेनधा किटतगे नधान धाधा धाकति टतगेन धाकिट तगेन
० | | +
६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १
धाऽनधा धाधा कतिटत गेनधा किटतगे नधान धाधा धा

\+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
२. क-तेट घेघेतिट घिन्तिरकिटतक तागेतिट धाधा दिन् दिन् नाना तिटतिट
| | + ०
९ १० ११ १२ १ २ ३ ४
कतगदि गनधागे तिटकत गदिगन धाधा धा कत गदिगन धागेतिट
| ० | | +
५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १
कतगदि गनधा धाधा कतगदि गनधागे तिटकत गदिगन धाधा धा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

\+ ० । ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
३. धागेतिट तागेतिट धातिरकिटधि किटधिट धुमकिट तकधुम किटतक धुमकिट

। । \+ ०
९ १० ११ १२ १ २ ३
कत्तधि किटधिट धित्तिरकिटतक तागेतिट क्धाकिट क्धाकिट धकिटध

। ० ०
४ ५ ६ ७ ८ ९
किटधिट धिरकिट धिरकिट धिरकिट धिरकिट तक थुऽगतक धकिटधा

। \+
१० ११ १२ १
नानाकिट धिरकिटतकधुम किटतक गदिगन धा

\+ ० । ० ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
४. घेनकत घेघेतिट गदिगन नगतिट कतिटत गेनघेघे तड़न्न धा ताऽनधा ताधा

। \+ ० । ०
११ १२ १ २ ३ ४ ५ ६ ७
किटतका ऽ धान धाता ऽनधा ताधा गदिगनधा धेत्तगे ऽन्नधेत् धेत्किटतक

। । \+ ०
८ ९ १० ११ १२ १ २ ३ ४
धेंत्ता किड़धेत्त धे त्ता किड़धेत्ता गदिगन धागेनन ननघेन नद्घेघे तिरकिट-

। ० ।
५ ६ ७ ८ ९ १०
तकता किटतक तकधुमकिटतक धागेनधा गदिगन दिग्गदि ग नधागे

। \+
११ १२ १
दिगेनघा गे दिगन धा

\+ ० । ० ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
५. कड़ान् किड़नग तिटकिड़ नगतिट किड़नग धगतिट गदिगन नगधे ऽकिड़

। \+ ० ।
१० ११ १२ १ २ ३ ४ ५ ६ ७
धा ऽ दिङ्गन तकधा दिन्ता धिन्नड़ा ऽनधागे तिटकत गदिगन धा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

| | + ०
८ ९ १० ११ १२ १ २ ३ ४
तगन्न तागेतिट तड़धा ऽकत घे घेतिट घेघेनधि किटतक धागेनधा गदिगन
| ० | | +
५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १
दिगधेत् तड़न्न धाधित् ताक दिगतक ता धड़ ऽन्नधाधा किटतक दींगड़ धा ॥

टुकड़ा बड़ा ग्यारहवीं मात्रा से शुरू

| + ० |
११ १२ १ २ ३ ४ ५
६ धागेतिट तागेतिट धागेदिन् नगतिट घिन्तिरकिटतक् तागेतिट धिटधिट
० | | +
६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १
तागेतिट धेत्तगे ऽन्नधेत् तगेन्न तातिरकिट धेत् धेत् तगेन्न धातिरकिट
० | ० |
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
धेत् धेत् तगेन्न धातिरकिट धेत् धेत् तगेन्न धा धागेतिट तागेतिट धागेदिन्
| + ० |
११ १२ १ २ ३ ४ ५ ६
नगतिट घिन्तिरकिटतक् तागेतिट धिटधिट तागेतिट धेत्तगे ऽन्नधेत् तगेन्न
० | | +
७ ८ ९ १० ११ १२ १ २
तातिरकिट धेत्धेत् तगेन्न धातिरकिट धेत्धेत् तगेन्न धातिरकिट धेत्धेत्
० | ० |
३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
तगेन्न धा धागेतिट तागेतिट धागेदिन् नगतिट घिन्तिरकिटतक् तागेतिट
| + ० | ०
११ १२ १ २ ३ ४ ५ ६ ७
धिटधिट तागेतिट धेत्तगे ऽन्नधेत् तगेन्न तातिरकिट धेत्धेत् तगेन्न धातिरकिट
| | +
८ ९ १० ११ १२ १
धेत्धेत् तगेन्न धातिरकिट धेत्धेत् तगेन्न धा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

टुकड़ा बड़ा तीसरी मात्रा से शुरू

	०		।		०		।		।
	३	४	५	६	७	८	९	१०	११
७	घेघेतिट	तिटतक्कि	टधुकिट	तकधुम	किटग्रेघें	ऽतान	धगनन	गे ननग	न रान

	+		०		।		०	
१२	१	२	३	४	५	६	७	८
त कधुम	किटदिग	नरान	तकधुम	किटदिग	नरान	ततदिदि	कतग्रेघें	ऽतान

।		।		+		०		।
९	१०	११	१२	१	२	३	४	५
धाघेघ	तिटतिट	त कथुन्	थु न्ग्रेघें	ऽताना	धाग्रघें	ऽतान	धाग्रेघें	ऽतान

	०		।		।		+
६	७	८	९	१०	११	१२	१
धाघेघे	तिटतिट	तकिटथु	किटतक	धुमकिट	ग्रे घें	ता ऽ नधगे	ननगेन

	०		।		०		।	
२	३	४	५	६	७	८	९	१०
नगनरा	ऽनतक	धुमकिट	दिगनरा	ऽनतक	धुमकिट	दिगनरा	ऽनतत	दीदिकत

।		+		०		।		।
११	१२	१	२	३	४	५	६	७
ग्रे घेनता	ऽनधा	घेघेतिट	तिटतक	थुन्थुन्	ग्रेघेन्ता	ऽनधा	ग्रेघेन्ता	ऽनधा

	।		।		+		०	
८	९	१०	११	१२	१	२	३	४
ग्रेघेन्ता	ऽनधा	घे घेतिट	तिटतकि	टथुकिट	तकधुम	किटग्रेघें	ऽतान	धगेनन

।		०		।		।		+
५	६	७	८	९	१०	११	१२	१
गेननग	नरान	तकधुम	किटदिग	नरान	त कधुम	किटदिग	न रान	ततदिदि

	०		।		०		।	
२	३	४	५	६	७	८	९	१०
कतग्रेघें	ऽतान	धाघेघे	तिटतिट	तकथुन्	थुन्ग्रेघें	ऽतान	धाग्रेघें	ऽतान

।		+
११	१२	१
धाग्रेघें	ऽ तान	धा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

टुकड़ा छोटा ग्यारहवीं मात्रा से शुरू ।

| + ० |
११ १२ १ २ ३ ४ ५ ६
८. कत्तेट घेघेतिट किड़घेत्धुम किटतकथुना धाकधा ऽनधा गद्दी घेनधा
० | |
७ ८ ९ १० ११ १२
किटतकगदिगन धाकिटतक गदिगनधा किटतकगदिगन धा कत्तेट
+ ० | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
घेघेतिट किड़घेत्धुम किटतकथुना धाकधा ऽनधा गद्दी घेनधा किटतक-
| | +
९ १० ११ १२ १ २
गदिगन धाकिटतक गदिगनधा किटतकगदिगन धा कत्तेट घेघेतिट
० | ० |
३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
किड़घेत्धुम किटतकथुना धाकधा ऽनधा गद्दी घेनधा किटतकगनिगन
| +
१० ११ १२ १
धाकिटतक गदिगनधा किटतकगदिगन धा

रेला ।

+ ० | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
९. धातिर किटतक् तगतिर किटतक् नगतिर किटतक् तादित् ताक धातिर
| + ० | ०
१० ११ १२ १ २ ३ ४ ५ ६ ७
किटतक् धादित् ताक तातिर कटितक धादित् ताक धातिर किटतक् धा
| | +
८ ९ १० ११ १२ १
धातिर किटतक धा धातिर किटतक धा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

रेला।

\+ ० । ०

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८

१०. धागेतिट किटतक तागेतिट धगेतिट किटतक तागेतिट किटतक तागेतिट

। । + ।

९ १० ११ १२ १ २ ३ ४

धागतिट किटतक तागेतिट धागेतिट किटतक तागेतिट किटतक तागेतिट

। ० । । +

५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १

किटतक तागेतिट धा किटतक तागेतिट धा किटतक तागेतिट धा

बोल आड़ीलय का

\+ ० ।

१ २ ३ ४ ५ ६

११. धाकिटतक् धाकिटतक् धकिटधकिट तकिटतकिट धिटतिटकिड़ नंतड़धा

० । ।

७ ८ ९ १० ११ १२

धिटतिटकिड़ नंतड़धा धिटतिटतागे तिटकधाकिट कधकधिकिट कतगदिगन

\+ ० । ०

१ २ ३ ४ ५ ६ ७

तगेनधेत् धगेनधेत् तगेनधेत् कधत्तकिट धेन्तरान कधकधिकिट कतगदिगन

। । +

८ ९ १० ११ १२ १

गेदिद्धिकिट घिन्तरान धेधेतिरकिटतकता क तिटधान धानधान धा

बोल आड़ीलय का

\+ ० ।

१ २ ३ ४ ५ ६

१२. तकधिकिट तकधिकिट तकिटथुकिट तकिटथुकिट दिगेननगेन दिगेनगेन

० । ।

७ ८ ९ १० ११

दिग्गदिगन दिग्गदिगन धकिटधदिन्ता क तिटधादिन्ता कतकधाकिट

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

+ ०
१२ १ २ ३ ४
कतक्धाकिट धकिटतकिट तकिटधकिट धिटतिटधिट तिटक्धाकिट
। ० । ।
५ ६ ७ ८ ९ १० ११
धाक्धान धाक्धान धागदिगन धाक्धान धाक्धान धागदिगन धाक्धान
+
१२ १
धाक्धान धा

एकताला या चौताला की तिहाही या हर एक मात्रा से सम तक की ।

तिहाई मात्रा १ से सम तक ।

+ ० । ० ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
कतिटत गेनतग तित्धगे नधान धाकतिट तगेनतग तित्धगे नधान धा
। +
१० ११ १२ १
कतिट तगेनतग तित्धगे नधान धा ।

तिहाई मात्रा २ से सम तक ।

+ ० । ० ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
(धा) कतिट धा दिन्ता कत क्धान् धा कतिटधा दिन्ता कत क्धान धा क तिटधा
। +
११ १२ १
दिन्ता कत क्धान धा ।

तिहाई मात्रा ३ से सम तक ।

+ ० । ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७
(धा धा) तिरकिट तकता किटतक धाति द्धाधा धातिरकिट तकता किटतक

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

| | +
८ ९ १० ११ १२ १
धातिद्धा धाधा ति रकिटतकता किटतक धाति द्धाधा धा ।

तिहाई मात्रा ४ से सम तक ।

\+ ० | |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
(धा धा दिन्) तिरकिट तक तकता किटतक गदिगन धा ऽतिरकिट तकता
| | +
९ १० ११ १२ १
किटतक गदिगनधा ऽ तिरकिट तकता किटतक गदिगन धा ।

तिहाई मात्रा ५ से सम तक ।

\+ ० | ० | | +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १
(धा धा दिन ता) क्धान धाति द्धा क्धान धाति द्धा क्धान धाति द्धा

तिहाई मात्रा ६ से समतक ।

\+ ० | ० | | +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १
(धा धा दिन् ता कत्) गदिगन धाति द्धागदि गनधा तिद्धा गदिग धाति द्धा

तिहाई मात्रा ७ से सम तक ।

\+ ० | ० | | +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १
(धा धा दिन् ता कत् धागे) किटतक धा ऽकिट तकधा ऽ किटतक धा

तिहाई मात्रा ८ से सम तक ।

\+ ० | ० | | +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १
(धा धा दिन् ता कत् धागे दिन्) क्धान धा क्धान धा क्धान धा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

तिहाई मात्रा ९ से सम तक ।

+		०		।		०		।		।		+
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१
(धा	धा	दिन्	ता	कत्	धागे	दिन्	ता)	धाति	द्धाधा	तिद्धा	धाति	द्धा

तिहाई मात्रा १० से सम तक ।

+		०		।		०		।		।		+
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१
(धा	धा	दिन्	ता	क	धागे	दिन्	ता	तिट)	धातधा	ऽधातधा	ऽधात	धा

तिहाई मात्रा ११ से सम तक ।

+		०		।		०		।		।		+
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१
(धा	धा	दिन्	ता	क	धागे	दिन्	ता	तिट	कत)	कत्तद्धाकत्	तद्धाकत्	तद्धा

तिहाई मात्रा १२ से सम तक ।

+		०		।		०		।		।		+
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१
(धा	धा	दिन्	ता	क	धागे	दिन्	ता	तिट	कत	गदि)	क्धा क्धा	क्धा

चौताले की दून तिगुन और चौगुन

दून

+		०		।	
१	२	३	४	५	६
धाधा	दिन्ता	कद्धागे	दिन्ता	तेटेकत	गदिगन ।

०		।		।	
७	८	९	१०	११	१२
धाधा	दिन्ता	कद्धागे	दिन्ता	ते टेकत	ग दिगन ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

तिगुन

+ ०
१ २ ३ ४
धाधादिन् ताकद्धागे दिन्तातेटे कतगदिगन ।

। ०
५ ६ ७ ८
धाधादिन् ताकद्धागे दिन्तातेटे कतगदिगन ।

। ।
९ १० ११ १२
धाधादिन् ताकद्धागे दिन्तातेटे कतगदिगन ।।

चौगुन

+ ०
१ २ ३
धाधादिन्ता कद्धागेदिन्ता तेटेकतगदिगन ।

।
४ ५ ६
धाधादिन्ता कद्धागेदिन्ता तेटेकतगदिगन ।।

० ।
७ ८ ९
धाधादिन्ता कद्धागेदिन्ता तेटेकतगदिगन ।

।
१० ११ १२
धाधादिन्ता क द्धागेनिन्ता ते टेकतगदिगन ।।

तारा यन्त्रालय, काशी ।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

शुद्धाशुद्धि ।

पृ०	ला०	अशुद्ध	शुद्ध
			।
६	७	६	६
११	२२	कटित	कतिट
		१२	१२
३१	१२	तद्धाकत्	तद्धाकत

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

तिगुन

+		०	
१	२	३	४
धाधादिन्	ताकद्धागे	दिन्तातेटे	कतगदिगन ।
।		०	
५	६	७	८
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible] ।

तारा यन्त्रालय, काशी ।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

पुस्तक मिलने का पता :—

पं० मन्नू जी, मृदङ्गाचार्य,

किसुनदास मकुन्ददास,

बरतनके व्यापारी,

गोपाल मन्दिर,

बनारस सिटी ।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

॥ श्रीः ॥

ताल-दीपिका

तबला प्रकरण तृतीय भाग।

आम्नाय-ग्रन्थालय,
भारतनिधि, करौंदी
वाराणसी-5

वीणावादनतत्त्वज्ञः श्रुतिजातिविशारदः।
तालज्ञश्चप्रयासेन मोक्षमार्गं प्रयच्छति॥

लेखक तथा प्रकाशकः—
पं० मन्नू जी औदीच्य मृदङ्गाचार्य,
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय।

(सन् १९३४ ई.)

(पुस्तक का सर्वाधिकार प्रकाशक के आधीन है।)

मूल्य २)

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सूचीपत्र

विषय	पृष्ठ
दो शब्द	
अङ्गानि	१
अङ्गनिदर्शक सारिणी	४
ग्रहाः	५
जातयः	६
ठेके ठुमरी इत्यादि के	८
बोल तितालाकेसीधीलयका	१०
एकक्कड़दूनकीलयमें	१०
भड़ौवा छन्दकाबोल	१२
कहरवाइत्यादिआड़ीलयकाबर्त्ताव	१३
बोल लोम विलोम के	१४
त्रिताला और चौताला में बराबर की लय में एक साथ कहने से दोनों तालों के हर एक सम पर धा आता है।	१५
वढैया के बोल	१६
टुकड़ा चक्करदार	१८
टुकड़ा बिजलीका	२०
टुकड़ा बराबर की लय का	२०
टुकड़ा शिखरिणी छन्द का	२०
टुकड़ा भुजङ्गप्रयात का	२१
गतपंजाबी आड़ी	२१
बोलघनाक्षरीछन्द के	२४
बांटकहरवेछन्द के	२६
बांटआड़ीलय के	२७
बांटकहरवेछन्द के दून की लय में	२९

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

विषय	पृष्ठ
बांट कौव्वाली छन्द के दून की लय में	३१
त्रिताले के ठेके के कई प्रकार	३२
बोल एकताला के	३३
तिहाई के साथ एकताले के ठेके के कई प्रकार	३४
एकताले के ठेके में अतीत, अनागत, विषय और सम की क्रिया ...	३५
एकताल के बांट	३६
बोल झपताला के सीधीलय के	३७
बोल दूनकोलयमें	३८
बोल आड़ीकेलयका	३९
गत पंजाबीआड़ी	४०
बोलभड़ौवाके छन्द का	४१
बोलकहरवाके छन्द का दून के लय में	४१
झपताला का बांट बराबर की लय में	४२
बांट आड़ीलय के	४४
झपताल की तिहाइयां हर एक मात्रा से सम तक की	४४
झपताला की दून तिगुन और चौगुन	४६

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

दो शब्द

यह हमारे लिए असीम हर्षका विषय है 'कि ताल दीपिका' का तृतीय भाग प्रकाशित करने का शुभ अवसर हम को प्राप्त हुआ है।

पाठकों को यह तो विदित ही है कि इस 'तालदीपिका' के प्रत्येक भाग में दो ही खण्ड प्रधान हैं। (१) ताल के भिन्न २ अंगों का संगीत शास्त्रानुसार विस्तृत विवेचन और (२) पृथक २ तालों में बजनेवाले ठेके तथा बोल इत्यादि।

ताल के दश प्राण हैं, यथा-काल, मार्ग, क्रिया, अङ्ग, ग्रह, जाति, कला, लय, यति और प्रस्तार। इन में से काल, मार्ग और क्रिया इन तीन प्राणों का वर्णन द्वितीय भाग में हो चुका है। इस भाग में अङ्ग, ग्रह, और जाति इन तीनों के विवेचन के साथ २ निम्न लिखित चीजों का समावेश किया गया है।

१. त्रिताल के बोल।
२. भड़ौवा छन्द के बोल।
३. भुजङ्ग प्रयात छन्द का टुकड़ा।
४. गत पंजाबी (आड़ी लय की)।
५. कुछ छन्दों के बाँट।
६. झपताल के बोल और बाँट।
७. झपताले में भिन्न २ मात्राओं से उठने वाली तिहाइयाँ इत्यादि।

ताल दीपिका के चतुर्थ भाग में शेष चारों प्राणों के वर्णन के साथ २ नाच और स्तुति इत्यादि के भी अत्यन्त मनोरंजक बोल दिये जायँगे।

यह भाग शीघ्रही प्रकाशित होगा।

मन्नूजी

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

'अथ अङ्गानि'

अब अङ्गों का वर्णन किया जाता है

श्लोक—अनुद्रुतो द्रुतश्चाथ दविरामो लघुस्तथा ।
लविरामो गुरुश्चैव प्लुतश्चेति यथा क्रमम् ॥
सप्ताङ्गानीह तालेषु ज्ञातव्यानि सदा बुधैः ।
अणवाद्याद्यक्षरैर्ज्ञेयं सन्ति संज्ञान्तराण्यपि ॥

अनुद्रुत, द्रुत, द्रुतविराम, लघु, लघुविराम गुरु, और प्लुत यह ताल के ७ अङ्ग हैं, जिनका जानना विद्वानों के लिए आवश्यक है, अणु आदि अक्षरों के अतिरिक्त इनके दूसरे नाम भी लिखे जाते हैं ।

अनुद्रुत के दूसरे नाम—

श्लोक—अनुद्रुतोऽणुः करजमर्धचन्द्रोऽङ्कुशं धनुः ।

भावार्थ—अणु, करज, अर्धचन्द्र, अंकुश, धनु ।

द्रुत के दूसरे नाम--

श्लोक—अर्धमात्रं व्यञ्जनं खं बिन्दुश्च वलयं द्रुते ।

भावार्थ—अर्धमात्र, व्यञ्जन, ख (आकाश=शून्य) बिन्दु, वलय (कड़े के समान) ।

लघुके दूसरे नाम—

श्लोक—व्यापकः सरलो ह्रस्वः शरो दण्डो लघु स्मृतः ।

भावार्थ—व्यापक, सरल, ह्रस्व, शर, दण्ड ।

गुरु के दूसरे नाम--

श्लोक—दीर्घो वक्रो द्विमात्रो गोजीवः पूज्यो भवेद्गुरुः ।

भावार्थ—दीर्घ, वक्र, द्विमात्र, गोजीव (गौके मूत्र करते समय मूत्र आकार में टेढ़ा होता हुआ भूमि पर आता है उसी प्रकार गुरु भी टेढ़े आकार का होता है ।) पूज्य ।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

प्लुत के दूसरे नाम—

श्लोक—त्र्यङ्गस्त्रिमात्रको दीप्तः श्रृङ्गी सामोद्भवः प्लुतः ।

भावार्थ—त्र्यङ्ग, त्रिमात्रक, दीप्त, श्रृङ्गी, सामोद्भव ।

अंगों के देवताओं के नाम—

श्लोक—अणौ चन्द्रो द्रुते शम्भुर्दविरामे षडाननः ।
लघौ देवी लविरामे जीवो गौरीपतिर्गुरौ ॥
प्लुते त्रयोविरिंच्याद्याः देवता मुनिभिः स्मृता ।

भावार्थ—अणुके देवता चन्द्रमा, द्रुत के देवता शम्भु, दविराम (द्रुतविराम) के देवता षडानन (कार्तिकेय) लघुके देवी, लविराम (लघुविराम) के जीव, गुरु के देवता गौरीपति (महादेव), प्लुत के देवता ब्रह्मा, विष्णु और महेश तीनों हैं ।

श्लोक—एक मात्रो लघुः प्रोक्तो द्विमात्रो गुरुरुच्यते ।
त्रिमात्राः प्लुत उद्दिष्टो मात्रार्धं तु द्रुतो मतः ॥
अनुद्रुतश्चतुर्थांशो मात्राया इति संस्मृतम् ।
पञ्चलघ्वक्षरोच्चार मिता मात्रास्ति मार्गके ॥
चतुर्भिरक्षरैर्देशी षड्भिरप्यक्षरैः क्वचित् ।
अनया मात्रया ज्ञेया लघुगुर्वादि कल्पना ॥

भावार्थ—एक मात्रा का लघु, दो मात्रा का गुरु, ३ मात्रा का प्लुत और आधी मात्रा का द्रुत और चौथाई मात्रा का अनुद्रुत माना गया है। पाँच लघु अक्षरों के उच्चारण करने में जितना समय लगता है मार्गीय में वह समय १ मात्रा का होता है। देशी में चार लघु अक्षरों के उच्चारण करने में अथवा ६ लघु अक्षरों के उच्चारण करने में जितना समय लगता है वह १ मात्रा कहलाता है। किन्तु ६ अक्षरों वाली मात्रा का उच्चारण उन्हीं चार अक्षरों के समय में होना चाहिये। किन्हीं २ तालज्ञों ने जितनी देर में स्वस्थ पुरुष की नाड़ी दोबार चले उतने समय को एक मात्रा माना है।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

श्लोक—अत्यल्पघातेऽणुर्ज्ञेयः सूक्ष्मघाते द्रुतो मतः ।
पूर्णघाते लघुः प्रोक्तो घातात्क्षेपे गुरुर्मतः ॥
घातात्करभ्रमो यत्र प्लुतो ज्ञेयो विचक्षणैः ।

भावार्थ—बहुत थोड़े घातसे अणु और सूक्ष्म घातसे द्रुत, पूर्ण घात से लघु और घातक्षेपसे (फेंकने से) गुरु और जहां घातसे करभ्रम हो वह प्लुत जानना चाहिए ।

अङ्गों के स्वरूप—

श्लोक—अर्धचन्द्रस्वरूपोऽणुः द्रुतः स्याद्वलयाकृतिः ।
द्रुते विरामेऽणुर्ज्ञेयो लघुस्तु सरलाकृतिः ॥
लघौ द्रुतो विरामस्तु गुरुर्वक्रः प्लुतस्त्रिकम् ।
गुरौ रेखेति चिन्हानि लिप्यामुक्तानि सूरिभिः ॥

भावार्थ—अणुका स्वरूप आधे चन्द्रमा के समान (˘) और द्रुतका कुण्डल के समान (०), दविराम का स्वरूप द्रुतके ऊपर एक अणु (०̆), लघुका स्वरूप सरल आकृति का (।) और लविराम का स्वरूप लघुके ऊपर एक द्रुत (१) और गुरुका आकार टेढा (ऽ) और प्लुत तीन (३) के आकार का होता है ।

अङ्गों को उच्चारण करने वाले पक्षियों के नाम—

श्लोक—तित्तिरश्चटकश्चैव वक चातक कोकिलाः ।
वायसः कुक्कुटश्चैव क्रमादुच्चारयन्त्यमून् ॥

भावार्थ—अणुको तीतर, द्रुतको चटक = गौरैया, दविराम को वक = वगुला, लघुको चातक = पपीहा, लविरामको कोयल और गुरुको वायस = कौआ और प्लुतको कुक्कुट = मुर्गा उच्चारण करता है ।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

❋ अङ्ग निदर्शक सारिणी ❋

संख्या	नाम	देवता	मात्रा	उच्चारक पक्षियोंके नाम	चिन्ह	वज़न
१	अणुद्रुत	चन्द्रमा	चौथाई	तित्तिर	˘	।)
२	द्रुत	शिव	आधी	चटक	०	॥)
३	द्रुतविराम	कार्तिकेय	पौन	बगुला	ŏ	।॥)
४	लघु	देवी	एक	पपीहा	।	१)
५	लघुविराम	बृहस्पति	डेढ़	कोयल	ꞁ	१॥)
६	गुरु	गौरीपति	दो	कौआ	ऽ	२)
७	प्लुत	ब्रह्मा, विष्णु महेश	तीन	मुर्ग़ा	ऽ̄	३)
	काकपद				+	

नोट—यह काकपद केवल सम के निशान में लिया जाता है किन्तु मार्गीय ताल में यह प्रस्तार के रूप में लिया जाता है।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अथ ग्रहाः

अङ्गो के पश्चात् ग्रहों के लक्षण लिखे जाते हैं।

श्लोक—समोऽतीतोऽनागतश्च विषमश्च चतुर्विधः।
ग्रहास्तालेषु विज्ञेयाः सूक्ष्मदृष्ट्या विचक्षणैः॥

भावार्थ—सम, अतीत, अनागत और विषम ये चार प्रकार के तालों के ग्रह संगीत पारिजात ने माने हैं, किन्तु संगीत रत्नाकरने विषम ग्रह छोड़ कर केवल तीन ही ग्रहमाने हैं।

श्लोक—गीतादि समकालस्तु समपाणि समग्रहः।

भावार्थ—गीतादि और ताल साथ ही प्रारंभ हो उसे समग्रह कहते हैं।

श्लोक—गीतादौ विहिते यत्र ताल वृत्ति विधीयते।
अतीताख्यो ग्रहो ज्ञेयः सोऽवपाणिरिति स्मृतः॥

भावार्थ—गीतादि पहले शुरू हो और उसके पश्चात् ताल प्रारम्भ हो इस क्रिया को अतीत ग्रह कहते हैं इसका दूसरा नाम अवपाणि भी है।

नोट—अवपाणि का अर्थ है अवगत=जान लिया गया है पाणि=ताल।

श्लोक—पूर्वं ताल प्रवृत्तिः स्यात् पश्चात् गीतादिरुच्यते।
अनागतः सविज्ञेयो स एवोपरिपाणिकः॥

भावार्थ—पहले ताल तत्पश्चात् गीतादि प्रारम्भ हो तो इस क्रिया को अनागत ग्रह कहते हैं, इसका दूसरा नाम उपरिपाणि भी है। (उपरि=पहले, पाणि=ताल अर्थात् पहले ताल की प्रवृत्ति हो)

श्लोक—आद्यन्तयोरनियमे विषमग्रह उच्यते।

भावार्थ—जिस गायन के आदि और अन्तका कोई निश्चय न हो ऐसी क्रिया को विषमग्रह कहते हैं।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

नोट—विषमग्रह में ताल बराबर चलता रहता है, केवल गायन ही जहां से चाहें उठा सकते हैं और जहां चाहे आ सकते हैं, किन्तु तालका रूप नहीं बिगड़ना चाहिये अर्थात् ताल का क्रम बराबर चलता रहना चाहिये और क्रिया के समाप्त होने के बाद पूर्व प्रारंभित ताल के रूपमें मिल जाना चाहिए। विषम ग्रहका प्रयोग सर्वदा नहीं किया जाता।

ग्रहों के दूसरे नाम —

श्लोक—तालो वितालोऽनुतालः प्रतितालश्चतुर्विधः ।
समग्रहो भवेत्तालो वितालोऽतातकः स्मृतः ॥
अनागतोऽनुतालस्यात् विषमः प्रतितालकः ।

भावार्थ—समग्रह का दूसरा नाम ताल, अतीत का विताल, अनागत का अनुताल और विषम का दूसरा नाम प्रतिताल है।

अथ जातयः

श्लोक—चतुरस्रस्तथा त्र्यस्रः खण्डो मिश्रस्तथैव च ।
संकीर्ण इति विज्ञेया जातयः क्रमशो बुधैः ॥

भावार्थ—चतुरस्र, त्र्यस्र, खण्ड और मिश्र तथा संकीर्ण यह तालों की पाँच जातियाँ मानो गई हैं।

श्लोक—तथैव मात्रा विज्ञेयाः क्रमशस्तालवेदिभिः ।
द्विगुणं द्विगुणाद्यत्र लक्ष्य दृष्टयासु संमतम् ॥

भावार्थ—उसी प्रकार क्रम से जातियों के अनुसार तालों की जाति की मात्रा जानना चाहिये।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

श्लोक—चतुर्वर्णैस्त्रिभिर्वर्णैः पंचवर्णैस्तथैव च ।
सप्तवर्णैश्च नवभिः जातयः क्रमशः स्मृताः ॥

भावार्थ—चतुरस्र की ४ मात्रा, त्र्यस्रकी ३ मात्रा, खण्ड की पाँच, मिश्रकी ७ और संकीर्ण की नो मात्रा हैं।

जातियों के वर्ण—

श्लोक—चतुरस्रो ब्राह्मणः स्यात् त्र्यस्रः क्षत्रिय एव च ।
खण्डो वैश्यस्तथा मिश्रः शूद्र इत्यभिधीयते ॥
संकीर्णजातिः संकीर्ण इत्येताः पंचजातयः ।

भावार्थ--चतुरस्र जाति का वर्ण ब्राह्मण, त्र्यस्रका क्षत्रिय, खण्ड का वैश्य तथा मिश्र का शूद्र और संकीर्ण का वर्ण संकर=अन्त्यज है।

नोट—जिस ताल की जाति जानना हो उस ताल की मात्रा, का छोटे से छोटा रूप बनाना चाहिए, किन्तु ताल का छोटे से छोटा रूप वहां तक बनाना चाहिए जहाँ तक कि वह कहा जासके। उस छोटे रूप की मात्राओं की तुलना इन भिन्न २ जातियों की मात्राओं के साथ करके उस तालकी जाति का निर्णय करना चाहिए। जैसे त्रिताल १६ मात्राओं का है, इसका छोटे से छोटा रूप ४ मात्राओं का होता है और चतुरस्र जाति की मात्रा ४ हैं, अतः यह ताल चतुरस्र जाति का हुआ, इस प्रकार चौताल त्र्यस्र जाति का है, क्यों कि इसका छोटे से छोटा रूप ३ मात्राओं का होता है, दादरा और खेमटा भी त्र्यस्र जाति के हैं, झपताल और शूल ताल का छोटे से छोटा रूप ५ मात्राओं का होता है, अतः ये दोनों ताल खण्ड जाति के हैं।

यत, धमार, ब्रह्मताल, आड़ा, चौताल, रूपक और तेवरा ये सब ताल मिश्र-जाति के हैं। इनका छोटे से छोटा रूप ७ मात्रा का होता है। मत्तताल और लक्ष्मीताल का छोटे से छोटा रूप ९ मात्रा का हो सकता है, अतः ये दोनों ताल संकीर्ण जाति में रक्खे जायँगे।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ठेका ठुमरी का मात्रा १६

+	। ०		।
१ २ ३ ४	५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२		१३ १४ १५ १६
धा धिन् ऽ क्र धिन्	धा धिन् ऽ क्र धिन् धा तिन् ऽ क तिन्		ता धिन् ऽ क्र धिन्

ठेका छपका का मात्रा ८

+	। ०	।
१ २	३ ४ ५ ६	७ ८
धिन् त धिन्	ऽ ति नग नग त तिन्	ऽ ति तक

ठेका अद्धा मात्रा ४

+	।
१ २	३ ४
धिन् त धिन्	ऽ ति धिन्

ठेका चंग या ख्याळका मात्रा ८

+	। ०	।
१ २	३ ४ ५ ६	७ ८
ता धिन्	नग धिन् ता तिन्	ऽ धिन्

सवारी मात्रा १५

+ ०	। ०	। ०	।
१ २ ३ ४	५ ६ ७ ८	९ १० ११ १२ १३	१४ १५
धिन्ना धिन् धिन्	धा धा तिन्ना	कत्ता दिन्ना कत्ता	किटतक् तिरकिट

पंचम सवारी मात्रा १६

+ ०	। ०	।	।	।
१ २ ३ ४	५ ६ ७ ८	९ १०	११ १२	१३ १४ १५ १६
धिन् धिन् धा तिट	ना किट नागे तूना	कत्ता धीना	धीधी नाधी	नागे तिरकिट तूना कत्ता

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

कराल मंच ताल मात्रा १०

+		।				।		०	
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०
धा	तिट	क्किट	तक्क	दिन्	ता	तिट	कत	गदि	गन

रुद्र ताल मात्रा ११

+	०	।	।	।	०	।	।	।	।	०
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११
धा	दिन्	ता	कत	धा	धा	दिन्	ता	कत	धा	थुन्

रुद्र ताल मात्रा १५

+	०	।	।	०	।	।	।	०	।	।	।	।	।	०
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५
धा	दिन्	ता	तिट	कत	गदि	गन	ध	धा	दिन्	ता	तिट	किट	तिट	गदि

रुद्र ताल मात्रा १६

+	०	।	।	०	।	।	।	०
१	२	३	४	५	६	७	८	९
धा दिन्	धेत्	धेत्ता	दिन्ता	थुंनं	ताधा	क्किटतक	दिन्ता	कूड़ान

।		।	।	।	।	०
१०	११	१२	१३	१४	१२	१६
धा	तादेत्	तगदेत्	ता	कूडान	तेरकिट	तक्क थुन्

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

तिताला के सीधीलय के बोल ।

\+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११
१. गदिगन नगतिट गदिगन धा धाधा धा घेते टेक ऽ त्ता गदिगन न गधे

| + | ०
१२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३- ४ ५ ६ ७ ८ ९
ऽ द्धा ऽ दीं ऽ क ऽ त्ता धा गदिगन नगधे ऽ द्धा ऽ दीं ऽ क ऽ त्ता धा

| +
१० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
गदिगन न गधे ऽ द्धा ऽ दीं ऽ क ऽ त्ता धा

एक्कड़ दून की लयमें

\+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
२. कत्तिट घेघेतिट कताक थुंकिट किटतक दांदां किड़नग तिटकत घेघेतिट

| +
१० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३
तकथुं ऽ कत गदिगन कत्तिट तिटघेघे तिटतिट घेनेनद घेघेतिट घेनेनद घेघेत्ता

| ० |
४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
ऽनघेघे तिटघेना ऽ नान धा ऽ तात धाघेना ऽ नान धा ऽ तात धाघेना ऽ नान

\+
१५ १६ १
धा ऽ तात धा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

नोट--यह बोल बराबर की लयमें समसे प्रारम्भ करने पर भी समपर आता है।

०　　　　　　　　　　　　|　　　　　　　　　　　+
९　　१०　११　१२　१३　१४　१५　१५　१
३. धिरधिरकिट तक्ता कतघेघे दिन् नगधे ऽ त्कत घिन्नड़ा ऽ नधा दिन्ता

|　　　　　　　　　　　०
२　३　४　५　६　७　८　९　१०
कत्ते टेधा ऽ ता ऽ न धा धिरधिरकिटतक् धाधिरधिर किटतक्धा धिरधिर-

|　　　　　　　　+
११　१२　१३　१४　१५　१६　१　२
किटतक् धा धिरधिरकिटतक् ता कत घेघे दिन् नगधे ऽ त्कत घिन्नड़ा

|　　　　　०
३　४　५　६　७　८　९　१०　११　१२
ऽनधा दिन्ता कत्ते टधा ऽ ता ऽ न धा धिरधिरकिटतक् धाधिरधिर किट-

|　　　　　　　　+
१३　१४　१५　१६　१　२　३　४
तकधा धिरधिरकिटतक् धा धिरधिरकिट तक् ता कतघेघे दिन् नगधे ऽत्कत

|　　　　　　　　|
५　६　७　८　९　१०　११　१२　१३　१४
घिन्नड़ा ऽनधा दिन्ता कत्ते टेधा ऽ ता ऽ न धा धिरधिरकिटतक् धाधिरधिर

　　　　+
१५　१६　१
किटतक् धा धिरधिरकिटतक् धा

जोड़ा

०　　　　　　|　　　　　　　+
९　१०　११　१२　१३　१४　१५　१६　१
४. कत्तिरकिटतक् धा तगतागे तिन् किड़धे डत्तग धिटतगे ऽ नधा तिद्धा

|　　　　　　　　०
२　३　४　५　६　७　८　९
धेतिर किटता ऽ धा ऽ त धा कित्तिरकिटतक ता कत्तिरकिटतक ता

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

| +
१० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
कत्तिरकिटतक् धा कत्तिरकिटतक् ता तग तागे तिन् किड़धे ऽत्तग

| 0
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११
धिटतगे ऽन्नधा तिद्धा घेतिर किटता ऽधा ऽत धा कत्तिरकिटतक् ताकत्तिर

| +
१२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३
किटतक् ता कत्तिरकिट तक् धा कत्तिरकिट तक् ता तगतागे तिन् किड़धे

0 |
४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३
ऽत्तग धिटतग ऽन्नधा तिद्धा घेतिर किटता ऽ धा ऽ त धा कत्तिरकिटतक

+
१४ १५ १६ १
ताकत्तिर किटतक्ता कत्तिरकिटतक् धा

भड़ौवा छन्दका बोल

+ | 0
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
५. धादिन् ऽन्ता किड्धा तेटे कत्ते टेधा नाते टेता ऽकिड़ धाकत् धाना ऽद्धा

| + |
१३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७
दींक ऽद्धा ऽतरा ऽनधा थुन्नत् तेटे ऽतिर किटतक् धा धिरकिट थुन्नत्

0 | +
८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
तेटे ऽतिर किटतक् धा धिरकिट थुन्नत् तेटे ऽ तिर किटतक् धा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

जोड़ा

\+ | 0
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
६. कत्ती ऽद्धा घेती ऽ त्ता ऽघे टेता नाते टेधा ऽ तिर किटतक् नादिन् ऽ न्ता

| + |
१३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७
ऽ द्धिर किटतक् धादिन् ऽन्धा कतघड़ा ऽनधा ऽघे तेटे धा किटतक् कतघड़ा

0 | +
८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
ऽनधा ऽघे तेटे धा किटतक् कत घड़ा ऽ नधा ऽ घे तेटे धा

नोट—इस बोल में कहरवालय और आड़ीलय कौव्वालीलय तथा सीधीलय इनका बर्ताव होता है।

\+ | 0 |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३
७. धगे ऽ न्ना ऽ ड़ धगे ऽ नूता ऽ न धा ति द्धा किड़धा ऽ न किड़धा तिट

\+ | 0 |
१४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
कत गदि गन धा ती ऽ द्धा दी घे ऽ न् ता धा ऽ क द्धा धिरधिर किट

\+ | 0
१५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
तक् धा धातु नाकिड़ धाति द्धा ऽ किड़ धा ति द्धा ऽ किड़ धाति द्धा

| + |
१० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५
धातु नाकत् धातु नाकिड़ धाति द्धा ऽ किड़ धाति द्धा ऽ किड़ धाति द्धा

0 | +
६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
धातु नाकत् धातु नाकिड़ धाति द्धा ऽ किड़ धाति द्धा ऽ किड़ धाति द्धा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

जोड़ा

नोट—इस बोल में कहरवा लय और आड़ीलय तथा भड़ौवालय और सोधोलय इन सभों का वर्ताव होता है।

+ । ० ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
गेदि ऽ न्ता ऽ न धिट कता ऽ न घे ति चा घड़ा ऽ न कचा किट तक

+ । ० ।
१५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५
थुन् थुन् धा ऽ दिं ऽ ता क ऽ ति ऽ द्धा ता ऽ धे चा कत्तिर किटतक् ता

+ । ०
१६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
धाकिड् ताकत् धाकिड् धा ऽ किड़ धाक द्धा ऽ किड़ धाक द्धा धाकिड्

। + ।
११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६
ताकत् धाकिड् धाक द्धाक द्धा ऽ किड़ धाक द्धा ऽ किड़ धाक द्धा धा

० । +
७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
किड् ताकत् धाकिड् धाक द्धाक द्धा ऽ किड़ धाक द्धा ऽ किड़ धाक द्धा ॥

बोल (लोम विलोम का)

नोट—जिस बोल में प्रारम्भ करने से कहने में जैसे अक्षर आते हों उसी बोल में समाप्त होने पर उलट के कहने से वैसेही अक्षर आवै ऐसे बोल को लोम विलोम का बोल कहते हैं।

+ । ० । +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
८. धा तक धा ता नग दिग नाड़ा नन कत धा ता धा घेघे दिं दिं घेघे ता

। ० । +
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
नधा नाना धा नगे नन गेन नगे तत गेन नगे नन गेन धा नाना धा नता

। ० । +
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
घेघे दिं दिं घेघे धा ता धा तक नन ड़ाना गदि गन ता धा कत धा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

बोल लोम विलोम का

\+ | ० | +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
९. धा नग दिग तक धा नता गेन तत कति कत गेन कत धा ता धा घेघे धा

| ० | +
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
घेघे धा ता धा तक नग तक तिक तत नगे ता नधा कत गदि गन धा

नोट—इस बोल को बराबर की लय में तिताला और चौताला ताल में एक साथ कहने से दोनों ताल के हर एक सम पर (धा) आता है।

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५
१०. धा किट किड़ नग नग तिट गदि गन धा किट कूडा ऽन् धा किट कूडा

|| | ० |
१६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
ऽन् धा दित् ता थुन् दि ढ्धिर क्टि तक् धा किट के ट्टे तक धुम किट तक्

\+ | ० | +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
धा तक थु ङ्गा धा दे त्ता ऽ धा किट नग ना तिट ता गदि गन धा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

बोल बढैया का खाली से शुरू

० | +
९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३
११. तगन्न धा तान धा ताधा तड़धा गदिगन धा गदिगन नगतिट गदिगन

| ० |
४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
धा ता ऽ तगेन्न धाता ऽन ताधा तड़धा गदिगन तगेन्न धाता ऽन ताधा

+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
कड़धा गदिगन धा तगेन्न धाता ऽन ताधा तड़धा गदिगन धा तगेन्न धाता

| ||
१३ १४ १५ १६ १
ऽन ताधा तड़धा गदिगन धा

नोट—तड़धा; के ठिकाने किड़धा, निकलेगा क्यों कि तड़धा शब्द भी पखावज का है।

जोड़ा ग्यारहवीं मात्रा से शुरू

| + |
११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६
१२. तांगड़ धा दिङ्गड़ धा दींदीं किड़धा दींगड़ धा क्रिटतक् तड़धा दींगड़ धा

| +
७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २
ता ऽ तांगड़ धादीं गड़धा दींदीं किड़धा क्रिटतक् तड़धा तांगड़ धादीं गड़धा

| ० |
३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
दींदीं किड़धा धा तांगड़ धादीं गड़धा दींदीं किड़धा धा तांगड़ धादीं गड़धा

+
१५ १६ १
दींदीं किडधा धा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

बोल बढ़ैया का तेरहवीं मात्रा से शुरू

| + | ०
१३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
१३. क्रिटतक् धेत् तान धा धित्ता धेत् तान धा धित्ता ऽ धित् तान धा दींगड़

| |
१० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५
धा तांगड़ धा क्रिटतक् दींगड़ धातां गड़धा दींगड़ धाति द्धा क्रिटतक् दींगड़

० | +
६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
धाता गड़धा दीं गड़ धा ति द्धा क्रिटतक् दींगड़ धातां गड़धा दींगड़ धाति द्धा

जोड़ा पन्द्रहवीं मात्रा से शुरू

+ | ०
१५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
१४. गदिगन कत् धान धा किड़धा कत् धान धा किड़धा ऽ किड़ धान धा

| + |
११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५
किड़ता धा किड़धा ता किड़धा गदिगन धातां गड़ता धाति द्धा ताकिड़

० |
६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५
धागदि गनधा तांगड़ ताधा तिद्धा ता किड़धा गदिगन धातां गड़ता

+
१६ १
धाति द्धा ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

टुकड़ा चक्करदार

\+ | ०

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०

क्ड़ान् किटतक् तगतिर किट तक् गेदि ऽ न्ना नाना नाना तगतिर किटधुम

| + |

११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५

किटतक् घ्ड़ान् धिरधिर किटतक् तातिर किटतक् ता ता किट तक तग्घ्ड़ा

० |

६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६

ऽ न्धा तूना कत् धा तिरकिट तग्घ्ड़ा ऽ न्धा तूना कत् धा तिरकिट

\+ | |

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२

तग्घड़ा ऽन्धा तूना कत् धा ऽ क्ड़ान् किटतक् तगतिर किटतक् गेदि ऽ न्ना

| + |

१३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५

नाना नाना तकतिर किट धुम किटतक् घ्ड़ान धिरधिर किटतक् तातिर

० | +

६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १

किटतक् ता ता किट तक तग्घ्ड़ा ऽ न्धा तूना कत् धा तिरकिट तग्घ्ड़ा

| ०

२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३

ऽ न्धा तूना कत् धा तिरकिट तग्घ्ड़ान् ऽन्धा तूना कत् धा ऽ क्ड़ान्

\+ |

१४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७

किटतक् तगतिर किटतक् गेदि ऽ न्ना नाना नाना तकतिर किटधुम किटतक्

० | +

८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २

घ्ड़ान् धिरधिर किटतक् तातिर किटतक् ता ता किट तक तग्घ्ड़ा ऽन्धा

| ०

३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२

तूना कत् धा तिरकिट तग्घ्ड़ा ऽ न्धा तूना कत् धा तिरकिट

| +

१३ १४ १५ १६ १

तग्घ्ड़ा ऽ न्धा तूना कत् धा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

जोड़ा

\+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
घ्ड़ान् धातित् धातिर किटतक् धेत्धे ऽ त्धेत् ताता ताता कत्तिर किटतागे

| + |
११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५
तिरकिट क्ड़ान् तिरतिर किटतागे तातिर किटतागे थुन् थुन् तिट तिट कत्

० |
६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
धिलां ऽ ग्धा धिरधिर किटतक् धा तूना कत्धिलां ऽ ग्धा धिरधिर किटतक्

\+ | ०
१५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
धा तूना कत्धिलां ऽ ग्धा धिरधिर किटतक धा ऽ घ्ड़ान् धातित् धातिर

| +
१० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३
किटतक् धेत्धे ऽ त्धेत् ताता ताता कत्तिर किटतागे तिरकिट क्ड़ान् तिरतिर

| ० |
४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३
किटतागे तातिर किटतागे थुन् थुन् तिट तिट कत्धिलां ऽ ग्धा धिरधिर

\+ |
१४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७
किटतक् धा तूना कत्धिलां ऽ ग्धा धिरधिर किटतक् धा तूना कत्धिलां

० | +
८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २
ऽ ग्धा धिरधिर किटतक् धा ऽ घ्ड़ान् धातित् धातिर किटतक् धेत्धे ऽ त्धेत्

| ०
३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
ताता ताता कत्तिर किटतागे तिरकिट क्ड़ान् तिरतिर किटतागे तातिर किटतागे

\+ |
१३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७
थुन् थुन् तिट तिट कत्धिलां ऽ गधा धिरधिर किटतक् धा तूना कतधिलां

० | +
८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
ऽ ग्धा धिरधिर किटतक् धा तूना कत्धिलां ऽ ग्धा धिरधिर किटतक् धा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

नोट—संस्कृत में इसको दंडक छन्द कहते हैं।

टुकड़ा बिजली का

(छन्द गीतांगी या झूलना भी इसको कहते हैं)

\+ | ० | +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४
तड़ित तड़ तड़ | घेते ट घेघे तेट | धागेन कड़ान् तुना | कतेटे धा घह | रा त विज्जु

| ० | +
५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
घटा न घेघे नन धा त घेघे नन धा त घेघे नन धा ॥

टुकड़ा बराबर की लय का

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३
तिर किट तक तत् धिर धिर तिर किट धा ऽ तिर किट तक

\+ | ०
१४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
ता किट तक तिन् ऽ तिर किट तिर किट तक निर किट तक तिर किट

| +
१३ १४ १५ १६ १
तित् ऽ तिर किट धा ॥

—:०:—

टुकड़ा शिखर्णी छन्द का तिहाई सहित

\+ | ० |
१ २ | ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५
(ता धिं) विड़ धा क द्धा ति द्धा ऽ क्र घेटे तिट गिन धा तिन गिना ऽ

\+ | ० | +
१६, १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
ऽ क ति त्ता ना तित् ता ऽ क्र घेटे तेटे धा ऽ क्र घेटे तेटे धा ऽ क्र घेट तेटे धा ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

टुकड़ा भुजङ्गप्रयात् छन्दका तिहाई सहित

\+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ६ १० ११
(ता धिन्) किड़ धित्ता ऽ न किड़न गतिर किटता ऽ तिर किट ऽ किड़ धित्ता

| +
१२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५
ऽ किड़ धित्ता ऽ किड़ धाधा ऽ न धा ऽ किड़ धित्ता ऽ किड़ धित्ता

० |
६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५
ऽ किड़ धाधा ऽ न धा ऽ किड़ धित्ता ऽ किड़ धित्ता ऽ किड़ धाधा

\+
१६ १
ऽ न धा ॥

गत पंजाबी आड़ी दून की लय में

\+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ६ १० ११
धगेत् तकिट धगन गधिन धागेतिर किटघेन घेड़ना गेधिन घड़ान ऽधा धाघे

| + |
१२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५
ऽ ड़नग धेन घेड़नग तिरकिटतू नाकत तकती ऽ तक ताके ड़नग तकति

० |
६ ७ ८ ६ १० ११ १२ १३ १४
गेनग तिरकिटत तगेन धागेतिर किटधेन घेड़ना गेधिन धागेतिर किटघेन

\+
१५ १६ १
घेड़ना गेधिन धा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

गत पंजाबी आड़ी

\+ । ० ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
घेड़ ऽ न गति ऽ -ता ऽ घें ड़ न ऽ ग दि ऽ ग्घे ड़न ऽ ग तिट ऽ क

\+ । ०
१५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
ता कि ऽ ट कत ऽ क धातिर ऽ किट घेन ऽ ग दीग ऽ न धागे ऽ ना

। + ।
११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
गेघे ऽ न धागे ऽ न धागे ऽ न ताक ऽ ति न गे ऽ न ताक ऽ ति नगे ऽ न

० । + ।
९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६
तक ऽ त क्र त ऽ क तिन ऽ ति नती ऽ न घेन ऽ ति टघे ऽ न तिट ऽ घे

० । +
७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
नति ऽ ट तिरकि ऽ ट धे ऽ त् तिर ऽ किट धेत् ऽ तिर किट धे ऽ त् घे न

। ०
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
ऽ ति ट घे ऽ न ती ट ऽ घे न ति ऽ ट तिरकि ऽ ट धे ऽ त् तिर ऽ किट

। + ।
१३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
धेत ऽ तिर किट धे ऽ त् घेन ऽ ति ट घे ऽ न तीट ऽ घेनति ऽ ट

० । +
९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
तिरकि ऽ ट धे ऽ त् तिर ऽ किट धेत् ऽ तिर किट धे ऽ त् धा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

गत पंजाबी आड़ी

\+ । ० ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ६ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
धागे ऽ ना गेघे ऽन घेड़ ऽ ना गेति रकिट धा ऽड़ धगे ऽन धगे ऽन तगे ऽन

\+ । ० । +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ६ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४
ऽ ऽते नते ऽन धगे ऽन धेना ऽ ऽ ऽघे नघे ऽन घेन ऽघे नके ऽन तेन ऽ तेनतेऽन

। ० । + ।
५ ६ ७ ८ ६ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५
कति ऽट कता !ऽ ऽ ऽते टेते ऽटे कति ऽट कताऽ घेते ऽटे घेना ऽ घेते

० ।
६ ७ ८ ६ १० ११ १२ १३ . १४ १५
ऽटे घेना ऽ घेते ऽटे घेड़नगदिन तकतिरकिट तक् घिरकिटतक् घिरकिटतक्

\+
१६ १
घिरकिटतक् धा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

\+ | ० | +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ६ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
धा ऽ नधिकि ऽ ट धातिरकिट धकि ऽ ट तकि ऽ ट घेना ऽ तकि ऽ ट घेना ऽ तक

| ० | +
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ६ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३
ऽ तक त ऽ क तकि ऽ टघेना ऽ तक ऽ तक त ऽ क तकि ऽ ट घेना ऽ धग ऽ धग

| ० | +
४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३
ध ऽ ग धगे ऽ न धगे ऽ न तग ऽ तग त ऽ ग तगे ऽ न तगे ऽ न धग ऽ धग

| ० | +
४ ५ ६ ७ ८ ६ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २
ध ऽ ग धकि ऽ ट धकि ऽ ट तग ऽ तग त ऽ ग तकि ऽ ट तकि ऽ ट धिं ऽ त

| ० | +
३ ४ ५ ६ ७ ८ ६ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २
धागे ऽ न तिं ऽ तातगे ऽ न धिं ऽ तधागे ऽ न तिं ऽ ततागे ऽ न धिं ऽ धिं

| ० | +
३ ४ ५ ६ ७ ८ ६ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३
ऽ धिं ऽ धिं ऽ तधागे ऽ न तिं ऽ तिं ऽ तिं ऽ तिं ऽ ततागे ऽ न धिं ऽ तधगे

| ० | +
४ ५ ६ ७ ८ ६ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
ऽ न धा ऽ धिं ऽ त धग ऽ नधा ऽ धिं ऽ तधगे ऽ न धा

बोल घनाच्चरी छन्द का

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ६ १० ११ १२ १३
धाति ऽ द्धा ऽ न तिट घेतिर किटधा तिट तिट कति टता ऽ न किट कातिर

\+ | ० |
१४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
किटधे तिट तिट कत कृधा ऽ न कत धा ऽ कत धा ऽ कत धा कत कृधा ऽन

\+ | ० | +
१५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ६ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
कत धा ऽ कत धा ऽ कत धा कत कृधा ऽ न कत धा ऽ कत धा ऽ कत धा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

नोट-इस बोल में तिहाई का हर एक हिस्सा अलग २ बन्दिश का है।

बोल घनाक्षरी छन्द का

+ | o |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५
धागे नत किट घेन धगे नधा ऽ ड़ घेन धेन गदि गन घेन तिरकिट तूना किट

+ | o
१६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
तक ताकिट तक्धिर किटधिर किटतक् तान किटतक धिंधिं धिंधिं धातिर

| + o
१० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
किड़धा तेट धा ऽ तेटे धा ऽ तेटे धा धातिर किड़धा तेटे धा ऽ ते टे धा ऽ ते

| +
१० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
टेधा धातिर किड़धा तेटे धाते टेधा तेटे धा

बोल घनाक्षरी छन्द का

+ | o
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
कातिर किटधे तेटे कातिर किटधे तेटे कत कत का तिर किटधे तेटे कत

| + | o
१३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
घेतिर किटतक् तातिर किटतक् ता ऽ धा ऽ कातिर किटधे तेटे कत धा

| + | o
१० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
कत धा कत धा तिट कातिर किटधे तेटे कत धा कत धा कत धा तिट कातिर

| +
१० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
किटधे तेटे कत धा कत धा कत धा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

बांट कहरवे छन्द का

१. धिगेनधि गेन धाड़ा तिगेनतो गेन ताड़ा धिगे नधि गेन धाड़ा तिगे नति गेन ताड़ा ॥

२. नाधि ऽ कृधि नाड़ा धिन नाति ऽ कृ ति नाड़ा तिन नाधि ऽ कृधि नाड़ा धिन नाति ऽ कृति नाड़ा तिन ॥

३. घेना गेधा गेधा तिन केना गेता गेता तिन घेना गेधा गेधा तिन केना गेता गेता तिन ॥

४. घेन त धा घेन त धा घे ना ऽ न धा धा केन त धा केन त धा घेना ऽ न धा धा ॥

५. धा गधि ना धिन् धा गधि ना धिन् ता गति ना धिन् धा गधि ना धिंन् ॥

६. धिन् तधिं ऽ धि नत तिन् ततिं ऽ ति नत धिन् ता धिं ऽ धि नत तिन् ततिं ऽ ति नत ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

बांट आड़ी लयके

\+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
१. { धाधा ऽ घेन धागेतु नाकत्ता धातिरकिट धागेन धागेतु नाकत्ता ताता ऽक्रेन
|
११ १२ १३ १४ १५ १६
तागेतु नाकत्ता धातिरकिट धागेन धागेतु नाकत्ता ॥

\+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
२. { धतिरकिट धागेन धागेतु नाधेन धातिरकिट धागेन धागेतु नाकेन तातिरकिट
|
१० ११ १२ १३ १४ १५ १६
तागेन तागेतु नाधेन धातिरकिट धागेन धागेतु नाकेन ॥

\+ |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
३. { धातिरकिट धागेन धातिराकट धागेन धातिरकिट धागेन धागेतु नाकेन
० |
९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
तातिरकिट तागेन तातिरकिट तागेन धातिरकिट धागेन धागेतु ना घेन ॥

\+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११
४. { धाधा गधेन ताधा गधेन घेनता गतिन तेना त्तकिट ताता गतेन धाधा
|
१२ १३ १४ १५ १६
गधेन घेनता गतेन धेना त्तकिट ॥

\+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
५. { घेनधा गेतिन गेनधा गेधिन तिनधा गेधिन गेनधा गेधिन तिनधा गेधिन
| +
११ १२ १३ १४ १५ १६ १
घेनधा गेधिन धाधा गेधिन धाधा गेधिन धा ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

\+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
१. धगध गधग धगेन धगेन तगतगतग तगेन तगेन धगध गधग धगेन धगेन

|
१३ १४ १५ १६
तगत गतग तगेन तगेन ॥

\+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११
२. धागेते टघेन धागेतु नाकत्ता तागेते टघेन धागेतु नाकत्ता धागेते टघेन धागेतु

|
१२ १३ १४ १५ १६
नाकत्ता तागेते टघेन धागेतु नाकत्ता ॥

\+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११
३. धगेन धगेन धागेतु नाकत्ता धागेते टघेन धागेतु नाकत्ता तगेन तगेन तागे तु

|
१२ १३ १४ १५ १६
नाकत्ता धागेते टघेन धागेतु नाकत्ता ॥

\+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११
४. धगध गधग धागेन धागेन धागेतु नाकत्ता तागेतु नाकत्ता तगत गतग तगेन

|
१२ १३ १४ १५ १६
तगेन धागेतु नाकत्ता तागेतु नाकत्ता ॥

\+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
५. धागेते टघेन धागेतु नाकत्ता धातिरकिट धागेन धागेतु नाकत्ता तागेते टक्केन

११ १२ १३ १४ १५ १६
तागेतु नाकत्ता धातिरकिट धागेन धागेतु नाकत्ता ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

\+ | ०

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९

६. धातिर किट धागेन धातिरकिट धागेन धागेन धगेंन धागेतु ना कत्ता तातिरकिट

|

१० ११ १२ १३ १४ १५ १६

तगेन तातिरकिट तगेन धातिरकिट धगेन धागेतु नाकत्ता ॥

बांट कहरवे के छन्द का दून की लयमें

\+ | ०

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९

१. धाक्ड धिन्धा धिन्धा धेनगेंन धागेनागे धेनगेन धागेत्रक तुनाकत ताक्ड

|

१० ११ १२ १३ १४ १५ १६

तिन्ता तिन्ता तेनगेन धागेनागे धिनगेन धागेत्रक तुनाकत ॥

\+ | ०

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९

२. धाक्ड धिन्धा धिन्धा धेनधेन धागेनधिन कधिन त्रकधेन घेड़नकग ताक्ड

|

१० ११ १२ १३ १४ १५ १६

तिन्ता तिन्ता तेनगेन धागेनधि नकधिन त्रकधिन घेड़नग ॥

\+ | ०

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९

३. धाक्ड धिन्धा ऽ द्धा धेनगेन ऽ त्रक तुनाकत धागेनधि नकधिन् ताक्ड

|

१० ११ १२ १३ १४ १५ १६

तिन्ता ऽ ता तेनगेन ऽ त्रक तुनाकत धागेनधि नकधिन् ॥

\+ | ०

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९

४. ऽक्ड धिन्धा धाधेन गेनतक ऽत्रक तुनाकत ऽ धि नकधिन् ऽक्ड

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

|
१० ११ १२ १३ १४ १५ १६
तिन्ता तातेन गनतक ऽ त्रक तुनाकत ऽ धि नकधिन् ॥

\+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
५. ऽधि नकधिन् धागेनधि नकधिन् ऽ ति नकतिन् तागनति नकधिन् ऽधि

|
१० ११ १२ १३ १४ १५ १६
नकधिन् धागेनधि नकधिन् ऽ ति नकतिन् तागेनति नकधिन् ॥

\+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
६. ऽधि नकधिन् ऽ धिधि नकतिन् ऽ ति नकतिन् ऽ धिधि नकधिन् ऽति

| +
१० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
नकतिन् ऽ धिधि नकधिन् धाधि नकधिन् धाधि नकधिन् धा ॥

\+ |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
७. { धा कृधे नकधेन धागेन धिं ऽ धिनागे ताकृते नकतेन धागेनधिं ऽ धिनागे

० |
९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
धा कृधे नकधेन धागेन धिं ऽ धिनागे ता कृते नकतेन धागेन धिं ऽ धि नागे

\+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
८. { धाकृधे नकधेन धाकृधे नकधेन ता कृते नक धेन धाकृधे नक धेन धा कृधे

|
१० ११ १२ १३ १४ १५ १६
नकधेन धाकृधे नकधेन ता कृधे नक धिन धा कृधे नकधिन

\+ |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
९. घेनकधे नकधेन धागेकृधे नकधेन केनकते नकधेन धागे कृधे नकधिन

|
९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
धेनकधे नकधेन धागे कृधे नक धेन केनकते नक धिन धागे कृधे नक धेन

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

\+ । १ २ ३ ४ ५ ६ ७

१०. धागेकधे नकधिन तागेकधे नकधिन धागेकधे नकधेन तागेकध

० । ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १

नकधिन ऽ धि नकधेन धा ऽ धे नकधेन धा ऽ धि नकधेन धा

बांट कौवाली के छन्द का दून की लय में

\+ । ० १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०

१. ताधी ऽ कूता ताधी ऽ कूता ताती ऽ कूता ताधी ऽ कूता धाती ऽ कूधा

। ११ १२ १३ १४ १५ १६

धाती ऽ कूता ताती ऽ कूधा धाती ऽ कूधा

\+ । ० १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११

२. धाक्‌ धिन्‌धिन्‌ धाती ऽ कूता ताक्‌ धिंधिं धाती ऽ कूधा धाक्‌ धिंधिं धाती

। १२ १३ १४ १५ १६

ऽ कूती ताक्‌ धिंधिं धाती ऽ कूधी

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०

धिंता ऽ कूधा तिद्धा ऽ ड़धा तिंता ऽ कूधा तिद्धा ऽ ड़धा धिंता ऽ कूधा

। ११ १२ १३ १४ १५ १६

३. तित्‌ ता ऽ ड़ता तिंता ऽ कूधा तिद्धा ऽ ड़धा

\+ । ० १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११

४. धाधी ऽ गूधी ताती ऽ गूती ताधी ऽ गूधी धाती ऽ कूती धाधी ऽ गूधी धा

। + १२ १३ १४ १५ १६ १

धाधी ऽ गूधी धा धाधी ऽ गधी धा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

त्रिताले के ठेके के कई प्रकार

\+ । ० ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
१. धा त्रिक धिन् ता ना धिं धिं ना ता त्रिक तिन् ता ऽ धिं धिं ना

\+ । ० ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १३ १४ १५ १६
२. धिं तिरकिट धिन् ना ना धि धिंन् ना तित् तिन् ना तागे ताते निते नागे

\+ । ० ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
३. धिं धिं धिन् ना ना धिं धिन् ना ना तिं तिन् ता नाति ऽ द्धा तिरकिट धिन्

\+ । ० ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
४. धा धिं धिं धा धिं धिं धिं धा धा तिं तिं ता ताता तीकिड़ तिन्ना तिरकिट

\+ । ० ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
५. धिं धिं धा तिरकिट धागे नधा ऽगूधि नाड़ा तिं तिं ता तिरकिट धागे नधा

१५ १६
ऽक्ति नाड़ा

\+ । ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
६. धागे नधि नाकड़ धिन्ना धागे नधा ऽगूधि नाड़ा तागे नति नाकूड धिन्ना

।
१३ १४ १५ १६
धागे नधा ऽगूधि नाड़ा

\+ । ० ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३
७. धा धाति नाति धाड़ धाधि नाधि नाती धाड़ ता ताती नाती ता धाधी

१४ १५ १६
नाधी नाती धाड़

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

\+ | ०

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२

८. गेदि ऽ न्ता नाधि ऽन्ता नाति ऽ न्ता नाधि नाड़ा गेदि ऽ न्ता नाधि ऽ न्ता

|

१३ १४ १५ १६

नाति ऽन्ता नाति नाड़ा

बोल एक ताला के

\+ | | +

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १ २ ३

१. कुध तिट धिट कुध तिट धिट कुध तिट कुधे टेधे तेट कुधा तिट धिट कुधा

| | + |

४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १ २ ३ ४ ५ ६ ७

तिट कुध कुध तिट धिट कुधे टेधे तिट धिट धा तिट कुधे टेधे तिट धिट धा

| +

८ ९ १० ११ १२ १

तिट कुध टेधे तिट धिट धा

\+ | | +

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १ २

२. धा ता धा क्रिड़धा दिन्ता क द्धा तांगड़ धा दींगड़ धा तांगड़ धा दिन्ता

| | +

३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १ २ ३

क्रिड़धा दिन्ता क द्धा दिन् धा दिन्ता क द्धा दिन्ता क द्धाकत गदिगन

| | +

४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १ २ ३

धातां गड़धा दिगड़ धा दिंगड़ धा किड़धा क्रिटतक् दींगड़ धा दींगड़ धा

| | + |

४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १ २ ३ ४ ५

ता धा ता धा तांगड़ धा दींगड़ धा किड़धा किटतक् दींगड़ धा तगेन्न धा

| +

६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १

तिटकत गदिगन धाकत धेनकत धाकिड़ धाकिड़ धाकिड़ धा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

तिहाई के साथ एकताले के ठके के कई प्रकार ।

\+ | | +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १
धिं धिं धा धा तू ना तिर किट धातिर किटतक् तगतिर किटतक् कूड़ान्

| | +
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १२ ११ १२ १ २ ३ ४
धाकूड़ा ऽ नूधा कूड़ान् धा धिं धिं धा धा तू ना किट तक धा गधि नक

| | + | |
५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
धिं ना धिं धिं न्ना ऽ ऽ ति नक तिन् ना धिं धिं न्ना धिं धिं धा धा

\+ | |
१० ११ १२ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
तू ना तिर किट धागे तिरकिट कूड़ान् धाकूड़ा ऽ नूधा कूड़ान् धा धिं धिं

\+ | | +
११ १२ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १
धा धा तू ना तिट तिट दिन् नन नन नन कूड़ा धा कूड़ा ऽ नूध कूड़ान् धा

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri
Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

एकताले के ठेके में अतीत, आनागत, विषम और सम की क्रिया

```
+       |          |                 +           |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १ २ ३ ४ ५
धिं धिं धा धा तू ना धागे त्रक धेन धेन धागे नधि नक धिन् धा ऽ धि नक

      |        +      |       |
६ ७ ८ ६ १० ११ १२ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ६ १०
धिन् धा ऽ धि नक धिन् धा धिं धिं धा धा तू ना तागे त्रक धा ऽ धि नक

    +       |       |          +
११ १२ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ६ १० ११ १२ १ २ ३ ४
धिं धिं धा धिं धिं धा धा तू ना कत् तेट धागे नधि नक धिं धिं धा तधिं

  |     |
५ ६ ७ ८ ६ १० ११ १२ +
धिं धा धा तू ना केटे नाधिं ऽ धिं धा
```

नोटः—इस ठेके में पहले अतीत ग्रह की क्रिया की गई है जिसका आरंभ दूसरी आवृति की बारहवीं मात्रा से हो कर तीसरी आवृत्ति की बारहवीं मात्रा पर यह समाप्त हो जाती है। अतीत के बाद अनागत ग्रह की क्रिया आती है जो चौथी आवृत्ति की दूसरी मात्रा से आरंभ करके पांचवीं आवृत्ति की दूसरी मात्रा पर पर समाप्त की जाती है। इसके बाद विषमग्रह की क्रिया आती है जो पांचवीं आवृत्ति की साढ़े चौथी मात्रा से आरंभ करके उसी आवृत्ति की साढ़े बारहवीं मात्रा पर समाप्त कर दी जाती है। इस ठेके को सम्पूर्ण रूप से लेने से समग्रह की क्रिया होती है जो पांच आवृत्ति की है।

(इन ग्रहों का विवेचन इस भाग के पाँचवे पृष्ठ में देखिए)

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ऐक ताल के बाँट।

\+ | |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ६ १० ११ १२
१. धाग धाति ऽ न्न धाग धाति ऽ न्न ताग तातिं ऽ न्न धाग धाति ऽ न्न

\+ | |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
२. धाग धाग धातिं ऽ न्न ताग तातिं ऽ न्न ताग धाग धाग तातिं ऽ न्न

\+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ६ १० ११ १२
३. धाग धातिं ऽ न्न ताग तातिं ऽ न्न ताग धा धिं ऽ न्न धाग तातिं ऽ न्न

\+ | | +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ६ १० ११ १२ १
४. धाग ताग ताधिं ऽ न्न धातिं ऽ न्न धा धातिं ऽ न्न धा धातिं ऽ न्न धा

\+ | |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ६ १० ११ १२
५. धाग धातिं ऽ न्न धिन् तातिं ऽ न्न ताग धातिं ऽ न्न धिन् ताधिं ऽ न्न

\+ | |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ६ १० ११ १२
६. धिन् धाति ऽ न्न तिन् ताधिं ऽ न्न तिन् धाधिं ऽ न्न धिन् धातिं ऽ न्न

\+ | |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
७. धाधिं ऽ न्न तातिं ऽ न्न ताधिं ऽ न्न धातिं ऽ न्न धाधिं ऽ न्न तातिं ऽ न्न

\+ | | +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ६ १० ११ १२ १
८. धा ऽ -ता धाधिं ऽ न्न तातिं ऽ न्न धा ऽ -ता धाधिं ऽ न्न तातिं ऽ न्न धा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

बोल झपताला के सिधी लयके

\+ । ० । + ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २ ३
१. क चेटे घेन तेटे कातिर किटधा तेट तेट दिग तागे तिरकिट तकता कते
० । +
४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १
ट ता ऽ न धा तिरकिट धातिर किटधा तिरकिट धा ॥

\+ । ० । + ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २ ३ ४
२. तिरकिट तकता दिग तागे गदि गन धा कते टता नगे न ता ऽ न धा ति
० । + ० । ०
५ ६ ७ ८ ९ १० १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
द्धा कते टता नगे नता ऽ न धा ति द्धा कते टता नगे नता ऽ न धा
\+
१० १
ति द्धा ॥

\+ । ० । × ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २ ३ ४
३. कत कत् तेट तेट कातिर किटतक् तागे तेट धगे नत केट धागे दिन् दिन्
। ० × ० । ०
५ ६ ७ ८ ९ १० १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
नरा ऽ न् कते टता ऽ न थुं तड़ ऽ न्ना थु ङ्गा घेता ऽ न केता ऽ न धा
\+ । ० । ×
१० १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १
तिरकिट घेता ऽ न केता ऽ न धा तिरकिट घेता ऽ न केता ऽ न धा ॥

———

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

बोल दून की लय में

\+   ।   ०   ।
१   २   ३   ४   ५   ६   ७   ८
४. धागेतिट तागेतिट कतकधि केटकत धागेनत किटधागे तिटकधा ऽ नकत्

\+   ।   ०
९   १०   १   २   ३   ४   ५   ६
धादिं ऽ ता कत्ति ऽ द्धा ऽ धिरधिर किटतक्धाति द्धा ऽ धिरधिर

।   +
७   ८   ९   १०   १
कितटक् धाति द्धा ऽ धिरधिर किटतक् धाति द्धा ॥

\+   ।   ०   ।
१   २   ३   ४   ५   ६   ७   ८
५. दिनतक तेटकत कतिटत गेनतग कातिरकिटधा तिरकिट धिन्तरा ऽ न्धा

\+   ।   ०
९   १०   १   २   ३   ४   ५   ६   ७
कत्तेट घनतेट क्धद्ध किटकत धिलांग धा क्त्र ऽ द्धकिट कतधिलां ऽ गधा

।   +
८   ९   १०   १
क्धद्ध किट कत धिलांग धा ॥

(जोड़ा)

\+   ।   ०   ।
१   २   ३   ४   ५   ६   ७   ८   ९
६. घेनकत घेघेतेट घेदेनत किटकत घेनाधा ऽ ड़घेन कतिटधु किटकत गेदिन्न

\+   ।   ०   ।
१०   १   २   ३   ४   ५   ६   ७   ८
नगतिट कतिटता ऽ नधा तित्ता धाकति टतान धाति त्ताधा कतिटता

\+
९   १०   १
ऽ नाधा तित्ता धा ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

|
१ २ ३ ४ ५
७. तिरकिटधेत्ता तिरकिटधेत्ता तिटधड़न्धा दिन्ताकत्ता धीकिटधानथुन्

० | +
६ ७ ८ ६ १० १
गेदानदिगदिन् तातिरकिटधेत् ताधादिन् ताकिड़धा दिन्ताकड्दिग दिन्तादिग-

| ०
२ ३ ४ ५ ६
दिन् ता तड़न्ता ऽ न्धातोधा किटतक्दींगड़धाति द्धातड़न्ता ऽ न्धाताधा

| +
७ ८ ६ १० १
किटतक्दींगड़धाति द्धातड़न्ता ऽ न्धाताधा किटतक्दींगड़धाति द्धा ॥

बोल आड़ी के लय का

+ | ० | +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ६ १० १
८. कतक तकत कतिट तगेन कतिट तगेन कतक तकत तगेन तगेन तागेति

| ० | +
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ६ १० १ २
टकिट तागेति टतागे तान धा तान धा कतिट तगन कातिरकिट धीकिट

| ० | + |
३ ४ ५ ६ ७ ८ ६ १० १ २ ३ ४ ५
घेना धाड़ घेनधा ऽ घेन धान कड़ान धा ऽ घेनधा ऽ घेन धान कड़ान धा

० | +
६ ७ ८ ६ १० १
ऽ घेनधा ऽ घेन धान कड़ान धा ॥

६

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(जोड़ा)

+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
९. तगत गतग तकिट कतिट कतिट तकिट तगत गतग कतिट धादिन्ता
+ | ० | +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २
धिटति टधिट धिटति टधिट धान धा क्ड़ान धा कतिट धान तागेति टकिट
| ० | + |
३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २ ३ ४ ५
कतिट धाड़ कतधा ऽ कत धान तान धा ऽ कतधा ऽ कत धान तान धा
० | +
६ ७ ८ ९ १० १
ऽ कतधा ऽ कत धान तान धा ॥

गत पंजाबी आड़ी

+ | ० | +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २
१०. धागेन कधेन धाघ ड़ान धेनघ ड़ान धेनगि नतक त्रेघेन् नकिट तकत कतक
| ० | |
३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १
तिनत कतक घेनक ताड़ धेनघे नतक तिरकिट तक् धिरकिट तक् धा ॥

+ | ० | +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १
११. कातिन कधिन घेनघे ड़नक कतक धातेटे घेनग दीगन धगे दिगेन दिगना
| ० | +
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १
नाकिट दिगना नाकिट धागेति टधागे नितिट ततिट घेनघे नघेन धाधा
| ० | +
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २
ऽ धा किनति नकिन तिनत कतक केनक तकिट केनक तकिट धगेन धगेन
| ० | +
३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १
धाधा ऽ धा धेना धाड़ त्रेघेन् नकिट त्रेकेट धाकिटतक् धा ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

बोल भड़ौवा के छन्द का ।

\+ | | +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २
कत्ते टेधा, नाते टेता ऽ किड़ धाति द्धाक्ड़ा ऽ न्धा ऽ तिर किटतक् धा, धा

| | +
३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १
क्ड़ाऽ न् धाऽ तिर किटतक् धा, धा क्ड़ा ऽ न् धा ऽ तिर किट तक् धा ॥

(जोड़ा)

\+ | ० | +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १
तग्ड़ा ऽ न्धा थुन्नत् तेटे ऽ धा तिद्धा कतघड़ा ऽ नधा ऽ किट तक् ताधा

| ० | +
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १
कत्घड़ा ऽ न्धा ऽ किट तक्ता, धा कत्घड़ा ऽ न्धा ऽ किट तकता धा ॥

कहरवा के छन्दका दूनकी लयमें

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
घेनाधा ऽ ड़धा घेड़नग दिनतक घेनघेड़ नगधेन घेड़नग दिनतक तिटतिट

\+ | ०
१० १ २ ३ ४ ५ ६
तिनतिन तागेतिरकिट तूनाकत्ता धागेनधा गेनधिन धागेतिरकिट तूनाकत्ता

| +
७ ८ ९ १० १
धिनधागे तिरकिटधिन धागेतिरकिट तूनाकत्ता धा ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(जोड़ा)

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
कतिटता ऽ नधा तिटधिलां ऽ गकत कतितग तिटकति तगतिट किटतक

\+ | ०
९ १० १ २ ३ ४ ५ ६
धुन्धुन् तिटतिट कातिरकिटधा तिटकत कतिटक तिटधेन कतिटधा ऽ नधा

| +
७ ८ ९ १० १
किटतक तिटतागे तिरकिटतकता कत्तिरकिट धा ॥

झपताला का बांट बराबर की लयमें

\+ | | +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २
१. धागे तिरकिट धिन गिन धिन् धागे तिन गिन तागे तिरकिट धिन गिन

| ० | + | ०
३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २ ३ ४ ५ ६
धिन् धागे धिन गिन धागे धिन गिन धागे धिन गिन धिन् धागे तिन गिन

| +
७ ८ ९ १० १
धा धिन धा धिन धा ॥

\+ | ० | +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २
२. धातिर किटधि नक धिन धिन धागे धिन गिन तातिर किटधि नक धिन

| ० | + |
३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २ ३ ४ ५
तिन धागे धिन गिन धिन धागे तिन गिन धातिर किटधि नक धिन धातिर

० | + | ०
६ ७ ८ ९ १० १ २ ३ ४ ५ ६ ७
किटधि नक धिन धातिर किटधि नक धिन धिन धागे तिन गिन तातिर

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

| + | | ० | | + | | ० | |
८ ९ १० १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
किटति नक तिन तातिर किटति नक तिन धातिर किटधि नक धिन तिन

\+ | ० | +
१० १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १
धागे धिन गिन धा ऽ धिन गिन धा ऽ धिन गिन धा ॥

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
३. धिन गिन तागे नधि नक तिन गिन धागे नधि नक ॥

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
धिन धागे तिन गिन धिन तिन धागे धिन गिन तिन ॥

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
धिन गिन तगेन नत गेन तिन गिन धगे नध गेन ॥

\+ | ० | +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १
धिन धा ऽ धन धा ऽ धिन धा ऽ धन धा ॥

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
४. धिन् धिधी नक तेन गेन तिन् धिधी नक धेन गेन ॥

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
धागे नधि नक तिन गिन तागे नति नक तिग गिन ॥

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
धिन कति नक तिन धिन तिन कधि नक धिन तिन ॥

\+ | ० | +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १
धिन तिन धा ऽ धिन तिन धा ऽ धिन तिन धा ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(जोड़ा)

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
कतिटता ऽ नधा तिटधिलां ऽ गकत कतितग तिटकति तगतिट किटतक

\+ | ०
९ १० १ २ ३ ४ ५ ६
थुन्थुन् तिटतिट कातिरकिटधा तिटकत कतिटक तिटधेन कतिटधा ऽ नधा

| +
७ ८ ९ १० १
किटतक तिटतागे तिरकिटतकता कत्तिरकिट धा ॥

झपताला का बांट बराबर की लयमें

\+ | | +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २
१. धागे तिरकिट धिन गिन धिन् धागे तिन गिन तागे तिरकिट धिन गिन

| ० | + | ०
३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २ ३ ४ ५ ६
धिन् धागे धिन गिन धागे धिन गिन धागे धिन गिन धिन् धागे तिन गिन

| +
७ ८ ९ १० १
धा धिन धा धिन धा ॥

\+ | ० | +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २
२. धातिर किटधि नक धिन धिन धागे धिन गिन तातिर किटधि नक धिन

| ० | + |
३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २ ३ ४ ५
तिन धागे धिन गिन धिन धागे तिन गिन धातिर किटधि नक धिन धातिर

० | + | ०
६ ७ ८ ९ १० १ २ ३ ४ ५ ६ ७
किटधि नक धिन धातिर किटधि नक धिन धिन धागे तिन गिन तातिर

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

। + । ० ।

८ ९ १० १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९

किटति नक तिन तातिर किटति नक तिन धातिर किटधि नक धिन तिन

\+ । ० । +

१० १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १

धागे धिन गिन धा ऽ धिन गिन धा ऽ धिन गिन धा ॥

\+ । ० ।

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०

३. धिन गिन तागे नधि नक तिन गिन धागे नधि नक ॥

\+ । ० ।

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०

धिन धागे तिन गिन धिन तिन धागे धिन गिन तिन ॥

\+ । ० ।

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०

धिन गिन तगेन नत गेन तिन गिन धगे नध गेन ॥

\+ । ० । +

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १

धिन धा ऽ धन धा ऽ धिन धा ऽ धन धा ॥

\+ । ० ।

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०

४. धिन् धिधी नक तेन गेन तिन् धिधी नक धेन गेन ॥

\+ । ० ।

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०

धागे नधि नक तिन गिन तागे नति नक तिग गिन ॥

\+ । ० ।

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०

धिन कति नक तिन धिन तिन कधि नक धिन तिन ॥

\+ । ० । +

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १

धिन तिन धा ऽ धिन तिन धा ऽ धिन तिन धा ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

बांट आड़ी लयके

+ । ० ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
१. धातिरकिट धगेन तगेन तातिरकिट तगेन धगेन धातिरकिट तातिरकिट

९ १०
तिगेन धगेन ॥

+ । ० ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
२. धिन्‌ध गतिन गिन्‌ध गधिन तिन्‌धिं ऽ गिन्‌ तिन्‌ध गधिन तिनधि नगिन ॥

+ । ० ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
३. धगत गतिग तगध गधिग तगति गतग धिगध गतग तिगध गतग ।

+ । ० । +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १
४. तगत गतग तिगति गतिग धगत गतिग धात गतिग धात गतिग धा ॥

ताल झपताला की तिहाइयां हर एक मात्रा से सम तक की

तिहाई १ मात्रा से सम तक

+ । ० ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
तिटकत गदिनन धाति द्धातिट कतगदि गनधा तिद्धा तिटकत गदिगन

+
१० १
धाति द्धा ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

तिहाई २ मात्रा से सम तक

\+ | ० | +

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १

धी) तिटकत गदिगन धा ऽ तिट कतगदि गनधा ऽ तिटकत गदिगन धा ।।

तिहाई ३ मात्रा से सम तक

\+ ० | +

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १

धी ना) किटतक धाति द्धा किटतक धाति द्धा किटतक धाति द्धा ।।

तिहाई ४ मात्रा से सम तक

\+ | ० | +

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १

धी ना धी) धिन्तरा ऽ क द्धाधिन् तरान् कद्धा धिन्तरा ऽ न्क द्धा ।।

तिहाई ५ मात्रा से सम तक

\+ | ० | +

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १

धी ना धी धी) धाति द्धा ऽ धा तिद्धा ऽ धाति द्धा ।।

तिहाई ६ मात्रा से सम तक ।

\+ | ० | +

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १

धी ना धी धी ना) धिलांग धा धिलंग धा धिलांग धा ।।

तिहाई ७ मात्रा से सम तक ।

\+ | ० | +

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १

धी ना धी धी ना ती) क्धान् धा क्धा ऽ नधा क्धान धा ।।

तिहाई ८ मात्रा से सम तक ।

\+ | ० | +

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १

धी ना धी धी ना ती ना) धातधा ऽ धात धा ऽ धात धा ।।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

तिहाई ९ मात्रा से सम तक ।

\+   ।   ०   ।   +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १
धी ना धी धी ना ती ना धी) धा धा धा ऽ धा धा धा ॥

तिहाई १० मात्रा से सम तक ।

\+   ।   ०   ।   +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १
धी ना धी धी ना ती ना धी धी) तधा तधा तधा ॥

झपताला की दून तिगुन और चौगून

\+   ।   ०   ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
दून धीना धीधी नाती नाधी धीना धीना धीधी नाती नाधी धीना ॥

\+   ।   ०   ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
तिगुन धीनाधी धीनाती नाधीधी नाधीना धीधीना तीनाधी धीनाधी नाधीधी
९ १०
नातीना धीधीना ॥

\+   ।   ०
चौगून १ २ ३ ४ ५ ६
धीनाधीधी नातीनाधी धीनाधीना धीधीनाती नाधीधीना धीनाधीधी
।
७ ८ ९ १०
नातीनाधी धीनाधीना धीधीनाती नाधीधीना ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

❋ अशुद्धम् शुद्धम् ❋

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
	टाइटिल पृष्ठपर	प्रयच्छति	नियच्छति
३	१३	१	०
६	८	तातकः	तीतकः
६	९	अनागतोऽनुताल	अनागतोऽनुतालम्
११	११	१४ डत्‌गत	१४ ऽ तूतग
११	१२	९ कत्‌तिरकिटतक	९ कत्‌तिर किटतक
२१	८	१४ घेड़नग	१४ घेड़नग
२२	८	७ घेनति	७ घेनति
२५	७	११ नधा	११ नधा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

हिन्दी साहित्य के चार रत्न

बिहारी-सतसई, सटीक—(टीका०—स्व० लाला भगवानदीन जी) हिंदी-संसार में शृंगार-रस की इसके जोड़ की कोई भी दूसरी पुस्तक नहीं है। यह अनुपम और अद्वितीय ग्रंथ है। तृतीय परिवर्द्धित तथा संशोधित सचित्र संस्करण का मूल्य। १।।)

This book is sanctioned as a reference book for Hindi Teachers in High Schools of Central Provinces and Berar.

—Vide Order No. 6801, Dated 28-9-26

विनय-पत्रिका सटीक—(टी० वियोगी हरि) गोस्वामी तुलसीदास जी की सर्व-श्रेष्ठ रचना यही विनय-पत्रिका है। विनयसा भक्तिज्ञान का दूसरा कोई ग्रंथ नहीं है। इसमें गोस्वामी जी ने अपना सारा पांडित्य खर्च कर दिया है। (द्वितीय संस्करण) ७०० पृष्ठों की पुस्तक का मूल्य २।।)

This book is sanctioned as a reference book for Hindi Teachers in High Schools of Central Provinces and Berar.

—Vide Order No. 6801, Dated 28-9-26

आंख और कविगण—(संपादक—पं० जवाहर लाल चतुर्वेदी) हिंदी साहित्य में यह आँख पर की गई कविताओं का पहला संग्रह है। इसमें लेखक की ओज भरी मधुर हृदय-द्रावक फड़फड़ाती हुई अनोखी टीका—टिप्पणी के साथ प्राचीन और अर्वाचीन कृतिविद्य कवियों की कल्पनातीत—कविता का रसास्वादन कर आप तृप्त हो जायँगे। यहां केवल एक सम्मति देते हैं।

आंख पर संसार के सभी कवियों ने सभी भाषाओं में विचित्र-विचित्र उक्तियाँ कहीं हैं। संस्कृत और हिंदी का तो कहना ही क्या है। इन भाषाओं के कवियों ने तो जो विषय लिया उस पर जहाँ तक मानव कल्पना की पहुंच हो सकती थी पहुँच गए। ऐसी ऐसी उक्तियाँ सम्पादक महोदय को जहाँ मिली, आपने संग्रह की हैं रसिक सज्जनों को यह पुस्तक अपने पास अवश्य रखनी चाहिए।

—कृष्णदेवप्रसाद जी गौड़ (आज, काशी) मूल्य ३)

पद्माकर की काव्य-साधना—(लेखक—अखौरी गंगाप्रसाद सिंह) यह ग्रंथ हिंदी के आलोचना-साहित्य का अद्वितीय रत्न है। इसमें पद्माकर का जीवन-वृतांत, उनके ग्रंथों का आलोचनात्मक परिचय, उनकी काव्य-साधना की मीमांसा. और अंत में उनकी सरस सूक्तियों का संग्रह दिया गया है। इसकी लेखन-शैली हिंदी के लिए सर्वथा नवीन है। आलोचना जैसे नीरस विषय को भी इतने प्रभावोत्पादक रूप में लिखा गया है कि काव्य से भी अधिक सरस और उपन्यास से भी अधिक आनंदप्रद बन गया है। साथ ही तुलनात्मक पद्धति के अनुसरण से ग्रंथ बहुत ही पांडित्यपूर्ण एवं ज्ञानवर्धक हो गया है। साहित्य के विद्यार्थियों के लिये विशेष उपयोगी है। अनेक साहित्य-महारथियों ने इसकी मुक्त कंठ से प्रशंसा की है। मूल्य सजिल्द पुस्तक का १।।।) मात्र।

मिलने का पताः—साहित्य-सेवा सदन, काशी।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

पुस्तक मिलने का पता:—

पं० मन्नू जी औदीच्य मृदङ्गाचार्य,

किशुनदास मकुन्ददास,

बरतन के व्यापारी,

गोपालमन्दिर, बनारस सिटी।

बी. के. शास्त्री द्वारा ज्योतिष प्रकाश प्रेस, विश्वेश्वरगंज,
बनारस सिटी में मुद्रित। ६५७

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

श्रीः

ताल-दीपिका

[तबला प्रकरण]

चतुर्थ भाग

अथ नील सरस्वत्याः ध्यानम्

माणिक्य वीणा मुपलालयन्तीं मन्दालसां मंजुल वाग्विलासाम् ।
माहेन्द्र नीलद्युति कोमलांगि मातंग कन्यां मनसा स्मरामि ॥
स रि ग म प ध नि स ता न्तां वीणा संक्रान्त चारु हस्तां ताम् ।
नीलाब्ज स्थित मृदुलां कुचभरतान्तां सरस्वतीं वन्दे ॥

लेखक—

मन्नू जी मृदङ्गाचार्य,

गोपाल मन्दिर, चौखम्भा, बनारस ।

पुस्तक का सर्वाधिकार लेखक के आधीन है।

प्रथमावृत्ति १०००] सन् १९५२ [मूल्य ४) रु०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

दो शब्द

श्रीयुत रमावल्लभ मिश्र (बरेली) तथा श्रीयुत रामकृपालु गुप्त (पीलीभीत), इन लोगों के उत्साह से मैंने 'ताल दीपका' के चतुर्थ भाग को प्रकाशित किया। मिश्र जी का अथक परिश्रम सराहनीय है। भूतपूर्व, जैसे गुरुकुल में रहके गुरु शिष्य का शुद्धःस्नेह और मर्यादा का पालन करते हुए शिक्षा प्राप्त होती थी, उसी प्रकार आपने नियम को निबाहा। अब 'ताल दीपिका' के पञ्चम और षष्ठम भाग के प्रकाशन का भार जनता के ऊपर है। आज से सौ वर्ष पूर्व नृत्य-कला की कौशलता की क्रिया का विशेष स्पष्टीकरण और ११—१३—१५ मात्रा इत्यादि के ताल के बोलों का विवेचन पञ्चम व षष्ठम भागों में किया जायगा!

श्री मन्नू जी

मृदंगाचार्य

बनारस।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

भूमिका

संगीत से मानव जीवन का ही नहीं अपितु प्राणी मात्र का आत्मिक सम्बन्ध है। गाना और रोना सब ही को आता है किसी को कम और किसी को ज्यादा। कोई शास्त्रीय संगीत पसन्द करता है और कोई निम्नस्तर के फिल्मी गाने। परन्तु संगीत लगता सबको अच्छा है। यदि किसी को शास्त्रीय संगीत नहीं रुचता तो यह संगीत की कमी नहीं है, वरन् उस व्यक्ति की रुचि उचित वातावरण और शिक्षा के अभाव से परिष्कृत नहीं हुई है, ऐसी बात है। जिस प्रकार उच्चकोटि की कविता, चित्रकला अथवा शिल्प कला सभी जन साधारण के लिए सुगम नहीं होती है ठीक उसी प्रकार उच्चकोटि का शास्त्रीय संगीत सभी के लिए सुगम नहीं है। क्योंकि उसके लिए जो परिष्कृत कलामय वातावरण चाहिए उसका हमारे देश में एक शताब्दी से अभाव रहा है। संगीत केवल गायिकाओं के कोठे तक सीमित होगया था। सभ्य जनता यथा सम्भव उससे दूर ही रही। साहित्य में जिन कवियों का चोटी पर स्थान है उनके गेय पद भी गाने पर लोगों को नहीं रुचते थे। उनकी मांग ग़ज़ल और क़व्वाली तक ही सीमित थी परन्तु समय ने करवट बदली देश के दो त्यागी महानुभावों श्री विष्णु दिगम्बर जी तथा भारतखण्डे जी ने भगीरथ परिश्रम करके संगीत को उच्च आसन पर बिठाया। संगीत का जो ज्ञान कुछ व्यक्तियों तक ही सीमित था उसको पुस्तक का रूप देकर रागाध्याय को जनता के सामने रख दिया। परन्तु काम इतने से नहीं चला। संगीत तीन चीजों से बना है गान, वाद्य और नृत्य। स्वराध्याय का काम तो चल गया परन्तु ताल और लय का वह विषय जो संगीत का व्याकरण है और जिसके बिना स्वर का कोई रूप ही नहीं बन सकता वह अभी तक अगम्य था। उसपर कुछ हिन्दू कत्थकों और मुसलमान तबला बजाने वालों का अधिकार था। एक तो ताल, लय का कोई रूप लिखना ही कठिन और फिर इसके ज्ञाताओं के लिए काला अक्षर भैंस बराबर। ऐसे समय में श्रीयुत परम पूज्य आचार्य मन्नू जी ने देश के संगीत के प्रेमियों के लिए इसका बीड़ा उठाया। आप भारत

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain. Digitizagtion by eGangotri

प्रसिद्ध श्री कुदऊसिंह जी की शिष्य परम्परा में से हैं। गान तथा मृदंग का पूर्ण ज्ञान करने के बाद आपने तबला सीखा और भारतवर्ष भर में घूमकर तबले के सभी प्रसिद्ध घरानों के बाज का सम्यक अध्ययन किया आपने करीब ३० वर्षों तक तबले के विभिन्न बाजों का संकलन किया है। आपके उदार हृदय को संगीत के आचार्यों की कृपणता से सदा दुख रहा है। आप हिन्दू विश्वविद्यालय में संगीत कालेज के मृदंग और तबला विभाग में प्रोफेसर थे। वहाँ पर विद्यार्थियों को जिस उदारता से आपने शिक्षा दी है वह सराहनीय है। उसी भावना से आज से २२ वर्ष पूर्व आपने 'ताल दीपिका' पोथी लिखी जिससे विद्यार्थी स्वयं उसको पढ़कर तबला सुगमता से सीख सकें। इसके पिछले तीन भागों में बहुत सुन्दर विषय दिया है। अब उस पोथी का चतुर्थ भाग छपकर आया है। मैं समझता हूँ कि ताल के वह गम्भीर विषय जिनको तबले के बड़े २ उस्ताद भी नहीं जानते थे उनको इसमें लिखकर आपने संगीत और देश की बड़ी सेवा की है। विशेषतया यह पोथी विश्वविद्यालय की तबले विषय की परीक्षा देने वाले विद्यार्थियों के लिए बहुत उपयोगी सिद्ध होगी। ताल के विषय में कर्नाटक तथा उत्तरीय पद्धति की विवेचना करनेवाली ऐसी कोई पुस्तक नहीं थी। यह पोथी देश के संगीत की अमूल्य निधि साबित होगी।

जिन एक बोल अथवा पेशकार के लिए पेशेवर उस्ताद लोग हजारों रुपया चाटने के बाद बतलाने में कृपणता करते हैं। ऐसे सैकड़ों बोल सभी घरानों के इस पोथी में दिए हैं। दिल्ली, पंजाब, बनारस, लखनऊ सभी बाज इसमें दिए गए हैं। नाच, स्तुति तथा तन्त्रकारों का अलग बाज लिखकर तो लेखक ने जिज्ञासु के लिये बहुत सामिग्री दी है।

मैंने भी हिन्दू विश्वविद्यालय में रहकर आप से ही संगीत का ज्ञान प्राप्त किया है। इसकी भूमिका मैं क्या लिखूं, मेरा ज्ञान ही क्या परन्तु गुरुदेव की आज्ञा! इस पोथी के (प्रूफ) संशोधन का कार्य भी मुझे सौंपा था। अतएव इसकी त्रुटियों का पूरा उत्तरदायित्व मेरा है और पाठकगण मेरे अज्ञान को क्षमा करेंगे।

आलमगीरीगंज बरेली। रमावल्लभ मिश्र

मकर संक्रान्ति २००९

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

: विषय-सूची :

नं०	विषय	पृष्ठ
१	दो-शब्द	१
२	भूमिका	२
३	तबले के निर्माण का इतिहास	५
४	ताल मीमांसा यति, कला आदि का भेद, कई प्रकार के छन्द उदाहरण सहित	६
५	कर्णाटक पद्धति के प्रचलित तालों का विवेचन	२३
६	आदि वर्ण, विभिन्न प्रकार के वाज, गत, बोल, परन, पेशकार बांट लग्गी, पल्लू आदि की परिभाषा उदाहरण सहित	३०
७	तबले के कायदे द्वितीय प्रकार	३७
८	कई नये तालों के ठेके	४१
९	त्रिताल के ठेके के प्रकार	४३
१०	त्रिताल—अदीख की उठान, आदि परन, बोल, फरद, चारबाग गत, टुकड़े, पेशकार, अंगुश्ताने, लग्गी;पेंच, रवाव परन तार परन आदि	४४
११	नाचनेवालों का इतिहास, नृत्य के ठेके, स्तुति, संगीत, बोल, परमलु, स्तोत्र आदि	६५
१२	एक ताल—अदीख की परन, चौपल्ली गत, घे, ता, धा, वर्जित बोल, स्तुति, चक्करदार पल्लू वेदम, पेशकार	७८
१३	झपताल—उठान बोल, गत, झपताल, एक ताल सवारी त्रिताल, सबमें एक साथ वजनेवाला बोल, चक्रदार गत, टुकड़े, पल्लू के बोल, पेशकार ठेके के प्रकार सवाई, डेढ़ी पौने दूनी लय के	८३
१४	धमार—उठान, परमलु, बोल, लय के प्रबन्ध के बोल, चक्करदार टुकड़े, पेशकार हर मात्रा से सम तक की तिहाई, मात्रा के अर्धांश की तिहाई का विवेचन, ठेके की दून, तिगुन, चौगुन	९२
१५	दादरा—बोल, लग्गी	१०४
१६	कर्णाटक पद्धति के तालों के ठेके [जो भूल से २७ पेज पर नहीं छपे]	"

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

तबला के निर्माण का इतिहास

तबला यह शब्द उर्दू न हिन्दी और न संस्कृत का है। यह शब्द अरबी के तबल से बना है। १६ वीं शताब्दी में मीर खुसरू ने मृदंग को दो, हिस्सों में बाँट कर तबला के रूप में परिवर्तन किया। मुसलमानी सभ्यता के समय गणिकाओं के गायन का अधिक प्रचार था। उनके साथ मृदंग और सारंगी बजा करती थीं। खड़े होकर के गायन वा नृत्य करने के समय मृदंग को गले में लटका अथवा बाँधकर बजाने में असुविधा होने के कारण तबले का निर्माण किया है। तार यन्त्र और कुछ तालों का भी निर्माण किया जैसे बीणा की नकल सितार, झपताला, धमार, दीपचन्दी इत्यादि ताल की रचना की जैसा तबले का रूप है वैसे ही शब्द बनाते हुए, मृदंग के कुछ शब्दों को लेते हुए तबले में शब्द निकालने की रीति की रचना की। जिसमें टाँकी के शब्द बजाने में सुविधा हो।

उदाहरण:—

१   १ . २   ३
धिना, तिरकिट, तिना, तिरकिट, इत्यादि। धिनाद्धा तिरकिट घिन् तिरकिट धिना

४   ५   ६   ७   ८
ऽद्धा तिरकिट तिनात्ना तिरकिट धिन् तिरकिट धिना ऽद्धा तिरकिट।

ऐसे शब्द को लय के साथ बाँध कर क्रिया करने को बाँट कहते हैं। और भी कई प्रकार के शब्द को लयके साथ बाँधते हुए पेशकारा, लग्गी, अंगुस्ताना और गत इत्यादि और स्याही पर भी शब्द निकालने की क्रिया इसी प्रकार की गई है। उदाहरण:—धातिर किट, तक तूना, तातिर किट, तक तूना। इस प्रकार के शब्द की रचना तबले में मध्य, द्रुत लय में भी सरलता के साथ निकल सकती है। किन्तु इस प्रकार रचना किये हुए शब्द मृदंग में मध्य, लय में भी निकलना कठिन हो जाता है।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

कला विवेचन

ध्रुव का, सर्पिणी, कृष्णा, पद्मनी च विसर्जिता ।
विक्षिप्तका, पताका, च कला स्यात्पतिताष्टमो ॥
स शब्दा, तु ध्रुवा, ज्ञेया सर्पिणी वाम गामिनी ।
कृष्णा, दक्षिण तो गन्त्रो पद्मनी सा दधो गता ॥
विंसर्जिता, बहिर्याता विक्षिप्ता कुञ्च नात्मिका ।
पताका, तूर्ध्व गमना त्पतिता कर पात नात् ॥
ध्रुव पाते प्रयोज्यास्ता नावा पाद्रौ कदा चनौ ।
लघौ तु ध्रुवका ज्ञेया ध्रुवका पतिता गुरौ ॥
ध्रुव का सर्पिणी कृष्णा स्तिस्त्र एताः प्लुत मताः ।
तत्र मार्ग प्रभेदेन कला भेदान्प्रचक्ष्महे ॥

इस प्रकार संगीतज्ञ विद्वानों ने कला के ८ भेद कहे हैं उनके नाम ध्रुवका, सर्पिणी कृष्णा, पद्मनी, विसर्जिता, विक्षिप्तका, पताका और पतिता ये सब कलायें शाब्दिक कला के अन्तंगत प्रयोग में लाई जाती हैं। शब्द के साथ ध्रुवका, कला, बाँयी ओर चलने वाली सर्पिणी, दाहिनी ओर जाने वाली कृष्णा तथा नीचे को जाने वाली पद्मनी. बाहर की ओर जाने वाली विसर्जिता कला कहलाती है। हाथों को सिकोड़ने से होने वाली कला विक्षिप्ता, ऊपर जाने वाली पताका और हाथ के गिराने से पतिता कला होती है।

सूचना—क्रिया की निपुणता को कला कहते हैं।

इन सब कलाओं का प्रयोग सर्वदा ध्रुव पद अर्थात् शाब्दिक क्रिया में हुआ करता है। निःशाब्दिक क्रिया के आवाप इत्यादि चारों भेदों में शब्द नहीं होता। ध्रुव का कला लघु (।) में ध्रुव का और पतिता गुरु (S) में तथा ध्रुव का सर्पिणी, और कृष्णा ये तीनों कलायें प्लुत में S̀ होती हैं अब यहाँ मार्गीय भेदों से कला के भेदों को कहता हूँ।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

तदर्धार्ध प्रभेदेन शास्त्रतः सम्प्रदायतः ।
ध्रुवका पतिता चित्रे वार्तिके त्वा दिमे उभे ॥

ध्रुवत्येकैव ध्रुव का कला के भेद शास्त्र और संगीत कला की क्रिया दोनों के मतानुसार क्रम मे आधे आधे हैं। अर्थात् ध्रुव, का, के आधे तौल के समान सर्पिणी, सर्पिणी, की आर्धा क्रिष्णा, इसी प्रकार क्रम से अन्य कलाओं की तौल कही गई है। विशेषतः कलाओं का प्रयोग नृत्य कला की क्रिया में अधिक स्पष्ट होता है।

सूचना आवाप, अर्थात् एक समय में एक क्रिया को छोड़ना और दूसरी क्रिया को पकड़ना संस्कृत भाषा के साहित्य में आवाप कहते हैं।

लय त्रिभाग

क्रिया नंतर विश्रांतीर्लयः स त्रिविधो मतः ।
द्रुतो मध्यो विलंवश्च द्रुतः शीघ्र तमो मतः ॥
द्विगुण द्विगुणौ ज्ञेयौ तस्मान्मध्य विलंवितौ ।
मार्ग भेदाश्चिर क्षिप्र मध्य भावैर नेकधा ॥

क्रिया के आरम्भ होने के पश्चात् होने वाली विश्रांति (ठहराव) को लय कहते हैं। लय तीन प्रकार की मानी गई है द्रुत (जल्द) मध्य, न बहुत धीरे न जल्द, और विलम्बित, (धीरे) दूसरा प्रकार, द्रुत, लय शीघ्र होने वाली क्रिया को कहते हैं। मध्य, लय द्रुत लय से दूनी विश्रांत वाली क्रिया को कहते हैं। विलम्बित, लय, मध्य लय से दूने विश्रांति वाली क्रिया को कहते हैं। इन भेदों मे एक मात्रा के भीतर भी द्रुत, मध्य और विलम्बित लय काल के अन्तर गत होसकता है। उपरोक्त क्रम के अनुसार मार्ग भेदों से भी लय, चिर क्षिप्र और मध्य भावों से कई प्रकार की होती है। जैसे दक्षिण मार्ग में चिर भाव, (स्थाई)-चित्र मार्ग में क्षिप्र भाव, (जल्दी) और वार्तिक मार्ग--में (मध्य) न बहुत जल्दी न धीरे भाव, कालके अनुसार मात्रा प्रमाण से – होंगी। विश्रान्ति काल के एक ही समान रूप रहने पर भी उन २ क्रियाओं द्वारा निदर्शित जैसे मार्ग भेदों से लय के भी भेद होसकते हैं। इसी प्रकार यदि भेद किये जायें तो द्रुत में भी द्रुत मध्य, द्रुत विलम्बित, मध्य मध्य, विलम्बित

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मध्य, विलम्बित मध्य, विलम्बित द्रुत इत्यादि अनेक भाग होते जायेंगे किन्तु इनका उपयोग संगीत में अनुपकारी होने से इन से काम नहीं लिया जाता। केवल अक्षर पद और वाक्य में द्रुत, मध्य और विलम्बित लय संगीत के लिये स्पष्ट उपयोगी मानी गई है।

यति वर्णन

लय प्रवृति नियमो यति रित्य भिधीयते ।
समा, श्रोतो वहा चैव मृदंगा च पिपीलिका ॥
गोपुच्छा, चेति विबुधैर्यतिः पञ्च विधो दिता ।

यति लय की प्रवर्ति अर्थात् चाल क्रम (गति) के नियम को कहते हैं। यति, पांच प्रकार की मानी गई है। समा, श्रोतो वहा, मृदंगा पिपीलिका, और गोपुच्छा।

आदि मध्या बसानेषु लयै कत्वे समा त्रिधा ।

आदि मध्य और अन्त इन भेदों से समा, यति भी तीन प्रकार की होती है। आरम्भ, बीच, और अन्त, तीनों स्थानों पर बराबर एकही की लय होना यही समा, यति, का रूप है। समा, यति, का सूक्ष्म रूप आरम्भ।, बीच।, और अन्त।, तीनों स्थान पर गति समान हो।

+ ० ।
१ (आदि) २ ३ ४ ५ (मध्य) ६
समा, यति का स्थूल रूप, धागेतिट धागेतिट तागतिट तागेतिट धागेतिट क्रिटधागे

।
७ ८ ९ १० (अन्त) ११ १२ १ २ ३
तिटकिट तागेतिट क्रिटत गे, तिटक्रिट गदिगनधा (धा, धा, धा,)

चिर मध्य द्रुत लयैर्युक्ता स्रोतो वहा मता ।
अन्या त्रिलव मध्याभ्यां मध्य द्रुत वतो परा ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

श्रोतोवहा जो क्रम से आदि में विलम्बित लय, बीच में मध्य लय औ। अंत में द्रुत लयहो उसे श्रोतो

(आदि) (मध्य) (अन्त) १(आदि) २

वहा कहते हैं। श्रोतो वहा, का सूक्ष्म रूप ऽ, ऽऽ, ।।।, स्थूल रूप-धाकिट तकिटत,

३ ४ (मध्य) ५ ६ ७ ८ (अन्त)

धाकिट, धाकिटत क धुमकिट धुमकिट तक, धुमकिट तक धा किटधुम किटतक, तकिटतका

९ १० १ २ ३

किट तक् गदिगन धा, किटतक् गदिगन्धा किटतक् गदिगन् धा। धा, किट, धा धा धा धा,

सूचना – कुछ संगीतज्ञ विद्वानों का मत है कि स्रोतोवहा में बीच की लय विलम्बित, आदि में मध्य, लय और अन्त में द्रुत लय हो श्रोतोवहा कहते।

(मध्य) (विलम्बित) (द्रुत) १ (आदि) २ (मध्य)

सूक्ष्म रूप–ऽ, ऽ, ।, श्रोतोवहा का स्थूल रूप-धातिरकिटतक, कतघेन,

३ अन्त) ४

किटतकधा किटतकधा किटतकधा।

मृदंगा, तु द्रुता धन्ता, मध्ये मध्य लयान्विता ।
तथै वान्या द्रुता धन्ता; ज्ञेया मध्ये विलम्बिता ॥

" मृदंगा आदि और अन्त में द्रुत, लय, बीच में मध्य, लय कुछ अन्य विद्वानों के मतानुसार आदि अन्त में द्रुत लय और बीच में विलम्बित लय।

१ (आदि) २ ३(मध्य) ४

मृदंगा पहली, स्थूल रूप—धा तिरकिट धिरकिट तक् तिरकिट धा, दिन्दिन् तिट तिट

५ (अन्त) ६ १ (आदि)

कातिरकिट तिरकट धिरकिट तक् धा। मृदंगा दूसरी—तिरकिटतक् धिरकिटतक् तिरकिट

२ ३ ४ (मध्य) ५ ६ ७ (अन्त) ८

धिरधिरकिटतक् धातिरकिटतक्, धा, धा, तू, ना कत्तिरक् धा, कत्तिर किटतकधा,

९

कत्तिरकिट तक् धा।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मृदंगा तीसरी, मध्य, और आदि में द्रुत, लय अन्त में विलम्बित लय इस प्रकार मदंगा के तीन भेद हैं।

१ (आदि) २ (मध्य) ३ (अन्त)
स्थूल रूप—किटद्रक् गदिगनधाकिटतक्, गदिगनधा किटनक् गदिगन, धागेतिट,
४ ५ ६
तागेतिट, क्रिड़धातिट, गदिगन।

पिपीलिका गती अर्थात चीटी की चाल

पिपीलिकातुकथिता, मध्यंद्रुत विलम्बिता ।
अद्यन्तमध्याचैवान्या, प्रोक्तामध्येद्रुतान्विता ॥
मध्ये मध्यान्विता द्यन्त, विलम्बित लयापरा ।

जो लय आदि अन्त में विलम्वित और बीच में द्रुत लय रहती है। उसे पिपीलिका कहते हैं। ऐसी ही कल्पना करके कोई लोग (कुछ विद्वान्) आदि अन्त में मध्य लय और बीच में द्रुत लय तथा कोई लोग आदि अन्त में मध्य लय और बीच में विलम्बित लय मानते हैं।

१ (आदि) २ ३ (मध्य) ४ ५
पिपीलिक पहली —धातिरकिटतक, ताऽऽ, धिन्तरान्धातुनाकन, कतिटधा, ऽनतिट,

१ (आदि) २ ३ ४ ५ (मध्य), ६ ७
पिपीलिका दूसरी—धागे तिट, तागे तिट, धगेनधकिटधागे, तिटकिट किटतक, किट
(अन्त)
८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १ (आदि) २ ३
तक धाऽ किट तक धाऽ किट तक धाऽ। पिपीलका तीसरी—किट तक ताऽ, किटतक
(मध्य) (अन्त)
४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
ताऽ, धा ऽ दिन् ता, क द्धाति द्धाऽ क द्धाति द्धाऽ क द्धाति द्धा।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सूचना—समा यति अर्थात् जहां पर जल का प्रवाह स्थिर गति के साथ बहता हो समा यति कहते हैं। श्रोतो वहा जैसे झरने का प्रवाह, मृदंगा मृदंग के आकार के समान पिपीलिका चीटी के गति के सदृश और गोपुच्छा अर्थात् गऊ के पुच्छ के समान हैं और भी अनेक प्रकार की यति यथा लय की गति होती है, उनका विवेचन आगे किया गया है

यति, वर्णन

मध्या रम्भा विलम्बान्ता, गोपुच्छातु यतिर्मता ।

गोपुच्छा, जो गति मध्य, लय से आरम्भ होकर क्रमशः विलंबित लय होती जावे ऐसी गति को गोपुच्छा यति, कहते हैं।

१(आदि) २ ३ ४ ५ ६
गोपुच्छा, पहली, स्थूल रूप—धाकिट तकिटत काकिट धुमकिट तकिटत काकिट
(अन्त)
७(मध्य) ८ ९ १० ११ १२
दिन ऽ, ता ऽ ऽ धा

गोपुच्छा दूसरी—द्रुत मध्य विलम्बैस्याग्दोपुच्छा, द्रुत मध्यभाक् ।

गोपुच्छा, दूसरी, और तीसरी, जो लय की गति क्रमशः द्रुत, मध्य, और विलम्बित, होती जावे उसे भी गोपुच्छा कहते हैं, अथवा, आरम्भ में द्रुत, और मध्य, लय की गति, क्रमशः होनी जावे उसे भी गोपुच्छा कहते हैं।

(अन्त)
१ (आदि) २ (मध्य) ३ ४ ५
गोपुच्छा, दूसरी, स्थूल रूप—धिनतिरकिटतकता, कतघेन नागेतिट, धादिन्
६ ७
ता धा
१ २ ३ ४
गोपुच्छा, तीसरी, (स्थूलरूप)—कत्तिर किट तकधा, घेघेतिट धागेतिट, गदिगन
५
नागेतिट ।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

दूनी, यति—मात्रा द्वै गुण्य गत्या श्चेत् ।
द्रुत मित्य मिधीयते ॥

सूचना—मात्रा जब डबल गति के साथ होती है अर्थात् स्थान स्थाई ही रहता है । किन्तु मात्रा की गणना डबल होती है ऐसी गति को द्रुत (दूनी लय कहते हैं)

"ताल चौताला के दूनी लय का बोल

+		०		|		०	
१	२	३	४	५	६	७	८
धागेतिट	धागेतिट	तागेतिट	तागेतिट	किड़धाकिट	धागेतिट	गाद्गिन	नागेतिट

|		|		+
९	१०	११	१२	१
कतिटत	गेनधा	किटतगे	नधान	धा

सवाई, यति—चतुर्थांश श्चैक मात्रा मिलिता यति मास्थिता ।
लयस्य विकृति जाता सपादैक उदाहृता ॥

मात्रा और मात्रा का चौथाई हिस्सा दोनों मिलकर जो गति, होती है उसे सवाई लय कहते हैं ।

ताल चौताला के सवाई लय की गति का (स्थूल रूप)—धा तक तिट क्रिट

+			०		|		०			|	|		
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५
धा	तक	तिट	क्रिट	तक	तिट	किट	तक	धा	दिन्	तग	तिट	क्रिट	तक	धा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ताल चौताला के सवाई लय का बोल

+	०	|	०	|	|	+
१						१
धातकदिन्	तककिट	तकदिन	तातिटकत	किटतक	दिऽन्	कत धा

डेढ़ी यति—मात्रैक मात्रार्धांशश्च मिलिता गति मास्थिता ।
लयस्य विकृतिः ख्याहा मात्राश्चैकार्ध्द ईरिता ।।

मात्रा और मात्रा का आधा हिस्सा मिलकर जो गति होती है उसे डेढ़ी लय, (यति) कहते हैं ।

एषात्वा भास युक्ताश्चेन्त्तदावै सर्पिणी भवेत् ।

यही एकार्ध अर्थात एक और आधी मात्रा के साथ जब लय की गति सर्प के चाल सदृश्य होती है, तब इसे आड़ी लय, कहते हैं और त्रीतीय, झूलना भी कहते हैं ।

ताल चौताला के डेढी लय का बोल

+	०	|	०	|	|	+
१	३	५	७	९	११	१
धागे नागेतिट	कतिट धादिन्ता	किड़धा किड़धा	दिन्ता कतिटधानधा	दिन्ताकतिटत	गेनकातिरकिट	धा

ताल चौताला के, आड़ी लय का बोल

+	०	|	०	|	|	+
१	३	५	७	९	११	१
धान धिकिट	तकिट थुकिट	कतिट तगेन	कातिरकिटधी	किटकतिट	कतकिड़ धान	धानधा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

पौने दूनी; यति=मात्रा श्चैकोन पदांशा सहिता गति—मास्थिता, ।
यतिर्लय, समा योगात् एको नांशान्भि—ईरिता ॥

मात्रा और मात्रा का पौन हिस्सा मिलकर जो गति होती है। उसको ऊनांश कहते हैं अर्थात, पौने दूनी—लय कहते हैं।

"ताल चौताला के पौने दूनी लय का बोल"

+		०	|		०	|
९		३	५	६	७	९
धाकिट	ताकिटत्त	काकिट	किटतकधुम	किटतकि	टतकाकिटकिट	ताकिटत

|	+
११	१
कातिटगादिगन	धा।

छन्द भुजंग प्रयात

यचौं मैं प्रभुते यही हाथ जोरी।
फिरै आप-ते न कबौं बुध्दि मोरी॥
भुजंग प्रयातो पमो चित्त जाको।
जुरै ना कदा भूल कै संग ताको॥

"बोल तिताला ताल का छन्द भुजंग प्रयात"

+				|				०				|
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३
कृधान	कतृत	धान	ताक्र	गान	कतृत	धान	धाक्र	धान	कतत	धाक्र	धान	कतृत

			+
१४	१५	१६	१
धाक्र	धान	कतृत	धा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

झूलना, छन्द तीन प्रकार का

झूलना, गीतिका, गीतांगी, गीता और अन्य नाम बैताल भी कहते हैं। झूलना प्रथम और गीता का एक रूप है गीतिका और गीतांगी का एक रूप है। प्रथम, झूलना, का सूक्ष्म रूप (ऽ।)

स्थूल रूपः—मुनि राम गुनि, बान युत गल,
झूलन प्रथम मति मान ।
हरि सम विभु, पावन परम ,
जन हिय वसत, रति जान ॥

ताल तिताले में, प्रथम झूलना और गीता का बोल

\+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
केति कति टधा ऽकि | टक तिट तागे | नागे तधा ऽत धा तधा ऽतधा

\+
१५ १६ १
तधा ऽत धा

गीतिका और गीतांगी का सूक्ष्म रूप (।ऽ)

स्थूल रूप—रत्न रवि कल धार कैलग, अन्त रचिये गीतिका ।
क्यों विसारे श्याम सुन्दर, यह धरी अन रीतिका ॥

ताल तिताले में गीतिका और गीतांगी का बोल

\+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
केतिंट कतकिटतक | कतिट धाक द्धान | धावा तगेन किटधिट | कतिट धाक

\+
११ १२ १३ १४ १५ १६ १
द्धाक | तिट धाक द्धाक तिट धाक द्धा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

द्वितीय झूलना

सैंतिस यगंत यति, दोष दष दोष मुनि ।
जान रचिये द्वितीय, झूलना को ॥

आठ मात्रा के तिताला ताल में द्वितीय झूलना का बोल

+ १	२	३	४	० ५	६	७	८	+ ९
कातिरकिटधा	ऽनकिट	तिटकतिटधान	कतिट	ताऽनधिट	तिटधगे	नधा	तिरकिटधा	

तृतीय झूलना

तीन दस झूलना अन्त मुनि झूलना दोय पद तीसरो भेद भायो ।
राम भजु बावरे राम भजु बावरे राम के नाम को वेद गायो ॥

तिताला ताल में तृतीय झूलना का बोल

+ १	२	३	४	। ५	६	७	८	० ९	१०	११	१२
धान	घातिट	कतिट	तगन	नातिट	तगेन	कतिट	घातिट	घानित	धान	कतिट	तान

। १३	१४	१५	१६	+ १७
घिकिट	धान	तान	धान	धा

अश्व गति छंद

आटीक, सेन्दु परिघोटी पदाति जुषि वाटी, सुरक्षति जुषां !

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ताल तेवरा में अश्व गति छंद का बोल दूनकी लय में

धानधाकि ड़धादिन्ता कदि धकिटनकि टतकिटधा दिन्ताकिड़धा, किड़धा दिन्ता

कतिटधान धा

शिखरिणी छंद

यदा पूर्वो ह्रस्वः कमल नयने; पष्ठक परा।
स्ततो वर्ण पञ्च प्रकृति सुकुमारांगि लघवः॥

त्रयोन्ये चोपान्त्याः सुतनु जघना भोग सुभगे।
रसै रुद्रैर्यस्या भवति विरतिः सा शिखरिणी॥

ताल तिताला, बोल शिखरिणी छंद में

कतिटधा किटनागे ता तकिटधि किटकिट तिटकता ऽकतित् तातिट किटता

कतिटधि किटतक धाकति टधिकिट तकधा कतिटधि किटतक धा

सूचना—घनाक्षरी छन्द तीन प्रकार का है और मनहर छन्द भी इसीके एक रूपान्तर को कहते हैं।

छंद मनहर

आठो याम जोग राग, गुरु पद अनुराग, भक्ति रस प्याय मन हर लेत हैं।

ताल तिताला, आठ मात्रा, बोल मनहर छंद

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

+ | ० | + |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ १ २ ३ ४
कतिटधा ऽन तिट घेन तिट तिट तिट कातिरकिटधा ऽन घेने
० | +
५ ६ ७ ८ १
तिट किट तिट तिट धा

घनाक्षरी छंद

सुंदर सुजान पर मंद मुसकान पर, बाँसुरी की तान पर ठौरन ठगी रहे।
मूरति विशाल पर, कंचन सी माल पर, हंसन सी चाल पर खोरन खगी रहे॥

ताल तिताला आठ मात्रा का बोल घनाक्षरी छंद का

+ | ० | + |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ १ २ ३ ४
कातिर किटधा, ऽन तिट, तिट कुधा, तिट धिट, कुधा तिट, धा।
० | +
५ ६ ७ ८ १
तिट धा, कुधा तिट, धा

रूप घनाक्षरी छंद

म राम लोक नाम है अनूप रूप घन अक्षरी है भक्ति भव सिंधु हर जाल।

ाल तिताला ८ मात्रा का बोल रूप घनाक्षरी छंद

+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
कातिर किटधा, तिट किड़धा, तिट कत, कातिर किटतक
| ० | +
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ १
गे तिट, कत कत, कातिर किटतक, तागे तिट, धा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

देव घनाच्चरी छंद

राम योग भक्ति मेव जानि जपें महा देव
घन अक्षरी सो उठे दामिनी दमकि दमकि

देव घनाच्चरीं छंद में ८ मात्रा के तिताले का बोल

\+ १ २ | ३ ४ ० ५ ६ | ७ ८
गेदिनवा ,विटकिट, तागे नागे ,विटकता ,का तिरकिटधा ,ऽनतिट ,किटगदि ,नागेदिन

छंद दण्डक

तेवरा, मत्तभविक्रीड़ित और अन्य नामसुनि शेखर भी कहते हैं—
सुमरीना मयि लागती विलसति, मत्तभविक्रीड़िता ।
मति ओछी जस भारती तस रहैं भारावहा पीड़िता ॥

छंद तेवरा वा दण्डिका का बोल ताल तिताला

\+ १ २ऽ३ ऽ४ | ५ ६ ७ऽ ८ ० ९ १० ऽ११ ऽ१२ | १३ऽ १४
धा ने धागे दिन्ता, कत कु घानी धानी तागेन तागे दिन्ता, कत कु

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

दूनकी लय में छन्द तेवरा

+ |
१   २   ३   ४   ५   ६   ७   ८
धाकि   टतकधुमतिर   किटतकधाकि   टतक   धुमतिरकिटतक

० | +
९   १०   ११   १२   १३   १४   १५   १६   १   २
ताकिटतक   धुमतिर   किटतक   धाक्टितक   धुमतिर   किटतक   धाकिट   तकधुम

| ०
५   ४   ५   ६   ७   ८   ९   १०   ११
किटतकि   टतका   किटतक   धुमतिर   किटतक   धाकिट   तकधुम   किटतकि   टतका

     | +
१२   १३   १४   १५   १६   १
धुमतिर   किटतक   धाकिट   तकधा   किटतक   धा

गण्डका

ताल चामरध्वजं पयोधरं च कुण्डलं शरंविधाय ।
नूपुरं च नायकं सपक्षिराज गन्ध चामरंनिधाय ॥
रूपमन्त्यगं विधेहि वर्णिता च पन्नगेन्द्र पिंगलेन ।
गंडका कवीन्द्र मण्डलो विनोदकारिणी सुमंगलेन ॥

बोल ठेका एक ताला

           + |
१०   ११   १२   १   २   ३   ४   ५   ६   ७
धान   धाविट   कतिट   नातिट   गेनेना   नातिट   कतिट   ता   कतिट   तानता

| +
८   ९   १०   ११   १२   १
धाकृति   टतान   ताधाक्   विटता   नता   धा

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

चम्पकमाला वा कहरवा छंद कहते हैं

तन्वि गुरू स्यादाद्य चतुर्थं पंचमषष्ठं चान्त्यमुपान्त्यम्र ।
इंद्रियबाणै यंत्र विरामः सा कमनीया चम्पकमाला ॥

बोल ठेका, एक ताला

\+ |
१ कतिटता २ ऽनकिट ३ कातिरकिटधि ४ किटधिट ५ घगेना ६ ऽनतिट ७ नगेनता

| +
८ ऽनधा ९ दिन्न १० दिन्न तिटतिट ११ धाकत १२ धाकत १ धा

चर्चरी वा झपताला छंद

हारयुक्त सुवर्ण कुण्डलपाणि शङ्ख विराजिता ।
पाद नूपुरसंगता सुपयोधर द्वयभूषिता ॥
शोभिता वलयेन पन्नगराज पिंगल वर्णिता ।
चर्चरी तरुणी बचेतसि चाकसीति सुसंगता ॥

बोल ठेका एक ताला

\+ |
१ धागेतिट २ धागेतिट ३ किटतागे ४ तिटधागे ५ तिटकिट ६ घगेनध ७ किटकिट ८ ताघगेन

| +
९ धकिट १० किटता ११ घगेनध १२ किटकिट १ ता

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

प्रस्तार-नियम

न्यस्याल्प माद्यान्महतो धस्ताच्छेषं यथोपरि ।
प्रागूने वाम संस्थास्तु संभवे महतो लिखेत् ॥
अल्पान संभवे तालपूर्त्यै भूयोप्ययं विधिः ।
सर्वाएव वधिरा लेख्यः प्रस्तारो यं द्रुते लघौ ॥
गुरौप्लुते समस्ते च व्यस्ते व्यस्ते त्वणो नसः ।
एवं तालस्य विबुधैर्दश प्राणा निरूपिताः ॥

जिस किसी ताल का प्रस्तार (रूप) लिखना हो उसका पहिले छोटा से छोटा रूप लिखे अर्थात् पहिले कहे हुए तालों के अंग में छोटा से छोटा स्थूल रूप अणु (‿) का ही माना गया है, जो एक मात्रा का चतुर्थ हिस्सा होता है। उससे आरम्भ करे। पश्चात् क्रम से बड़ा-बड़ा रूप, अर्थात् लघु (।) गुरु (ऽ) प्लुतादि (ऽ̍) का रूप निर्माण करते हुए कोई भी ताल के प्रस्तार का रूप निश्चित कर सकना है।

यदि इस क्रम के अनुसार ताल पूर्ति होने में कुछ बाकी रह जावे तो ताल के अंगों में से बड़े रूप को अर्थात् लघु गुरु प्लुतादि से लिखना आरम्भ करे। फिर भी ताल का प्रस्तार बनाना असम्भव मालूम पड़ता हो तो अणु (‿) द्रुतादि (०) को रखते हुए ताल का प्रस्तार निश्चित करे।

प्रस्तार का दूसरा प्रकार

जिस ताल का प्रस्तार लिखना हो उसकी मात्राओं को गिने और अणु मान कर लिखे। ताल के अनुसार क्रमशः लघु, गुरु और प्लुत रखता जाय। इस प्रकार लघु, गुरु और प्लुत के प्रस्तार की विधि है। चाहे ऊपर लिखे हुए ताल का एक ही अंग लेकर हो अथवा इन एक के साथ ताल का दूसरा अंग भी मिलकर प्रस्तार होता है। किन्तु एक अणु या एक

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

द्रुत में होना असम्भव है। यदि एक लघु का प्रस्तार लिखना हो तो पहिले एक लघु लिखे पश्चात् अणु, द्रुत इत्यादि लिखना जाय। ऐसा करने पर यदि प्रस्तार असम्भव जान पड़े तो उक्त ताल के अवयवानुसार भाव लेकर लिखता जाय। इसी प्रकार गुरु और प्लुत इत्यादि की क्रिया होती है।

उदाहरणार्थ मान लो चौताल का प्रस्तार लिखना है और ताल के अंग में सबसे छोटा रूप अणु होता है। अतएव चौताल में १२ अणु हुए, चौताल में पहला और दूसरा ताल ४ अणु का तीसरा और चौथा ताल दो अणु का है, अतः इसका प्रस्तार इस प्रकार लिखा जायगा।

पहला,	४ अणु	=	१ लघु	।	}	यह चिन्ह उपरोक्त परिभाषा के अनुसार एक के पश्चात् एक लिखे जाँयगे।
दूसर,	४ ,,	=	१ लघु	।		
तीसरा,	२ ,,	=	१ द्रुत	०		
चौथा,	२ ,,	=	१ द्रुत	०		

इस प्रकार ताल के अंग में से बड़ा रूप लेकर छोटे रूप को संग रखते हुए चौताल का प्रस्तार रूप बना हैं।

चौताल का प्रस्तार रूप—लघु २, द्रुत २, ।।००

दूसरा प्रकार—ताल के अंग में से केवल एक ही बड़ा रूप लेकर, सदानन्दः, एक ताल का रूप बना है। जिममें तीन मात्रा मानी जाती हैं। एक ताल, वा सदानन्दः ताल में, एक लघु है वो त्रस्य जाती का माना जाता है और इसमें ताल एक ही है। सदानन्दः, एक ताल, का प्रस्तार, रूप, लघु ।,

कर्णाटक देश के प्रचलित तालों का प्रस्तार

सूचना—रूप और उनका स्थूल रूप का निर्माण किया है मैं प्रमाण सहित।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ध्रूवो, मठ्यो, रूपकं, च झंपा, त्रिपुट, एव च ।
अटताले, क ताले च सप्त तालाः प्रकीर्तिताः ॥
(इन्हीं तालों के दूसरे नाम)
इन्द्रनीलो, महावज्रो, निर्दोषः सीर, कोकिलः ।
आवर्तकः सदानन्दः, इत्येषां लक्ष्म कथ्यते ॥

ताल के अंग में बड़ा रूप अर्थात् लघु (।) को लेकर इन हर एक ताल के ५-५ ताल बने हैं । लघु, त्रस्य, जाति यथा तीन मात्रा चतुरस्य ४ मात्रा. खण्ड ५ मात्रा, मिश्र ७ मात्रा, संकीर्ण ९ मात्रा, ताल के अंग में लघु एक अंग है, जो क्र्या परत्व इन भिन्न-भिन्न मात्राओं का हुआ करता है । ऊपर लिखे हुए तालों का प्रस्तर रूप, ध्रूव, इन्द्रनील, मठ्य, महावज्र, रूपक, निर्दोषः

झम्पा,	सीर,	। ०,
त्रिपुट,	कोकिल	। ० ०,
अट,	आवर्तः	।। ० ०,
एक,	सदानन्दः	।,
ध्रूव,	इन्द्रनील	। ० ।।
मठ्य,	महावज्र	। ० ।
रूपक,	निर्दोष	० ।

इंद्रनील वा ध्रूव ताल ११ मात्रा

+	०		।		।			।	◌	
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११
धा	दिन्	ता	धेत्	ता	दिन्	तिट	क्टि	धा	क	द्धा

ध्रूव ताल १४ मात्रा

+		०		।		।		०		।			
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४
धा	तिट	धा	दिन्	ता	धा	तिट	किट	दिन्	ता	धेत्	तिट	गदि	गन

इंद्रनील ताल ताल १७ मात्रा

+			०				।					।			०	
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७
धा	धा	धा	क	द्धा	ता	तिट	किट	धा	कत	किट	तिट	कत	दिन्	ता	तिट	धा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ध्रुव ताल २३ मात्रा

+ ०	|	| ०	|	|
१ २ ३ ४ ५ ६ ७	८ ९	१० ११ १२ १३ १४ १५ १६	१७ १८ १९ २०	२१ २२ २३
धा क्रिट धा दिन् ता क द्धा	दिन ता	तिट कत गदि गन दिन ता तिट	कत किट तागे नागे	तिट दिन् ता

ध्रुव ताल २९ मात्रा

+ ०	|	|	०	| ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०	११	१२ १३ १४ १५ १६	१७ १८ १९ २०	२१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९
धा तिद्धा दिन तिट धा किट तक दिन ता	तिट	धागे नागे दिग तागे तिट	कन गेन तिट ता	धा गे तिट ता गे तिट दिन तागे धागे

मह्वज् वा मठ्य, ताल ८ मात्रा

+ ०	|	| ०
१ २ ३	४ ५	६ ७ ८
धा दिन ता	तिट कत	किट तक दिन

मठ्य, ताल १० मात्रा

+ ०	|	| ०
१ २ ३ ४	५ ६	७ ८ ९ १०
धा किट धा गे	दिन ता	तिट कत गदि गन

मठ्य ताल १६ मात्रा

+ ०	|	| ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७	८ ९	१० ११ १२ १३ १४ १५ १६
धा तिट तिट कत गेन धागे तिट	किट धिट	तागे नत किट तक दिन ता तिंट

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

महावज्र् ताल १२ मात्रा

+			०		|		|		०		
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
धा	धा	दिन	दिन	ता	ऽ	तिट	कत	गेन	तिट	किट	तक

महवज्र् ताल २० मात्रा

+						०			|		|					०			
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०
धा	ऽ	तिट	धा	दिन	ता	तिट	कत	दिग	नागे	तागे	धागे	नागे	किट	ता	तिट	गेन	धिट	किट	तक

निर्दोष व रूपक ताल ५ मा०

+		|		
१	२	३	४	५
धा	किट	ता	तिट	ता

रूपक ताल ६ मात्रा

+		|		०	
१	२	३	४	५	६
धा	तिट	धा	दिन्	ता	तिट

रूपक ताल ७ मात्रा

+		|			०	
१	२	३	४	५	६	७
धा	ति	द्धा	तिट	धा	दिन्	ता

रूपक ताल ९ मात्रा

+		|						०
१	२	३	४	५	६	७	८	९
धा	तक	धा	तिट	धा	किट	तक	धा	दिन्

रूपक ताल ११ मा०

+		|					०			
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११
धा	कत	किट	तक	दिन्	ता	तिट	किट	कत	किट	ता

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सोर व झम्पा ताल ६ मा.

+		०	।	।	
१	२	३	४	५	६
धा	किट	गेन	किट	तक	ता

झम्पा ताल ७ मा.

+		०		।	।	
१	२	३	४	५	६	७
धा	गे	न	ता	तिट	किट	तक

झम्पा ताल ८ मा.

+			०		।	।	
१	२	३	४	५	६	७	८
धा	ता	किंट	तक	गदि	गन	ता	किट

झम्पा ताल १० मा.

+					०		।	।	
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०
धा	ऽ	दिन	ता	ऽ	तिट	धा	तिट	कत	गदि

झम्पा ताल १२ मा०

+									।	।	
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
धा	धा	तिट	धा	दिन्	ता	तिट	कत	गेन	तिट	कत	गदि

त्रिपुट व कोकिल ताल ७ मा.

+					।	
१	२	३	४	५	६	७
धा	दिन्	ता	तिट	कत	गदि	गन

त्रिपुट ताल ८ मा०

+		०		।		।	
१	२	३	४	५	६	७	८
धा	तिट	ता	किट	तिट	कत	गदि	गन

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

त्रिपुट ताल ९ मात्रा ।

+			०		|		|	
१	२	३	४	५	६	७	८	९
धा	तिट	क्रिट	तक	दिन्	ता	तिट	किट	तक

त्रिपुट ताल ११ मात्रा ।

+				०			|		|	
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११
धा	गेन	तिट	कत	गेन	किट	तक	धा	ति	द्धा	तिट

त्रिपुट ताल १३ मात्रा

+						०			|			
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३
धा	धेन	ता	धेन	ना	किट	तिट	कन	धेन	ता	किट	तक	ता

अट, वा आवर्तः ताल १० मात्रा

+			|			|		|	
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०
धा	धेत्	ता	तिट	गेन	ता	क्रिट	धिट	तिट	कत

अट ताल, १२ मात्रा

+		०		|		०		|		|	
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
धा	धा	दिन	ता	किट	धा	दिन्	ना	तिट	कत	किट	तक

अट ताल, १४ मात्रा .

+			०					०		|		|	
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४
धा	ऽ	द्धा	गे	दिन्	ता	तिट	धा	दिन्	ता	तिट	कत	गदि	गन

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अट ताल, १८ मात्रा

+				०			|			०				|		|	
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८
धा	धा	तिट	धा	तिट	कत	धेन	ता	किट	तक	गदि	गन	तिट	ता	गेन	तिट	धिट	ता

अट ताल २२ मात्रा

+						०			|							०	
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८
धा	धा	गे	तिट	ता	धा	गे	तिट	किट	तक	धिट	तिट	गेन	तिट	किट	तक	धेत्	ता

|		|	
१९	२०	२१	२२
तिट	कत	गदि	गन

एक वा सदानन्द; ताल, ३ मात्रा

+		
१	२	३
धा	दिन्	ता

एक ताल ४ मा०

+			
१	२	३	४
धा	किट	धा	दिन्

एक ताल ५ मा०

+		०		
१	२	३	४	५
धा	धेन	ता	तिट	किट

एक ताल ७ मा०

+			०			
१	२	३	४	५	६	७
धा	तिट	धा	दिन्	ता	तिट	कत

एक ताल ९ मा०

+								
१	२	३	४	५	६	७	८	९
धा	तिट	धा	दिन्	ता	ता	गे	धा	दिन्

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

तबले के आदि वर्णों का निर्माणः—(मृदंग के ही आदि वर्णों का अनुसरण किया गया है) •तबले का रूप तथा उस पर सुविधानुसार निकालने का ध्यान रखते हुए तबले के आदि वर्णों का निर्माण किया गया है ।

"धा, ना, ता, क, तिं, ट्टे, ग, दे, तत, धि, यह दस वर्ण तबले के आदि वर्ण हैं इनके अतिरिक्त दो और वर्ण भी हैं जिनका प्रयोग अधिकतर नाच के बाज में होता है यह हैं "थो" और "ल्हा"। इनके अलावा जो शब्द तबले में बजाए जाते हैं उनका आविष्कार इन आदि वर्णों से ही हुआ है जैसे तु थों से, घिं ग से, र ट्टे से आदि ।

पाठकों के ज्ञान के लिए हम यहां मृदंग के वर्णों के बारे में भी कुछ लिखते हैं ।

मृदंग के आदि वर्णों का विवेचन

दक्षिणन्तु मितं साधै रेका दश भिरंगुलैः ।
पाटाश्च तद्धि थों टें हें नं दे मित्यत्र कीर्तिताः ।।

त, त, धि, थों, टे, हे, नं, दे यह अक्षर दाहिने ओर से निकलते हैं इन्हीं को पाटाक्षर कहते हैं और इनको आदि वर्ण भी कहते हैं ।

"पाटा नन्यत्रभवन्ते"
इह स्यु पट होक्ताश्च वर्णा षोड़ष का दयाः ।।

त, ट, ल्हा, द, ध, ला, क और ग यह अक्षर बाएँ ओर से निकलते हैं इस प्रकार यह १६ वर्ण कहे गए हैं ।

किन्तु मृदंग में भी १००० वर्ष के लगभग से ही कि बाएँ पर आटा लगाया जाता है अतएव अब केवल ग और का ही निकलता है । शेष यह वर्ण बाएँ पर खरन (स्याही) लगाने से ही निकलते हैं (त; ट, ल्हा, द, ध, ला) इसका प्रमाण अभी भी उपस्थित है कि मिथिला में मृदंग का परिवाचिक नाम मुरज है । मुरज के बाएँ ओर खरन

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ही लगाई जाती है और वह काष्ट (लंकड़ी) का ही होता है, गट्टे उसमें चतुष्कोंण (चौंखूँटे) लगते हैं।

तबले में वाज पाँच प्रकार का होता है (१) टाँकी का (२) स्याही का (३) टाँकी स्याही मिला हुआ (४) स्याही का काम भी टाँकी पर ही करना (५) स्याही का बन्द काम अर्थात् "मूँदी"।

(१) व (४) दिल्ली बाज के नाम से प्रसिद्ध हैं।

(२) व (३) बनारस के नाम से प्रसिद्ध है।

पंजाब की गत प्रसिद्ध है जो झूलना को बन्दिश से सम्बन्ध रखती है और इसे गत पंजाबी भी कहा करते हैं। इसमें प्रायः टाँकी व स्याही का बाज (खुला) मिला हुआ रहता है दिल्ली में स्याही पर भी जो काम होता है वह बन्द होता है जिसे मूंदी कहते है। स्याही पर खुले बाज को खुली कहते हैं। दिल्ली में अंगुश्ताना, पेंच, पेश्कार, गत लड़ी बजते हैं। प्रायः दिल्ली का बाज इन बातों से प्रसिद्ध है।

बनारस में बाँट, स्याही के खुले हुए बोल, टुकड़े, गत, परन इत्यादि बजते हैं। कत्थक नृत्य के साथ भी बनारस का ही काम व्यवहार में लाया जाता है यही कारण है कि बनारस के लोग ही प्रायः नृत्य की अच्छी संगत करते हुए देखे गए हैं।

देहली और बनारस के बीच में होने के कारण लखनऊ, बरेली, रामपुर, मेरठ इत्यादि में देहली और बनारस दोनों का मिला जुला बाज बजता है। इधर लग्गी, पेश्कारा, गत, टुकड़ा, पल्लू इत्यादि विख्यात हैं।

सूचना—जिस प्रकार के बोल जिस जगह प्रधान रूप से व्यवहार में लाए जाते हैं उसके परिचय का हेतु लेकर विवेचन कर दिया गया है इसका यह अभिप्राय नहीं कि दूसरी जगह वह व्यवहार में नहीं लाए जाते या वहाँ के विद्वान नहीं जानते।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

तिहाई, मोहरा, गत, बाँट, बोल, परन, टुकड़ा इत्यादि की परिभाषा का विवेचन

तिहाई

कुछ अक्षरों के नियत शब्दों को तीन बार क्रिया करके सम पर आने को तिहाई कहते हैं। यथा:—तिट कत गदि गन धा तिट कत गदि गन धा तिट कत गदि गन धा।

मोहरा

लय की गति के साथ जिन शब्दों की भी क्रिया आरम्भ करके पुनः सम के साथ मिलाते हैं ऐसी क्रिया को मोहरा कहते हैं, किन्तु गाने में स्थाई जिसे कहते हैं चाहे ख्याल अथवा धुरपद की हो जिन शब्दों से आरम्भ करते हैं उन्हीं शब्दों को लेकर पुनः सम पर आते हैं ऐसी क्रिया को मोहरा कहते हैं परन्तु ताल अध्याय में बोल आरम्भ करके पुनः कोई भी शब्द लगाकर सम पर आने को मोहरा कहते हैं।

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
यथा:—धागे न धा तिट धिट तरान क ऽ धी ऽ ऽ थुं ऽ न् त धा

बोल

जिन शब्दों की गति स्याही के शब्दों से अधिक सम्बन्ध रखते हुए कुछ दूरी का लेते हुए एक सी अथवा भिन्न प्रकार की चाल व शब्दों का परिवर्तन करते हुए लय के साथ तिहाई के साथ या बिना तिहाई के सम पर आवे ऐसे शब्दों की रचना को बोल कहते हैं।

१ २ ३ ४ ५ ६ ७
यथा:—धागेतिट धागेतिट तागेतिट तागेतिट क्धाकिट क्धाकिट धिंतिरकिट तक
८ ९ १० ११ १२ १
तागेतिट धतगे ऽ न्न क्रतत धेत्ता गदिगन धा।

परन

तबले में तबले के आदि वर्णों अथवा और अक्षरों को लेते हुए क्रिया करने को परन कहते हैं। परन प्रायः बड़ी बन्दिश होती है।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
यथा:—धा तिट धाध। धिन गिन तूना कत्ता धादिंऽना गिन धिट तिट
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १२ १
धिरकिट गिगिऽना किट धातीं धा तूना तक तक तक धाधाधा

टुकड़ा

जिन शब्दों की गति की चाल खण्ड करती हुई सम से उठकर तिहाई देती हुई अथवा बिना तिहाई के सम पर आवे ऐसी क्रिया को टुकड़ा कहते हैं (चाहे वह गत बोल इत्यादि का हो) वही चीज आरम्भ से तीन या नौ बार कहन का चक्करदार टुकड़ा कहते हैं।

१ २ ३ ४ ५ ६ ६ ८ ९ १० ११ १२
यथा:--धातिर किटतक ता धा तिर किटतक ता धि त्ता धि त्त गि ऽना धा
१३ १४ १५ १६ १
तिरकिट तक ता ऽधा ऽ न धा।

पल्लू

जिन शब्दों की गति की चाल बिना खण्ड किए तीन बार कहकर सम पर आवे ऐसी क्रिया को पल्लू कहते हैं।

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
यथा:—धाधा धित्ता धित्ता तिटकत गदिगन धा तिटकत गदिगन धा तिटकत
११ १२
गदिगन धा

चौपल्ली

चौपल्ली दो प्रकार की होती है (१) बोल एक ही हों खण्ड उसके चार चार मालूम होते चले जाएं। (२) बोल एक ही हों मात्रा की गति ठा, दुगुन तिगुन चौगुन अथवा ठा दुगुन चौगुन हो।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
उदाहरण:—(१) धाकिट धाधिंता किड़धा धिन्तातक। कातिट धाधिन्ता किड़धा धिन्ताकत।
९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
किड़धा-धाधा-धाधा कतिट ताऽन। किड़ ता ता ता ता ता धाकिट धाऽन।

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११
(२) तिट कत गदि गन धा तिटकत गदिगन धा तिटकतगदिगनधा तिटकत
१२
गदिगन धा।

अंगुश्ताना

यह शब्द फारसी का है। जो शब्द उंगली से निकलने वाले टाँकी का वर्ताव करते हुए स्याही पर भी केवल उंगली से ही निकलते हैं ऐसी क्रिया को अंगुश्नाना कहते हैं।

यथा:—तृक धिन गिन धिन नादिन्ना धिन गिन धातिन् ऽ ताधिन गिन धिन् तधि नकधिन धागे नागे धिने गिन।

फरद अथवा एक्कड़

प्राचीन विद्वान प्राय: बन्दिशों की रचना जोड़ से करते थे। जिस बोल अथवा गत का जोड़ नहीं बनता था उसको फरद अथवा एक्कड़ कहते हैं।

गत

तबले के शब्दों की ऐसी बन्दिश जिसमें बहुत से शब्द प्रयोग किए जावें और कई प्रकार की लय का व्यवहार किया जावे। इसमें शब्दों की रचना पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है। कई लोग इसमें खाली और भरी का भी प्रयोग करते हैं अर्थात् एक बार धा का और दूसरी वार ता का प्रयोग करते हैं। गत में तिहाई प्राय: नहीं होती है। इसमें स्याही और टाँको दोनों प्रकार के अक्षरों का प्रयोग मिला हुआ होता है। गत पेश्कारे की भी होती है। उदाहरण आगे बहुत से हैं।

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
पेश्कारा गत यथा:—धा दी घिड़ नग ति त्ता गिन तिट धागिन—धागिन धा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

बाँट

तबले की थोड़े से शब्दों की बन्दिश जो स्याही और टाँकी पर लय परिवर्तित करते हुए बजाई जाती है। इसमें खाली भरी का प्रयोग होता है अर्थात् एक बार धा के साथ और एक बार ता के साथ बजाया जाता है।

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
यथाः—धीना ऽद्धा तिर किट धीना तिरकिट धीना ऽद्धा तिरकिट तीना ऽत्ता
११ १२ १३ १४ १५ १६
तिरकिट धिन तिरकिट धीना ऽद्धा तिरकिट।

पेंच

बाँट पेश्कार अथवा कायदे की बन्दिशों को अक्षर बदल बदल कर विभिन्न लयों में उनके बार बार बर्ताव करने को पेंच कहते हैं। पलटे में पेंचों के अक्षर भी बदलते हैं।

रेला

थोड़े से शब्दों की बार बार रुकते हुए कहने की चाल की क्रिया को रेला कहते हैं। इसमें प्रायः शब्दों का परिवर्तन नहीं होता।

१ २ ३ ४ ५
यथाः----धा तिरकिट तक धा तिरकिट तक धा तिरकिट तक तूना किटतक ता
६ ७ ८
तिरकिट तक ता तिरकिट तक धा तिरकिट तक तूना किट तक।

लड़ी

इसे घनाक्षरी छन्द भी कहते हैं। जिन शब्दों का रूप एक दूसरे से मिलते हुए लगातार चला जावे ऐसी क्रिया को लड़ी कहते हैं। यथा—

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
तकिट तकिट धिकिट धिकिट तकिट तकिट तक धिकिट धिकिट तक धिकिट
९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
तकिट तकिट धिकिट तक कत कत तक कत तक तक कत धाकत धाकत धा।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

लग्गी

लग्गी अर्थात् (बाँस) नीचे मोटा होता है ऊपर पतला होता चला जाता है इसी प्रकार जो भी शब्द एक से कुछ दूरी को लेते हुए आगे दूसरे छोटे शब्दों को रखते हुए अर्थात् पहिले की दूसरी से कम दूरी लेते हुए हों इस प्रकार के शब्दों के निर्माण की क्रिया को लग्गी कहते हैं।

दूसरा प्रकार—मध्य लय की गति को लेते हुए शब्दों की रचना को करते हुए द्रुत गति की चाल शब्दों को छोटा करते हुए क्रिया करने को लग्गी कहते हैं। उदाहरण—

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
लग्गी नं० (१) धींग किट तक ना तिरकिट तिरकिट तीना तित् तिरकिट तक धिर किट तक
१० ११ १२ १३ १४ १५
कत् तिरकिट तक धिर किट तक धा ऽ तिरकिट तक धिर किट तक धा ऽ
१६ १
तिरकिटतक धिरकिटतक धा

लग्गी न० (२) धागे ना धा तिरकिट धागे ना धा तिरकिट, धागेन धागेन धागे नागे धागेन धातीना तगेन तगेन धागे नागे धागेन 'धाधीना, धीक् धीना धिनगिन धागेन ताग् तीनाड़ा तीक् तीना तिन गिन धागेन धाग् धीनाड़ा, धीक् धीना धीक् धीना धीक् धीना नाधी धीना, तीक् तीना तीक् तीना तीक् तीना नाधी धीना,

उठान अथवा आमद

तबले के शब्दों की ऐसी रचना जिसमें तीन लयों का अर्थात् बराबर दून और चौगुन का व्यवहार करके सम पर एक दम आया जाता है। इसमें प्राय: तिहाई नहीं होती है। तबले में लहरे के साथ अथवा संगत करने के समय प्रारम्भ में आमद बजाई जाती है। कहीं २ तिया लगा कर भी आते हैं किन्तु तिया की भी गति का परिणाम भाजन इस परिभाषा के ही अनुसार होना चाहिये।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

क़ायदा तबला

द्वितीय प्रकार से बजाने की रीति

(ठेका धीमा तिताला) मात्रा १६ ताल ३

	+				।				०				।			
	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
१—	धा	धा	ते	टे	धा	धा	तू	ना	ता	ता	ते	टे	धा	धा	धी	ना

	+				।				०				।			
	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
२—	धा	धा	ते	ट्टे	धा	धा	तु	न्ना	ता	ता	ते	ट्टे	धा	धा	धि	न्ना

	+				।				०				।			
	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
३—	धा	धा	तिर	किट	धा	धा	तु	न्ना	ता	ता	तिर	किट	धा	धा	धि	न्ना

	+				।				०					
	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४
४—	धागे	तिट	धागे	तिट	धागे	नागे	तुन्ना	कत्ता	तागे	तिट	तागे	तिट	धागे	नागे

१५	५६
धिन्ना	कत्ता

	+				।				०			
	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
५—	धागे	तिरकिट	धागे	तिरकिट	धागे	नागे	तिरकिट	धिन्ना	तागे	तिरकिट	तागे	तिरकिट

१३	१४	१५	१६
तागे	नागे	तिरकिट	तिन्ना

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

\+ | ०

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२

६—धागे नधा तिरकिट धागे नधा तिरकिट तुन्ना तिटतक तागे नता तिरकिट तागे

|

१३ १४ १५ १६

नता तिरकिट धिन्ना किटतक

नोट—इन कायदों के भीतर 'ता' और 'धा' दोनों टांकी पर निकलेंगे। तिन्ना और धिन्ना तर्जनी के अग्र भाग से स्याही पर निकलेंगे और तर्जनी के आरम्भिक भाग से टाँकी पर गिराते आघात करते हुए भी निकलते हैं।

\+ | ०

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०

७—तिरकिट तुन्ना किटतक तिरकिट तुन्ना किटतक धिन्ना किटतक तिरकिट तिन्ना

|

११ १२ १३ १४ १५ १६

किटतक तिरकिट तिन्ना किटतक धिन्ना किटतक

\+ |

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११

८—घेन किन्ना किटतक घेन किन्ना किटतक तुन्ना किटतिक केने किन्ना किटतक

|

१२ १३ १४ १५ १६

केने किन्ना किटतक तिन्ना किटतक

\+ | ०

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११

९—धातिरकिट तक धातिरकिट तक धातिरकिट तक तुन्ना किट तक तातिरकिट तक तातिर

|

१२ १३ १४ १५ १६

किट तक तातिरकिट तक धिन्नाकिट तक

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

\+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११
१०—धिन्ना तिन्ना किट्तक धिन्ना तिन्ना किटतक तुन्ना किटतक तिन्ना धिन्ना किटतक
|
१२ १३ १४ १५ १६
तिन्ना धिन्ना किटतक तिन्ना किटतक

\+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
११—धाधा तेटे कतिंऽत्ती ता ता धिन्ना ताता तेटे कति ऽ त्ती धा धा तिन्ना ०

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
१२—तिरकिट तक तिरकिट तक धिर धिर किट तक धा ऽ तिरकिट तक तित्त धिरकिट
|
१० ११ १२ १३ १४ १५ १६
तक धिरकिट तक तिरतिर किटतक ता ऽ धिरकिट तक धित्

\+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११
१३—धातिर किटतक धातिर किटतक तातिर किटतक तूना किटतक तातिर किटतक तातिर
|
१२ १३ १४ १५ १६
किटतक धातिर किटनक धीन्ना किटतक

\+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
१४—तड़न्न किटतक धिरधिर किटतक तिरकिट तक तिरकिट तक तिन् धड़न्न किटतक
|
११ १२ १३ १४ १५ १६
धिरधिर किटतक धिरकिट तक धिरकिट तकधिन्

\+ ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११
१५—धिन्ताऽन्धा तूना किटतक तिरकिटतक तिरकिटतक तित् धिन् नड़ाऽन्धा तूना
|
१२ १३ १४ १५ १६
किटतक धिरकिट तकधिर किटतक धित्

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

आड़ी लय

| ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३
१६—धग दीगन धग दीगन धातिरकिट घेतेटे घेनग दीगन तग त्तीगन तग तीगन तातिर-
१४ १५ १६
किट केतेटे केनग दीगन

\+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
१७—दिनतक तिनतक धातिर किटतक धिरधिर किटतक धातिर किटतक तिनतक तिनतक
|
११ १२ १३ १४ १५ १६
तातिर किटतक तिरतिर किटतक कातिर किटतक

\+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
१८—धातिट घेड़नग दिनतक धातिट घेड़नग दिनतक धातिर किटतक तातिट केड़नग।
|
११ १२ १३ १४ १५ १६
तिनतक तातिट किड़नग तिनतक तातिर किटतक

\+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
१९—तिरकिट तकतिर किटतक तिरकिट ताता तिरकिट धिरकिट धिन् धिरकिट तकधिर
|
११ १२ १३ १४ १५ १६
किटतक धिरकिट धाधा धिरकिट तिरकिट तिन्

\+ ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
२०—धातिर किड़धा तिट घेन घेड़ नागे तूना कत्ता तातिर किड़ता तिट केन केड़ नाग
१५ १६
धीना कत्ता

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

कोकिला, १७ मात्रा

+ ०	|	| ०	|	|	०
१ २ ३ ४	५ ६	७ ८ ९ १०	११ १२	१३ १४	१५ १६ १७
धा धेने नग धे	धेने नग	धेने नग तेने नग	तिट किट	तक गदि	गन धा दिन

आड़ा पन्न ताल, १५ मात्रा

+	| ०	|	|	|
१ २	३ ४ ५ ६	७ ८ ९ १०	११ १२ १३	१४ १५
धिन् तिरकिट	धिन्ना धिन् धिन्	धा धा तुन्ना	कत ती धि धी	नाधि धीना

वीर पंच ताल, २० मात्रा

| ०	|	| ०	|	| ०
१ २ ३ ४	५ ६ ७ ८	९ १० ११ १२	१३ १४ १५ १६	१७ १८ १९ २०
धा ऽ दिन् ता	तिट धा तिट कत	गदि गन दिन् ता	किट तक धिट तिट	गेन किट तक दिन्

शक्ति ताल, १० मात्रा

+	|	|	|	|
१ २	३ ४	५ ६	७ ८	९ १०
धा धा	देत तिट	किट तक	ता देत	थुन थुन

मोहन ताल, १२ मात्रा

+	| ०	| ०	| ०	| ०	| ०
१	२ ३	४ ५ ६	७ ८	९ १०	११ १२
धा	धा तागे	तिट कत् ता	तिट कत	गदि गन	तग धेत

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

जय मंगल ताल, १३ मात्रा

+ ०	| ०	| |	|	|	|	०	|	|	|
१ २	३ ४	५ ६	७	८	९	१०	११	१२	१३
धा धा	किड़धा	तिट कत	गेना	गेता	गेन	किड़	धा	दिन	ता

शंकर ताल, ११ मात्रा

+	| ०	|	|	| ०	|
१	२ ३	४	५	६ ७	८
धाकिट	तकथुन किटतक	धादिन	धाकिट	तादेत ताधा	तिटकिट

|	|	|
९	१०	११
धादिन	तकधा	दिन्ता

मदन ताल, ३ मात्रा

+	| ०
१	२ ३
धा	तिट कतं

पट ताल, २ मात्रा

+ ०
१ २
धातिट तकिट

लक्ष्मी ताल दूसरा, १८ मात्रा

+	|	| ०	|	|	| ०	|	|
१	२	३ ४	५	६	७ ८	९	१०
धा	दिन	ता तिट	ता	धा	किंट तक	धा	धेन

|	|	|	|	|	|	| ०
११	१२	१३	१४	१५	१६	१७ १८
ता	किट	धेत	ता	तिट	कत	गदिगन

वसन्त ताल, ९ मात्रा

+	|	|	|	०	|	०	|	०
१	२	३	४	५	६	७	८	९
धा	दिन	ता	धेत	ता	तिट	कत	किट	तक

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मत्त ताल, ९ मात्रा

+	०	|	|	०	|	|	|	०
१	२	३	४	५	६	७	८	९
धा	तिट	नागे	तिट	कत	किंट	तिट	कत	गेन

रास ताल, १३ मात्रा

+	०	|	|	०	|	|	|	०	|	०	|	०
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३
धा	दिन	ना	किंट	ता	धा	दित	धे	किट	तक	किंट	तक	दिन

ताल चौमा तिताला, के ठेके कई प्रकार से निकालने की रीती !

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
१ धा धिन् धिन् धा ऽ धिन् धिन् धा ऽ तिरकिट तिने ता ऽ धिन् धिन् धा।

\+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३
२ ऽ धिन् धिन् धा ऽ तिन् तिन् ता तिरकिट ना तिर किट धा तिरकिट धिन्धा
१४ १५ १६
ऽ तिन् धा ऽ धिन्

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
३ धा तिन् तिन् ता ऽ धिन् धिन् धा ऽ तिना कैने घेन तेटे नाते टेघा तिरकिट।

\+ ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५
४ तिन् तिन् ता ऽ धिन् धिन् धा ऽ तेने धेने तुना तिरकिट नातिर किटता तिरकिट
१६
धिरकिट तक थुन ।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३
५ ता धिन् धिन् ता ऽ धिन् धिन् नाना घेने तेने घेने नातिरकिटतिर किटधिरकिटतक्
१४ १५ १६
थुन् दिन ऽकत्ता धा।

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५
६ ना धिन् धिन् ना ऽ तिन् नाना तित किक् किंक् तित् ता तिरकिट नातिर किटधा
१६
तिरकट।

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
७ तिरकिट धिन् धिन् धा ऽ तिरकिट तिन् नाना तित् घेने तेटे तिरकिट धा तिर किटता
१५ १६
ऽदिन ऽन्ता।

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३
८ ना तिन् तिन् ना ऽ धिन् धिन् ना ऽ घेने गेने तिरकिट तकधिर किटतक् तिरकिट
१४ १५ १६
नातिरकिटतिर किटधिरकितक् थुन।

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
९ धा धिन् धिन् धाधा ता तिन् तिन् ताता तिरकिट धिना तिना तिरकिट धिना नातिर
१५ १६
किटधा तिरकिट॥

अदीख, को उठान, ताल तिताला

० | + |
९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५
तित् ता ऽ किक् केने तेटे किट नागे किट ता ऽतिरकिट तिरकिटतिरकिट धिरकिट,

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

० |
६ ७ ८ ९ १० १ १२ १३ १४
तकधिन कत् तिन् ऽ ऽ किटतक धा तकधिन्किटतिर किट धा धिन्नड़ातधा ऽतू

\+ |
१५ १६ १ ० ३ ४ ५ ६
ना किटतक तिरकिट तकधिर किटतकधा ऽ धिन् नड़ान् धा ऽ तूना किटतक तिरकिट

० |
७ ८ ९ १० ११ १२ १३
तकधिर किटतकधा ऽ धिन्नड़ान्धा ऽ तू नाकिटतक तिरकिटतकधिर किटतकधा

\+
१४ १५ १६ |
ऽ तिरकिटतक् धिरकटतक् धातिरकिट तक् धिरकिटतक् धा तिरकिटतक् धिरकिट तक् धा

तबले के आरम्भ को आदि परन ताल त्रिताला

\+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
धाधा तेट्टे धाधा तुन्ना धाधा तिरकिट धाधा तुन्ना तिरकिट तकतिर किटतक तुन्ना

| |
१३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६
धातिर किट तक धातिर किटतक धातिर किटतक तुन्ना किटतक धाधिड़ नगधा

० |
७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५
घिड़नग धागे तिट घिड़नग दिन तक धिरधिर किटतक धाधिड़ नगतिर किट तक

\+ | ०
१६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
धाधिड़ नगतिर किटतक धिर धिर किटतक धाधिड़ नगतिर किट तक गद्दी किटतक

| +
१० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३
तिरकिट तकतिर किटतक धातिट धागे धाधा तिट धागे तिटधा धाकिटधा धातुन्ना

| ० |
४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३
धातिर किट तक धाधा धाधिड़ नगदिन तक तक घड़ान धाधिड़ नगदिन तक तक

\+
१४ १५ १६ १
घड़ान दिन कत धिरधिर किटतक धा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

चार बाग, ताल धीमा तिताला

+								०		
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११
धिन्ना	किटतक	तध्डा	ऽनधा	तुन्ना	किटतक	घेड़नग	घाति	किटतक	घेड़नग	नगतिर

	|				+				|	
१२	१३	१४	१५	१६	१	२	३	४	५	६
किटतक	धीघेड़	नगधा	घेडनग	दिन्तक	तिरकिट	तकतिर	किटतक	तिरकिट	तिन्	ऽ

		०				|				+
७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१
ता	धा	ऽ	कत्	ऽ	ऽ	धड़	नग	तगे	ऽन्न	धा

फ़रद, ताल तिताला

+						
१	२	३	४	५	६	७
धागेनदिन	ऽन्नाकिट	धाता	ऽनधा	धाधाकिटतक	दिकिटतकघेड़	नगतिरकिटतक

	०			
८	९	१०	११	१२
कड़ानकिटतक	नगतिरकिटतक	तगतिरकिटतक	तिरकिटतकधिर	किटतकतिरकिट

|				+	
१३	१४	१५	१६	१	२
तकधिरकिटतक	धिरधिरकिटतक	धा	घेड़नग	तिरकिटतकधिर	किटतकतिरकिट

		|			
३	४	५	६	७	८
तकधिरकिटतक	धिरधिरकिटतक	धा	घेड़नग	तिरकिटतकधिर	किटतकतिरकिट

०				|	
९	१०	११	१२	१३	१४
तकधिरकिटतक	धिरधिरकिटतक	धा	घेड़नग	तिरकिटतकधिर	किटतकतिरकिट

		+
१५	१६	१
तकधिरकिटतक	धिरधिरकिटतक	धा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

बोल. ताल तिताल छन्द, चम्पकमाला वा कहरवा.

\+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
कुधाकिट घिटगदि गननागे तिटता कुतकधि किटक धिलांग ताकिड़ ताता कतकुधे

| + |
११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५
टेघिकिट कतघा दिगंड़ घागेतिट कतधेन तिरकिट तक तक्कधि किटक त्तादीं केड़नग

० |
६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५
धेतिटकि टधगेन नादेघेघे किटतक गदिगन धा धातिर किटतक दीधेनध किटतक

\+
१६ १ २ ३ ४
कतदिन, (दून की लय) तिरकिटतकधिर किटतकतिरकिट तकधिरकिटतक धाती

| ० |
५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३
धा ऽ तिरकिटतकधिर किटतकतिरकिट तकधिरकिटतक धाती धा ऽ तिरकिटतकधिर

\+
१४ १५ १६ १
किटतकतिरकिट तकधिरकिटतक धाती धा

जोड़ा

\+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
धाधुम तिरकिट तकतागे तेटकड़ा ऽनकिट तकतागे तेटकेड़ नागेतिर किटतागे तेटकेड़

| +
११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४
नागेदि त्ताधुम तेरकिट तकतागे तिटकड़ा ऽनकेट तकतागे तेटकेड़ नागेतिर किटतागे

| ० |
५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
तिटकिड़ नागेतिर केटधागे तेटकिट तकतागे तेटधुम केटकेट तकतागे तिटकेट तकतागें

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

+
१५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
तेटघेघे तेटघुम किटकिट तकतागे तेटकड़ा ऽनकेट तकतागे तेटतेर किटतक घादिन

० | +
९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४
धाघ़ा दित्ता किड़घा तड़धा दींगड़ धा कृधा दींगड़ घादिन ताकत कृधादींगड़ घादिन

| ० |
५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५
ता कत्तेटे घाकत कृधादींगड़ घादिन ता कत्तेटे घाकत कृधादींगड घादिन ता

+
१६ १
कत्तेटें घा

गत, छन्द कहरवा और चम्पक माला भी कहते हैं [ताल तिताला]

+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
धेना ऽधा ऽड़ धेन विट धड़ा ऽन दीं घिड़ नग ता कत कता ऽधा ऽन कत

+ | ० +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
दिन्न दी ऽन्न धा तड़ा ऽन कत कत धि त्ता कृधि नक् धे त्ता कड़ा ऽन् धेत् धग

| ० | +
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
नक धेत् धेत् कत कृधि ऽन्न धाति धाऽ नता ऽन दिग दि न्न' कृधा ति धा

जोड़ा

+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
कता ऽ ता ऽ न कन तिट कड़ा ऽ न वित् किड़ नक धा तिट केना ऽ ता ऽ न किट

+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
धी न्नधि ऽ न्न ता नरा ऽ न धा तक कत ता कृवि धेन कत् ता घड़ा ऽन्न् कत

+ | ० | +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
वागे नक तेत् तेत कत कधि ऽन्न नाति ताऽ नधा ऽन गिदि गि न्नक् धा ति द्धा

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri
Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

गत, बेढव, गति की दून की लय में ताल, तिताला,

+ १	२	३	४	। ५	६	७	८	० ९	१०
घेतिरकिट	धीकिट	के तागे	तातिरकिट	धीकिट	दीगेने	नागे	धगेन	धकिट	केतागे

११	१२	। १३	१४	१५	१६	+ १	२	३	४	५
नागेन	धाकिट	कतक्कु	धान	धेत्त	घेनेक	दीगेन	घेने	दिङ्ग	ऽगन घेतिरकिट	धीकिट

६	७	८	९	१०	११	१२	। १३	१४	१५	१६	+ १
कतक	धीकिट	कत्तो	टेकत	कतिरकिटतक	तगेन	धान	धातगे	नधान	धा तगेन	धान	धा

छन्द, दण्डिका, वा तेवरा ताल तिताला

+	।	०	।	३	।	
धानधाधि	त्ताक्कुधादित	तानताधित्	धाक्कुतातित्	धाऽधाऽतित	ताक्कुधातित्	तानतादित्

।	+	।	०	।
धानतानधा	दिततानतातित्	धानधाकत्	तानधाकत	धानधाकत

बोल सीधी, गति, का (दून की लय का) ताल तिताला

+ १	।	०	।	+	।
धिटधिटतागेतिट	धिटतगेन्नतिट	दिगेन्नेधादिन	धाकिटतकिटध	किटधिटतगेन्न	धाधिटतगेन्न

०	।	+
धाधिटतगेन्न	धाधिटतगेन्न	धा

गत ताल तिताला

+ १	२	३	४	। ५	६	७	८	० ९	१०	११	१२
धाधा	ऽनधा	किटतक	तिरकिट	गिदी	गन	नागे	तिट	घेड़नक	दिनतक	ताकिटत	किटतक

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

| + |
१३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७
घिरघिर किटतक ता घेड़कता घेड़नक ता घेड़नक ता घेड़नक ता धेत्ता

० | +
८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
गदिगिन धेत्ता गदिगिन धेत्ता गदिगिन धा तकिटत किटतक धिरघिर किटतक

| ० |
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३
ताघेड़ नकता घेड़नक ताघेड़ नकता घेड़नक ता धेत्ता गदिगन धेत्ता गदिगन धेत्ता

+ | ०
१४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
गदिगिन धा ताकिटत किटतक घिरघिर किटतक ता घेड़नक ता घेड़नक ता घेड़नक

÷
१० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
ता धेत्ता गदिगन धेत्ता गदिगन धेत्ता गदिगन धा

टुकड़ा, गत, का ताल त्रिताला १३ मात्रा से आरम्भ

÷ |
१३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७
घेन तिट नातिटता गेदि-नता कत् ऽथुं ऽधीं ऽके नाकिन्टतक् ता तिरकिटतक ताक ऽत्के

० +
८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
नाकिटतक् तातिर किटतक ताक ऽत्के ना किटतक् ता तर किटतक् ताक ऽत्के नाता धा

बोल, गीतांगी, छन्द का, वा गीतिका ताल तिताला ९ मात्रा से आरम्भ

० |
९ १९ ११ १२ १३ १४ १५ १६
धगेन धागे दिन् दीन्व नानाकिटतक तिरकिटतक तानथुंगा धाथुंगा किड़धा दिन्ता

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

\+ । ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
तकिटथुकिट घेनकतगदिगन धाघड़ान् धाधाघड़ान् धा ऽधिरकिट धाघड़ान् धाधाघड़ान् धा

। +
१० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
ऽधिरकिट धाघड़ान् धाधाघड़ान् धा धाधाघड़ान् धा धाधाघड़ान धा

बोल, प्रथम भूलना वा गीता, ताल तिताला

\+ । ० । +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
कुधा धिन् धा गेन धागे तिट तागे न धा धिर धिर किटतिक धा धा ऽक तिट धा कृत

। ० । +
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
क दिंग नक तिट धागे न तित् धा घेन क तत् धिर धिर किटतक तातिर किटतक धाग

। ०
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
(दून की लय). धाता किट तक तित् तगेन तक धिरधिरकिटतक् धाकुधा किटतक तितगेन

। +
१० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
तक धिरधिरकिटतक धाकुधा किटतक तितत गेनतक् धिरधिर किटतक् धाकु धा

जोड़ा

\+ । ० ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
धा कु धा तित् घेन क तक धिन धा तिर किट तक धा कत धा धागे न तित्

\+ । ० ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
क तिट घेन तिट धेन क दिन तक ति टकु धागे तिट धा गेन धिन तक

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

+ १ २ ३ ४ | ५ ६ ७ ८ ० ९

(दून की लय) धा घेनक तित् गिदिगन धा तधा कत धगेन धागे तित् धा गदिगन धा त

१० ११ १२ | १३ १४ १५ १६ | १

धा कत धगेन धागे तित् धा गदिगन धा तधा कत् धगेन धागे तित् धा

ताल तिताला बोल ९ मात्रा से आरम्भ

० ९ १० ११ १२ | १३ १४ १५ १६ + १

कत्तिट घेघे तिट कताऽक धित् धित् धिटतिट घेघे तिट गेधिगिन नगतिट कातिर किटधि

२ ३ ४ | ५ ६ ७ ८ ० ९ १० ११ ११ | १३

किटधागे तिटकिट गदिगन कुधद्धि किटधागे तिद्धा कुधान धाता ऽनधा ताधा किटधा धागेतिट

१४ १५ १६ + १ २ ३ ४ | ५ ६ ७ ८

गेधिगेन दिगनन किटतक धिकिट तगेनधागे तिटगेदि ऽतान धा नानाकिटतक् धकिटत गेनधागे

० ९ १० ११ १२ | १३ १४ १५ १६ + १

तिटगेदि ऽतान धा नानाकिटतक् धिकिटत गेनधागे तिटगेदि ऽतान धा

ताल, तिताला, क, ग, घ, धा, वर्जित बोल एक हत्थी

+ १ २ ३ ४ | ५ ६ ७ ८ ० ९ १० १२ १२ | १३ १४ १५ १६ + १ २ ३

तिट तिट नाते टेता ऽ तेनेता ऽते नेना तिट ता नरा ऽन तरा ऽन नातें टेता ऽते टेता ऽते

४ | ५ ६ ७ ८ ० ९ १० ११ १२ | १३ १४ १५ १६ + १

टेता नाते टेता ऽतेटे ता ऽते टेता नाते टेता ऽते टेता ऽते टेता ता

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

टुकड़ा, ताल, तिताल।

\+ |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
किट थुन नातेटता किटतिट कातिरकिटतक धिरधिरकिटतक घातिर किटतक गेदिन्ता नादिन्ता

० | +
९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
किटतागे तिरकिटतकता धागेनत गेनधति धातेटेता नातेटेता गेदिनता किटताग तिरकिटतकता

| ०
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
किटतिकधति घाक्ड़ान्घा ऽकद्धा ऽकऽत् तातिर किट ताकिटतक तिद्धा क्ड़ा ऽन्घाक ऽद्धाक

| +
११ १२ १३ १४ १५ १६ १
ऽत्ता तातिरकिटतक तकताकिटतक घा तिद्धा ऽक्ड़ान् घा ऽक द्धा

टुकड़ा, ताल, तिताला

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
धाकिट तकधुम किटतक नगतिर किटतक नगतित क्ड़ान कघा गेन धाग तिट धाग ना गेति

\+ | ० | |
१५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
टधा गेन धागे तिट घेनें धा ऽधा ऽत घा घेने धा ऽधा ऽत धा धेन धा ऽधा ऽत धा ॥

टुकड़ा

\+ | ० | +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २
धाते टेता तेटे धाक्र धाते टेधा क्रधा गेदि गेन ध क्र धा नक्र धातू नाक ऽत्त धाते टेता तेटे

| ० | +
३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
क्रधा ऽन धा कत्ता धाते टेधा क्रधा ऽन धा कत्ता धा तेटेधा क्रधा ऽन धा ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

बोल, ताल, तिताला

\+ । ० ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५
धागे तिट धागे नंधा कृधा ऽतु ना कृधा तुना ऽक्र धागे धाकिट तकधुम किटतक (किटतक
\+ । ० ।
१६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५
थुन् थुन् ऽ किटतक् थुं थुं नाते ढेता ऽधा दिन्ता क्रिड़धा दिन्ना कत्ते टेधा दिन्ता कत् तेटे
\+ । ० ।
१६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५
धादिन् ता किड़धे ऽद्धा दिन्ता घेने नाधा तुना घेने नाधी ऽकता नाधी ऽकता नाधी ऽकता धा)

नोट—इस बोलमें १५ मात्रा से ब्रेकेट के अन्दर के अक्षरदो बार और कहने से सम पर आता है

रवाब की परन १

\+ ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७
किटतकतड़धा किटतकतड़धा दिंगड़धाधा दिगंड़धादिन् धाकिटताकिट तक्रातकथुन दीं-
० ।
८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
गड़तकिटतकाकत्घेत्ताकधि द्धाकिड़ना ऽधित्तागदिगनघेनानगधेत ऽकिटतक तकिटतक्राधुमकिट
\+
१
तकगदिगनघा

[२]

\+ ।
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
किड़धेत्ता किड़धेत्ता किड़घादीगंड़ घातांगड़घा क्रिटतकताकिटतकाघाथुन दीगड़तकिटतका
० +
९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
घादिन् ताघातिद्धाकिड़ताऽघेत्ता किड़घेत्तघेतादिगंनऽनगधेत घुमकिटघाकिट तकदिगंड़कत द्धा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ताल, तिताला रबाब की परन

\+						
१	२	३	४	५	६	७

किटतकधेत्ता किटतकधेत्ता तड़धादिंगड़ धादिन्ताधा किटतकतकिटत काधादिन् धाकिट

८ ० ९ १० ११ १२ | १३ १४ १५

तकिटतकाकतनित ताकधि द्धाकिड़ता ऽ किड़धा किड़धेत तेनाकिटतक ऽ तिटकत कातिटकतातिट

\+
१६ १

किटघुमकिटतक धा

जोड़ा परन न० ४

\+ | ५

१ २ ३ ४ ५ ६ ७

धातिद्धा गेदिन्ता किड़धाकिटतक दींगड़ताधा घुमकिटनकिटतकाक्रिटतक धाक्रिटतकिटत

० |

८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६

काकिटतक ताकिटतकधाकिटतक ऽ तीधा गदिगनधेनाधिटकत् ऽ किटतक दिगंनकिटतक धाधिट

\+
१

किटतक धा

रबाब की छोटी, परने

\+ | ०

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२

किड़धेताऽनकिड़ तकधा ताधा किड़धेत् धेत्धेत् ताता ताता धाकिटधा ऽ नदीं गड़धा ऽता

| +

१३ १४ १५ १६ १

ऽ धा ऽ ता ऽ धा ऽता धा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

\+ + | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३
तगेन्न धा किड़धेत् ता किड़धा धातां गड़धा ताधा किटतका ऽ धान धाता ऽ नधा किड़धा
\+
१४ १५ १६ १
धा ऽ तक धातक धातक धा

\+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११
किड़धेत्त घेड़नग तकथुन ताता तकतक तकतक धाधा धाधा तकधिलां ऽ गक्रिट तकता
| +
१२ १३ १४ १५ १६ १
धेत्ता किड़धा ऽता ऽधा ऽधा धा

\+ + | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३
धावक धाता तकती कड़ान किड़धा ताधा कत्तदिग टकता धेत्तगे ऽन्नाधा ऽता ऽन्धा ऽ
\+
१४ १५ १६ १
धा ऽनधा ऽता ऽनता धा

अंगुश्ताना, ताल- तिताला

\+ | ० | + |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६
धा ऽ ते ट धा धा ते टे घेड़ नग दिन तक तग तिर किट तक ता ऽ किट तक ता क्रिट
० |
७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
तक तिरकिट तकतिर किटतक तकिट तकतिर किटतक धातिट घेड़नग दिनतक

अंगुश्ताना, ताल, तिताला

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
दीं किट तक दिन घेड़ नंग तूना कत्ता बग नधा तिरकिट धेन घेड़ नग तूना कन्ता

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

\+ | ० |

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६

तक धेन तक धेन तक धन तूना कत्ता। धगे नधा तिरकिट धेन घेड़ नग तूना कत्ता

जोड़ा

\+ | ० |

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६

ती केड़ नग धेन घेड़ नग तूना कत्ता तगे नता किटतक घेन घेड़ नक तिरकिट तकता

\+ | ० |

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६

कत घेन कत घेन कत घेन किटता तिरकिट तगे नता किटतक घेन कन गेन तूना कत्ता

[पेंच] ÷ ताल, तिताला

\+ | ० |

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३

धागे नधा तिरकिट धागे नधा तिरकिट धाधा तिरकिट धागे नधा तिरकिट तूना किट

\+ | ०

१४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०

तक तिरकिट तकता तिरकिट तागे नता तिरकिट तागे नता तिरकिट धाधा तिरकिट धागे नधा

|

११ १२ १३ १४ १५ १६

तिरकिट तूना किटतक तिरकिट तकता तिरकिट

\+ | ० |

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३

तागे नता किटतक तागे किटतक किटतक धाधा किटतक तागे नता किटतक धिन्ना किट

\+ | ०

१४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०

तक तिरकिट कतता तिरकिट धागे नधा किटतक धागे नधा किटतक ताता तिरकिट तगे नता

|

११ १२ १३ १४ १५ १६

तिरकिट धिन्ना किटतक तिरकिट कतता तिरकिट

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

वीणा के साथ, तार परने, ताल तिताला

```
+               |              ०                 |                +
१    २     ३ ४ ५  ६   ७   ८  ९  १०  ११ १२ १३ १४    १५ १६ १
धिन्‌तिर किटतक ता ऽ कत धिन्‌ नड़ा ऽन घेनतरा ऽन कत्‌ ता तिरकिट धा ऽता धा

+               |          ०                 |                +
१   २     ३ ४ ५  ६  ७  ८ ९  १०  ११  १२  १३ १४  १५ १६ १
धातिर किटतक ता ऽ कत घेन दिन्‌ ऽ धाक ऽद्धा ऽत्ता ऽत्ता धा ऽता धा ऽत्ता धा

±               !              ०                       |
१    २     ३ ४ ५  ६   ७  ८     ९    १०    ११     १२   १३  १४
कत्‌तिर किटतक धा ऽ किट घिन्‌ नरा ऽकिट तकधा तित्ता धाकिट तकधा तित्ता धाकिट

          +
१५    १६  १
तकधा  तित्ता धा

+              |             ०                     |
१   २     ३ ४ ५  ६   ७  ८    ९    १०    ११   १२   १३      १४    १५
घेतिर किटतक धा ऽ तिट नड़ा ऽन तिन्‌ नाते टेता नाते टेधा ऽकिट  तकता ऽक्टि

     +                 |                ०               |              +
१६   १    २    ३    ४  ५   ६  ७  ८   ९ १०   ११ १२ १३    १४ १५ १६ १
तकधा ऽकत ऽकिट तकति द्धा तिद्धा ऽतिद्धा तकति धा तिद्धा ऽतिं द्धा तकति द्धा तिद्धा ऽतिद्धा
```

लग्घी, ताल तिताला

```
+                              |
१      २            ३   ४     ५     ६           ७
घेनेनाना धिन्‌तिरकिटतक थुन्‌कऽतदिन्‌ऽन्ता किटतकधाति तिरकिटतक्‌घिरकिटतककत

        ०                          |                                  +
८       ९   १०  ११  १२           १३ १४            १५ १६            १
घिन्‌तरानधा ऽकऽत्‌ दिन्ता धाकत ऽ घिरकिटतकधा ऽ घिरकिटतक धा ऽघिरकिटेतक धा
```

लग्घी, ताल तिताला

```
+                              |
१        २          ३    ४      ५     ६      ७          ८
ऽघिरकिटतक घिन्‌नड़ान्‌धा कदिनता ऽदिन्‌ता ऽदिनता ऽदिनता धाधिननड़ानधा कदिन्‌ता
```

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

० | +
९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
ऽदिन्ता ऽदिन्ता ऽदिन्ता धाधिन्नड़ान्धा कदिन्ता ऽदिन्ता ऽदिनता ऽदिन्ता धा

लग्गी; ताल तिताला

+ |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
धिन्तरान्धा कतते टेता ऽकिटतक धा कद्दिन्नड़ान किटतकथुन कऽत्ता धा कत्तिर
| +
११ १२ १३ १४ १५ १६ १
किटतकधाक ऽत्धाऽता धाकत्तिरकिटतक धाकऽत्धा ऽताधा कत्तिरकिटतकधाक ऽत्धाऽता धा

लग्घी, ताल तिताला

+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
किट किन्ना नातिर किटतिर किटतक तिन्ना तिन् ऽ ऽ दिन् ऽ कत् थुन् किटतक
+
१५ १६ १
नतिर किटतक धा

+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
दिन् ऽ ऽ तिरकिट कत् तिरकिट नातिर किटथुऽन् कऽता धा केन नाते टे ताऽतिर किट
+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
तक थुन ऽ ऽ ऽक ऽत्ता तिरकिट नातिर किटतक धा तिरकिट नातिर किटतक धा तिरकिट
+
१५ १६ १
नातिर किटतक धा

+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
घेने विट नाते टेता ऽतिर कितेक दिन् ऽ ऽ कत ऽतिर किटतक धिरकिट धा ऽ कत

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

\+ | ० | +

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १

थुन तिना ऽतिर किटतक धा कत थुन तिना ऽतिर किटतक धा कत थुन तिना ऽतिर किटतक धा

पेश्कारा, गत, ताल तिताला

\+ | ० |

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४

धिन्धा ऽ धिन्धा धाधा तींग तिंदा कत्ता तींग तिंदा कत्ता तिरकिट घेन घेन धागे

\+ | ० |

१५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३

नधा तिरकिट धागे नधा तिरकिट धिना तींग तिंदा कत्ता तींग तिंदा कत्ता तिरकिट घेन घेन

१४, १५ १६

धागे नधा तिरकिट

जोड़ा

| ० |

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६

तिन्ता ऽतिनता ताता गेन केदि गिन्ता धीक धिन्ता कत्ता त्रक गेन तागे तागे नता त्रक

\+ | ० |

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६

तागे नता त्रेक तीना धीक धिन्ता किन्ना धीक धिन्ता किन्ना त्रक गेन तेन तागे नता त्रक

पेश्कारा, ताल तिताला

\+ | ० |

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४

धीक धिन्ता त्रीक धिन्ता ऽत्ता धीक धिन्ता ऽत्ता तीक तिन्ता त्रीक धिन्ता ऽत्ता धीक

१५ १६

धिन्ता ऽत्ता

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
२—धीक धिन्ता धीक धिन्ता त्रीक धिन्ता ऽत्ता त्रीक धिन्ता ऽत्ता त्रीक धिन्ता ऽत्ता त्रीक
१५ १६
धिन्ता ऽत्ता

\+ |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
३ - तीक तिन्ता धीक धिन्ता त्रीक धिन्ता ऽत्ता त्रीक धिन्ता ऽत्ता त्रीक धिन्ता ऽत्ता त्रीक
१५ १६
धिन्ता ऽत्ता

\+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
४ —त्रीक धिन्ता ऽत्ता त्रीक धिन्ता ऽत्ता धीक धिन्ता त्रीक धिन्ता ऽत्ता धीक धिन्ता ऽत्ता
१५ १६
त्रक धिन्ता

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३
५—ऽत्ता त्रीक धिन्ता ऽत्ता धिन्ता ऽत्ता ताधी ऽक्रधिन् ता त्रीक धिन्ता ऽता ताऽ
१४ १५ १६
धीक धिन्ता ऽत्ता

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
६—त्रीक तिन्ता ऽत्ता त्रीक तिन्ता ऽत्ता तीक तिन्ता त्रीक तिन्ता ऽत्ता तीक तिन्ता ऽत्ता
१५ १६
त्रीक तिन्ता

\+ ' ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३
७—ऽत्ता त्रीक तिन्ता ऽत्ता तिन्ता ऽत्ता ताती ऽकतिन् ता त्रीक तिन्ता ऽत्ता धीक
१४ १५ १६
धिन्ता ऽत्ता त्रक

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
८—धिन्ता ऽत्ता त्रक धिन्ता ऽत्ता धिन् ऽत्ता त्रक धिन्ता ऽत्ता त्रक धिन्ता ऽत्ता धिन्ता
१५ १६
ऽत्ता धीक

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
९—धिन्तात्रकधिन्ताऽत्रकधिन्ता ऽत्ताधीक धिन्ता त्रक धिन्ता ऽ त्रक धिन्ता ऽत्ता तीक

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
१०—तिन्ता त्रक तिन्ताऽ त्रक तिन्ताऽत्तातीक तिन्ता त्रक तिन्ता ऽ त्रक तिन्ता ऽत्ता धीक

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
११—धीक धिन्ता त्रक धिन्ता त्रक धिन्ता- त्रक धिन्ता धीक धिन्ता त्रक धिन्ता ऽत्ता धीक
१५ १६
धिन्ता ऽत्ता

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३
१२—तीक तिन्ता त्रक तिन्ता धीक धिन्ता त्रक धिन्ता तीक तिन्ता त्रक धिन्ता धीक
१४ १५ १६
धिन्ता धीक धिन्ता

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३
१३—त्रक धिन्ता धीक धिन्ता त्रक तिन्ता त्रक धिन्ता त्रक धिन्ता त्रक धिन्ता धीक
१४ १५ १६
धिन्ता त्रक धिन्ता

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३
१४—त्रक धिन्ता धीक धिन्ता धीक धिन्ता त्रक धिन्ता त्रक तिन्ता धीक धिन्ता धीक
१४ १५ १६
धिन्ता त्रक तिन्ता

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
१५—धा त्रक धिन्ता धीऽकधि तात्रकधिन्ता धीऽकधि धा त्रकधिन् ता धा त्रकधिन्
१५ १६
ताधी ऽकधी

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
१६—तात्रक धिन्ता तात्र कधिन्ता धात्र कतिन् धात्रे ऽक्क धात्रे ऽक्क धीक धीना
१५ १६
धात्रे ऽक्क

\+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३
१७—धात्रे ऽक्क धीक धिना धात्रे ऽक्क धीक धिना तात्रे ऽक्क धीक धिना धात्रे
१४ १५ १६
ऽक्क तीक तिना

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
१८—तात्रे ऽक्क धात्रे ऽक्क तात्रे ऽक्क धीक धिन तात्रे ऽक्क धीक तात्रे ऽक्क धीक
१५ १६
तात्रे ऽक्क

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
१९—धात्रे ऽक्क ऽ ऽ तात्रे ऽक्क ऽ ऽ तात्रे ऽक्क धात्रे ऽक्क तीक तिना धात्रे ऽक्क

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
२०—तात्रे ऽक्क ऽ धात्रे ऽक्क ऽ तात्रे ऽक्क धात्रे ऽक्क तात्रे ऽक्क ऽत्रे ऽक्क ऽत्रे ऽक्क

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

पेश्कारा का बाँट

\+ | ० |

२१—धीक धिंता त्रक धिंता त्रक धिंता त्रक धिंता धीक धिंता त्रक धिन्ता ऽ धीक धीन्ता ऽत्त

\+ | ० |

२२—तीक तिन्ता त्रक तिन्ता त्रक तिन्ता त्रक तिन्ता तीक तिन्ता त्रक तिन्ता ऽत धीक धिन्ता ऽत्त

\+ | ० |

२३—धीक धिन्ता त्रक धिन्ता तीक तीन्ता त्रक धिन्ता धीक धिन्ता त्रक धिन्ता तीक तिन्ता त्रक धिन्ता

\+ | ० |

२४—त्रक धिन्ता धीक धिन्ता त्रक धिन्ता धीक धिन्ता त्रक तिन्ता त्रक तिन्ता त्रक धिन्ता धीक धिन्ता

\+ | ० |

२५—त्रक धिन्ता त्रक धिन्ता धीक धिन्ता त्रक धिन्ता त्रक धिन्ता धीक धिन्ता त्रक तिन्ता धीक धिन्ता

\+ | ० |

२६—त्रक तिन्ता त्रक तिन्ता तीक तिन्ता त्रक तिन्ता त्रक तिन्ता तीक तिन्ता त्रक तिन्ता धीक धिन्ता

\+ | ० |

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३

२७—धात्रे ऽक धिन्ता धात्रे ऽक धिन्ता धीऽकधी ऽकधि धात्रे ऽक धिन्ता धीऽकधि तात्रे

१४ १५ १६

ऽक धिन्ता धीऽक

\+ | ० |

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३

२८—तात्री ऽक धिन्धा धीऽकधि धात्री ऽकतिन् ताधी ऽकधि ऽधी ऽकधी ताधी ऽकधाता

१४ १५ १६

ऽधी ऽकधी ता

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

पेशकार बांट त्रिताल

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
धाती धागे नधा तूक धाती धागे धेने गेने ताती तागे नत्ता तूक धाती धागे धेने थेनें।

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
धागे नधा तूक धाती तागे नता तूक ताती धागे नधा तूक धाती तागे नता तूक ताती।

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
धातूकधागेन धाती धातूकधागेन धाती तातूकतागेन ताती धाती धागे धेने धेने।

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
धागेनधागेन धाती तागेनतागेन ताती धातूकधागेनधाती धाती धागे धेने धेने।

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
धात्रकधात्रक त्रक धात्रकधात्रक त्रक धात्रकधात्रक धागे धाती धागे धेने धेने।

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
धागेत्रक धेने धेने धागे त्रक धेने धेने तागे त्रक तेंनं केने धाती धागे धेने धेने

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
धागे धागे धेने धेनें धागे धागे धने धेनें ताके ताके तेनें केने धाती धागे धेने धेने

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
धागेनधागेन धागे त्रक धागे धेने धेने तागेनतागेन ताके त्रक ताके तेने केने।

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
त्रक धागे धेने धेने त्रक धागे धेने धेने त्रक ताके तेने केने धाती धागे धेने धेने

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

\+ | ० |

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६

त्रक त्रक धेने घेने त्रक त्रक धेने घेधे त्रके त्रक धेन घेने धाती धागे धेने घेने

\+ | ० |

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६

त्रक धेने घेने त्रक धेने घेने धेने घेने, त्रक त्रक धेने घेने धाता घेन धेने घेने

\+ | ० |

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६

धाती धिन धिन धिन धाती धिन धित्त धिन धात्रक धात्रक धागे धाती धागे धेने घेने

\+ | ० |

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६

ताती किन तिन किन ताती किन किन किन धात्रक धात्रक धाग धाती धाग धेने घेने

\+ | ० |

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६

धेने घेने धेने घेने धेने घेने धाती घेने धात्रक धात्रक धागे त्रक धागे धेने घेने

\+ | ० |

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६

ऽ ऽ धेने घेने धाती धागे धेने घेने ऽ त्रक तेने केने धागे धागे धेने घेने

\+ | ० |

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६

धेने धेने धाग ऽ धागे धागे धेने घेने धा ऽ धेने घेने धाती धागे धेने घेने

\+ | ० |

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६

ऽ त्रक धेने घेनं ऽ त्रक धेने घेनं ऽ त्रक तेन केने धाती धागे धेने घेने।

सूचना—ऊपर वाले बोंटों को एक बार जैसे धा के साथ लिखा है वैसे और एक बार ता लगा कर बजाया जा सकता है। जैसे ताती किन तिन किन ताती किन तिन किन तात्रक तात्रक ताक त्रक तागे तेने केने।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

❀ नाचने वालों का इतिहास ❀

यों तो भारतवर्ष में कई प्रकार के नाच आजकल नाचे जाते हैं, और सभी प्रकार के नाचों का सम्बन्ध ताल और लय से होता है परन्तु कत्थक नृत विशेष रूप से तबले से सम्बन्धित है। इस लिये हम यहां पर कत्थक नृत्य के कलाकारों का इतिहास दे रहे हैं। कत्थक उत्तर प्रदेश के जिला प्रयाग के हल्दा हड़िया तहसील के रहने वाले थे। इन में से कुछ लोग महाराजा जयसिंह के साथ जयपुर चले गये थे। जानकी प्रसाद नाम के प्रसिद्ध कलाकार इन्हीं लोगों के वंश में राजस्थान में हुये। प्रकाश जी उत्तर प्रदेश के हड़िया तहसील के रहने वाले थे इन की वंश परम्परा के कुछ लोग बीकानेर में चले गये थे। उसमें बिहारी लाल, पूरण लाल, हीरालाल, गोपाल जी हनुमान प्रसाद वगैरा प्रसिद्ध नाचने वाले हुए। गोपाल जी के पुत्र कृष्णकुमार आजकल अच्छे नाचने वालों में से हैं। जानकी प्रसाद की वंश परम्परा में पुरुषोत्तम जी, ललिता प्रसाद, गिरधारी मिश्र वगैरा हुए। इस वंश के मोहनलाल जी (मैंने मोहन लाल जी से भी नाच के टुकड़े पाये हैं।) नारायण प्रसाद आज अच्छे नाचने वालों में हैं। युक्त प्रान्त में जो नाचने वाले रह गए थे उनमें से प्रकाश जी के पुत्र दुर्गाप्रसाद तथा ठाकुर प्रसाद जी और उनके पुत्र बिन्दादीन जी, कालकाप्रसाद जी प्रसिद्ध नृत्यकार हुए हैं। कालकाप्रसाद के पुत्र अच्छन, लच्छू और शम्भूनाथ ने बिन्दादीन जी से ही शिक्षा पाई थी। यह तीनों वर्तमान समय के श्रेष्ठ नृत्यकार हुए हैं बिन्दादीन जी के शिष्य जयलाल भी नाच के अच्छे ज्ञाता थे।

नाच चार प्रकार का होता है। संगीत, प्रबलु या परमलु, लास्य और तांडव। इन में से संगीत और प्रबलु यही प्राय कार्य में लिये जाते हैं। लास्य और तांडव नहीं लिये जाते हैं। लास्य पार्वती जी के नृत्य को और तांडव महादेव जी के नृत्य को कहते हैं। आजकल नृत्य के जो आचार्य हैं उन्हों ने नृत्य कला में संगीत और परमलु के नाम से क्रिया को विख्यात कर रक्खा है, इस लिये संगीत और परमलु के नाम को ही कार्य में लिया जाता है।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

नृत्य के ठेके, व ताल

ताल, तिताला

+				|				०				|		
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
ता	ऽ	थे	ई	थे	ई	तत्	ऽ	ऽ	ऽ	थे	ई	थे	ई	त	ऽत्

ठेका एक ताला, या चौताला,

+				|				|			
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
ता	थेई	थेई	त	ऽत्	थेई	थेई	त	ऽत्	थेई	थेई	तत्

ताल झपताला

+		|			०		|		
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०
ता	थेई	थेई	तत्	ऽ	थेई	थेई	तत्	थेई	तत्

ठेका, शूल

+		०		|		|		०	
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०
ता	थेई	थेई	तत्	तत्	तत्	थेई	तत्	थेई	तत्

ताल धमार

+			०		|		०					०	
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४
ता	थे	ई	थे	ई	त	ऽत्	थे	ई	ऽ	थे	ई	त	ऽत

ठेका तेवरा

+			|		|	
१	२	३	४	५	६	७
थे	ई	थे	ई	तत्	ता	थेई

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ताल आड़ा चौताला

| ० | ० | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
ता ऽ थे ई थे ई ता थेई ता ता थेई तत् तत् थेई

गणेशजी की स्तुती, ताल, तिताला

\+ | ० | +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
कातिर किट धिकिट कत गदि गन कत घिन् तड़ा ऽ न धा ऽ दिन् दिन् धा ऽ धा

| ० | + |
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५
धेन धा घेन घा ऽ क्रुध किट क त्तिट कातिर किटधिकिट घेन धा ऽ गणा ऽना ऽम गण पति

० | + | ०
६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
गणेऽश लम्बो दर सो हे भुजा ऽ चा ऽ र एक दन्त चऽन्द्रमा ललाऽट रा जै ब्र ह्मा विष णु

| + | ० |
१३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
महे श ताऽल दे ध्रुर पद गा वें अति विचिऽत्र गण ना थ आ ऽ ज मृ दं ग बजा वें

\+ | ० | +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २
धिट धड़ा ऽध धिर धिर क्रुधाऽन दिन दिन दिन नागे नागे नागे धन धन तिन तिन ताके

| ० | +
३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४
नाना तदि गन घ्रिग घ्रिग दिन दिन दिना गे दिनागे ता क्रुधा ऽ न किटतक धरा ऽन तरा ऽन

| ० | +
५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
धा किटतक धरा ऽन तरा ऽन धा किटतक धरा ऽन तरा ऽन धा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

स्तुती, को निकालने वाला बोल,

\+ | ० | + |
घेना घाड़ घेन तिट घड़ानदीं घेड़नक ताकत् कता धानकत दिन्न दिन्न धा तड़ात धा
० | + | ० |
कत् घेत्ता कृधिनकृघेत्ताक्ड़ान घेत् धगे नक धेत् धेत् कततृघेन्न धाति धान तान दिग दिन्न
\+
कृधा विद्धा

"स्तुती" कृष्णजी, ब्रह्मा, महेश,

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ ११
श्याम धाघन श्याम धा राधा हरी मोहन गोविन्द शंकर धा कृष्ण धाद्वार केश
\+ | ०
१४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
धा तड़तड़ गिड़गिड़ धिकधिक धा धिग धिलां ऽगधा ब्रह्मा विश्नु महेश धा पंचुम रवीहनु
| + | ०
११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११
मान धा छोटे बड़े भैरो धा नाथ धाम कुन्द धा मथुरा नरहरी सीतल धाग धागे ताग धाग
| +
१२ १३ १४ १५ १६ १
धागे ताग धाग घागे ताग धा

संगीत, नृत्य [ताल तिताला]

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
कड़ान ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ कड़ा ऽन् तान ऽत्ता किटतक
\+ | ० | +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४
धा ऽ ऽ ऽ तिट कत्त गदि गनं ता ऽ ऽ ऽ धा तिट तक धुम किट तक धे त्ता
| ० | + | ०
५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११
तग घड़ा ऽन् घा किट तक ना चत रा ऽ धा ऽ दे ऽ वी ई ह ऽ री ऽ मो ऽ ह

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

| + | 0 | | +
१२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३
न श्या ऽ म सुं द र ध न श्या ऽ म छ बी ऽ ले ये ज दा ऽ शं ऽ क री

| 0 | + | 0
४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
ऽ त्र ऽ झ क मं ऽ ड ल बा ऽ ल मुं कुं ऽ द घ ने ऽ रो ऽ किट ऽ त क

| +
१३ १४ १५ १६ १
ता ऽ ता ऽ ता

संगीत का टुकड़ा "ताल त्रिताला

0 + | 0
९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
जग जग तं जै जग जग तं जै जगत कूं ऽक्र जग त जै ऽ तक थुंन थुंन ऽ त्रान

| + | 0 | +
१३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
ऽ त्रान ऽ तत् थे ई ऽ त्रान ऽ त्रान ऽ तत् थे इ ऽ त्रान ऽ त्रान् ऽ तत् थेई

संगीत के बोल "ताल तिताला"

+ | 0 | + |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६
हा थ से ह थे ली वा जे पां व से प द म छ न्द मु ख से मू चं ग

0 | + | 0 |
७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
बा जे घुं घ रू घन कै ऽ या ऽ प्र गि धु न प्र गि धु न नू पुर के नू पुर के

+ | 0 | + |
१५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७
धु न ल च क म च क क रे क द म की छै ऽ यां ऽ तु ल सी दा ऽ स सं

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

० | + | ० |
८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५
ऽ गी ऽ त र च त ग ति बा ज त मृ दं ग त ब ना च त क न्है या क

+ | ० | +
१६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
न्है या ऽ ऽ क न्है या क न्है या ऽ ऽ क न्है या क न्है या

यह बोल तोप का "ताल तिताला"

+ | ० | +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४
धा किट तक धुम किट तक धे ऽ द्ध न न न न न न न कि ता ऽ धुम

| ० +
५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
किट तक गेदा ऽन धा ऽ गेदा ऽन धा ऽ गेदा ऽन धा

प्रवलु या परमलु "ताल तिताला"

| ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
थुन थुन तत् तत् तीधा दिगदिग थेई ता ऽ तीधा दिगदिग थेई ता ऽ थुन थुन

+ | ० | +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २
तत् तत् तीधा दिगदिग थेई ता ऽ तीधा दिगदिग थेई ता ऽ थुन थुन तत् तत् तीधा दिग

| ० | +
३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
दिग थेई ता ऽ तीधा दिगदिग थेई ता तीधा दिगदिग थेई ता तीधा दिगदिग थेई ता

नृत्य का प्रवलु या परवलु "ताल तिताला"

+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
तत् तत ता द्रग झुन झुन्न झिझि कत थो थवं ऽगं तक थुन थुन तीधा दिगदिग

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

\+ | o | +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३
थेई ऽ तत् तत् ता द्रग झुन झुन झिमि कत थो थवं ऽग तक थुन थुन तीधा दिगदिग थेई

| o | + |
४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५
ऽ तत् तत् ता द्रिग झुन झुन झिमि कत थों थवं ऽग तक थुन थुन तीधा दिगदिग थेई

o | +
६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
तक थुन थुन तीधा दिगदिग थेई तक थुन थुन तीधा दिगदिग थेई

प्रवलू या परमलू "ताल त्रिताल"

\+ | o | + | o
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
हि च क त झिं झ क झु क त कु च ह ल ह ल चं ऽ न्द्र च म क च प ला

| + | o | +
१० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
ऽ च म क त मु ख मं ऽ द हं स त मों ऽ ह न बे नी मा ऽ ऽ ऽ धो

| o | +
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
ऽ बे नी मा ऽ ऽ ऽ धो ऽ बे नी मा ऽ ऽ ऽ धो

प्रवलू या परमलू नृत्य का "ताल त्रिताल"

\+ | o | + |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५
त त त त ता ऽ विट कत गदि गन धा ऽ क ऽ द्धा ऽ गदि गन धा ऽ किड़

o | + | o
६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
धे ऽ न्न ध ऽन न त क ऽ द्धा ऽ धा किट तकि टत का ऽ घुम किट तकि

| + | o
१० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११
टत का ऽ क्ड़ा ऽन् धा क ऽ त्त धा ऽ तिट घड़ा ऽन् धुम किट क ऽ

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

| + | ० |
१२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
त्त धा ऽ तग तग दिग तिट घा ऽ धागे तिट घुम किट धा ऽ घुम किट धा क

+ | ० | +
१५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
द्धा ऽ धा किट तक घुम किट तक गदि गन धा ऽ गदि गन धा ऽ गदि गन धा

कालीजी की स्तुती ताल त्रिताला

नोट-() ब्रेकट के अन्दर के लिखे हुए अक्षरों को तीन बार पढ़ कर फिर आगे के शब्द सवाई लय में पढ़ने से सम पर आता है।

+ | ० | +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
(हा थ खऽड्ग लिए त्रिशूल धाऽर का ली कल-क चे वा ली तिग धेऽत्ता तिधा

| +
२ ३ ४ [सवाई लय]—१३ १४ १५ १६ १
दिगदिग थेई ऽ) ३, थेई ऽ थेई थेई थेई

नृत्य का बोल "ताल त्रिताला"

+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
फ्रिकि थुन फ्रिकि धुन फ्रिगिन फ्रिगिन धुन धुना ऽन धुना ऽन कर तकि कीकी की

+ | ० | +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
की कुलना नाचै नन्द जीको ललना नाचै नन्द जीको लल ना नाचै नन्द जीको लल ना

कृष्ण भगवान के नृत्य के समय की स्तुति खाली से प्रारम्भ

० | + | ०
९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११
नट वर ना चत स गी त गीऽत विविध भांऽति गति नई ऽ नई ऽ ता पर पग--

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

| + | o | +

१२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १

नू नू पुर बा जै थों द्रिग त्रां त्रां थे ई थों द्रिग त्रां त्रां थे ई थों द्रिग त्रां त्रां थेई

कड़ान, का, परमलु ताल, तिताला

\+ | o | +

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १

१ कड़ान् धा कद्धा ऽक ऽतक्ड़ा ऽन्धा ऽक ऽद्धा ऽक ऽतक्ड़ा ऽन्धा ऽक ऽ धा

\+ | o | +

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १

२ कड़ान् धाक द्धा कतकत् ऽक्ड़ा ऽन्धा ऽकद्धा कतकत् ऽक्ड़ा ऽन्धा ऽक द्धा

६॥ मात्रा से आरम्भ

\+ | o ! +

१ २ ३ ४ ५ ६ [] ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १

३ कड़ा ऽन्धा ऽकत कत् ऽक्ड़ा ऽन्धा ऽकत् कत ऽक्ड़ा ऽन्धा ऽक द्धा

\+ | o | +

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १

४– कड़ान् धाक ऽद्धा ऽक्ड़ा ऽन्धा ऽक ऽद्धा ऽक्ड़ा ऽन्धा ऽक द्धा

\+ | o | +

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १

५– कड़ान्धा ऽक्ड़ान् धाक्ड़ा ऽन्धा ऽक्ड़ान् धाक्ड़ा ऽन्धा ऽक्ड़ान् धा

अनागत, ग्रह का परमलु

१॥ मात्रा से आरम्भ और १॥ ही मात्रा पर समाप्त

\+ | o |

१ [] २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४

६– कड़ान् धा कद्धा ऽक द्धा कतकत् ऽक्ड़ान् धा कद्धा ऽक धा कतकत् ऽक्ड़ान् धा

\+

१५ १६ १ [] २

कद्धा ऽक द्धा कड़ान+धा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अतीत ग्रह का परमलु १६॥ मात्रा से आरम्भ और १५॥ मात्रा पर समाप्त

[] + | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३
७—धा क्ड़ान्धा ऽधा द्धा धा॥त कत्धा ऽक्ड़ा ऽन्धा ऽक द्धा धाकत कत्धा ऽक्ड़ा ऽन्धा

+
१४ १५ [] १६ १
ऽक द्धा कत्+ऽकत् धा

विषम, ग्रह का परमलु २॥ मात्रा से आरम्भ और१६॥ मात्रा पर समाप्त

[] ० | +
३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ [] १
८—क्ड़ा ऽन्धा ऽक द्धा ऽक ऽत्क्ड़ा ऽन्धा ऽक द्धा ऽक ऽत्क्ड़ा ऽन्धा ऽक द्धा ऽकत् धा

थेई, का परमलु ताल, तिताला

+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
१—थे ई थे ई ति थे ई तां हं तां हं तक तत् थों ओं ऽम्

+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
२—थे ई त त थे ई त त थे ई ऽ थे ई ऽ थे ई

+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
३—थे ई ता हं थे ई ता हं ति थे ई ता थे ई ता हं

+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
४—थे ई तत् तत थे ई तत् तत थे ई थेई ऽ थेई थेई ऽ थेई

+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
५—थेइ ऽ थेई थेइ ऽता हं ता हं ता त त्तक थों ओं तक थों ओं

+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
६—थेइ ऽता थेइ ऽता दां दां थरि थरि कुऽकु ऽथेइ तत् थेइ तत थेइ तत थेइ तत थेइ

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
७—थेइ तत् ऽत क थेइ तत् ऽत क तत ता थे इ त तता थेइ तत ताथे इ

+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६
८—ताथे ईता ऽथे ईता ऽथे इता ताथे ईता ऽथे ईता ऽथे इता ताथे ईता ऽथे इता।

छन्द झूलना तृतीय शिव तांडव स्तोत्र ताल त्रिताला ८ मात्रा

सूचना—यह स्तोत्र ७॥ वीं मात्रा से उठता है

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
जटा कटाह सम्भ्रम भ्रम न्निलिम्प निर्झरी

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
विलोल बीचि वल्लरी विराजमान मूर्द्धनि

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
धग द्धग द्धग ज्ज्वलल्ललाट पट्ट पावके

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ १
किशोर चन्द्र शेखरे रति प्रतिक्षणं मम मम

'संगीत' शिवजी की परन 'अमृत ध्वनि' ताल त्रिताला

नोट—९ वीं मात्रा से आरम्भ

० | + | ० |
९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३
ज टा ऽ जू ऽ ट म द गं ऽ ग झ लं ऽक् क त सी ऽ स चं ऽ

+ | ० | + |
१४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५
द्र ली ऽ ल्ला ऽ ट भ ल ऽक्र् क त मु ऽ ड म। ऽ ल ग ले शेऽ ष ध र

० | + | ० |
६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३
णि ध र पा ऽ र व ती ऽ प ती शि व ह र ह र पा ऽ र व ती ऽ प

+ | ० | +
१४ १५ १६ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १
ती शि व ह र ह र पा ऽ र व ती ऽ प ती शि व ह र हर

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ताल एक ताला की परन अदीख की

नोट :- अदीख, अर्थात् ताल के ही आधार पर बोल की रचना की गई है। किन्तु मात्रा होते हुए भी मात्रा के गति का नियम ताल आधीन है।

+ १ धिन्तिर | २ किटथु | ३ तिरकिट | ४ नगतकतकतक | ५ दिगतकतकतक | ६ धिन्नाड़ाधुम | ७ किटतकतक

८ थुन्धिगिदिधिगिदिधिधिकिटतक | ९ धिधिकिटधिलांग | १० | ११ कत्ताधाकत्दींकिटतक् | १२ धिधिकिटतक्दिगदि

किटकतगदिगन | + १ धा

ताल एक ताला बोल चौपल्ली गत पंजाबी

+ १ कतिट | २ तक् | ३ गेनक | ४ धिन् | ५ धगेन | ६ तक | ७ घेड़नगनग | ८ तित् | ९ किड़धिन् | १० कधिन् | ११ दिगेन | १२ नातिट

+ १ तिटक | २ तान | ३ धिटकधान | ४ क्रधिन | ५ कतक | ६ धिरधिरकिट | ७ तकधा | ८ कतिट | ९ घेड़नकतक् | १० (दून की लय)

११ तिरकिटतकता | १२ धिरधिरकिटधा कद्धात | + १ धा

जोड़ा

+ १ धगेन | २ तक् | ३ धिरधिरकिट | ४ धा | ५ दिगेन | ६ कत | ७ घेनक | ८ धिन् | ९ धागेदि | १० गेनाना | ११ घेघेत्ति | १२ टकता

१ गदिग | २ ननागे | ३ धिनधे | ४ ड़नग | ५ धागेन | ६ तकधिन् | ७ नागेन | ८ कत्तिन् | ९ धाकघे | १० नाकितक (दून की लय)

११ धिरकिटतकतातिरतिरकिट | १२ धाकद्धात | + १ धा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

एक ताला बिजली का बोल

+ १	२	३	४	| ५	६	७	८	| ९	१०
ताड़ात	तड़तड़	धीता	किटतक	तकधुन	किटतक	घड़ान	दिगतक	तकिटधि	किटतक

११	१२	+ १	२	३	४	| ५	६	७	८	| ९
तकिटधि	किटतक	तकधुम	किटतक	धाऽधि	किटतक	धाधा	तड़धड़	धीता	किटतक	तकधुम

१०	११	१२	+ १	२	३	४	| ५	६	७	८	| ९
किटतक	गदिगन	धाधा	धा	किटतक	तकधुम	किटतक	गदिगन	धाधा	धा	किटतक	तकधुम

१०	११	१२	+ १
किटतक	गदिगन	धाधा	धा

लय, आड़ी, एक ताला, घे, ता, धा, वर्जित बोल

+ १	२	३	४	| ५	६	७	८	| ९	१०	११	१२
क्ड़ान	क्ड़ान	नगन	नगेन	गेनेन	दगेगे	न.गिर	दिगेन	नगन	गनग	नाक्ड़ान्	किड़नग

÷ १	२	३	४	| ५	६	७	८	| ९	१०	११
किट	गेना	नान	क्ड़ान	किड़ना	किटकिटके	केकेके	किटग	दी	गदिदी गदिगन	दिगनरान

१२	+ १
दिननरान्	का

ठेका, एक ताला, ना, ता, धा, वर्जित बोल,

+ १	२	३	४	| ५	६	७	८	| ९	१०	११	१२	+ १
केकेके	गेगेगे	ककक	घघघ	केगेके	घेकेगे	गेकेघे	केगेके	का	केगेके	का	केगेके	का

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

श्रीकृष्ण स्तुति ताल चौताला छन्द गीतांगी

\+ ० | ० | |
करके कगन करक गये किन गढ़त नटनागर किधर गिरधर किधर गये मुकुटधर रैन
\+ ० | ० |
दिन रटत राधा नट नागर को (सकल बृज जन) धाकिटतक धुमतिर किटतक धाकिटतक धुम-
| +
तिर किटतक धाकिट तक धुमतिर किटतक धा। ब्रेकेट में बन्द शब्दों को छोड़कर सब तबले के अक्षर हैं। बन्द अक्षरों के स्थान पर कतिट दिन् दिन् बजाओ।

श्रीगणेश स्तुति ताल चौताला छन्द गीतांगी

\+ ० | ० | |
(श्रवण सुन्दर नाम गणपति ज्ञान नाथ गजाननम्) धृक धान् धकिट तदन्त धा कत
\+ ० | ० | | +
(लम्बोदर एक दन्त) धा कत लम्बोदर एक दन्त धा कत लम्बोदर एक दन्त धा कत धा
\+ ० | ०
ब्रेकेट के अन्दर बन्द अक्षरों की जगह गदिन गेदिर निदेगे नातिट गेन्न नागे गेदि नान दिन्। लम्बोदर एक दन्त धा = तेनेदि तिटकत दिन्त धा।

स्तुती गणेशजी की ताल चौताल

\+ ० | ० |
१ ३ ५ ७ ९
गिड़ गिड़ थुन गिड़ गिड़ थुन गिड़ गिड़ गणपति गजतन मंगल तत् तत् थेई थेई जै
| + ० | ० |
० ११ १ ३ ५ ७ ९
जगवदन दाता दानी धाधा नीधा धगेन धगेन धग धगदी घेन गेन त्रिघन विनाशन कातिर-
| + ० | ०
११ १ ३ ५ ७
किटतक धागेदिन धागेदिघेनकदिद्धा तिरकिट धेत धागेदिघेनक दिद्धा तिरकिटधेत् धागेदि
| | +
९ ११ १
घेनक दिद्धा घेनक दिद्धा घेनक दिद्धा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

सूचना—बोल, तिताला और एक ताला दोनों तालों में एक साथ बजाते हुए, हर एक आवर्ती के सम पर, धा, आता है।

ताल एक ताला

\+ | | +

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १ २

गदिगन धा तागेदिद्धा धाधा किड़धा नगदिद्धा तगेन्न धागदि गनधा ऽति द्धाता गदिगन

| | +

३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ ११ १२ १२ १ २ ३ ४

धातागे दिद्धा धाधा किड़धा तागेदिद्धा धित्ता तगेन्न धागदिगन तिद्धा ऽत्ता गदिगन तगेन्न

| | + |

५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १ २ ३ ४ ५ ६

धा तगेन्न धागदि गन तिद्धा ऽता गदिगन धागेता दिद्धा धाधा किड़धा तागेदि द्धाधित्ता

| +

७ ८ ९ १० ११ १२ १

तगेन्न गदिगन धाधा तिद्धा ऽता गदिगन धा

पल्लू, ताल एक ताला

\+ | | +

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १ २ ३ ४

धग ऽदि गता ऽधा दिग ऽना नाग ऽदि धाता ऽगदि ऽग धधा धग ऽदि गता ऽधा

| | + | |

५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९

दिग ऽना नाग ऽदि धाता ऽगदि ऽग धधा धग ऽदि गता ऽधा दिग ऽना नाग ऽदि धाता

\+

१० ११ १२ १

ऽगदि ऽग ध धा

सूचना—यह पल्लू बिना दम का पौनी लय, का और लोम विलोम का लोम विलोम अर्थात् आरम्भ से कहने पर भी वही अक्षर होते हैं। और ठेके की अन्तिम मात्रा से करने से भी वही अक्षर होते हैं।

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ताल एक ताला, टुकड़ा चक्कर दार सम से सम तक, चौगुन, की लय में बिना दम का

\+ |
१   २   ३   ४   ५
धाधिरधिरकिटतक्धा धिरघिरकिटतक्धा धिरधिरकिटतक्धाकऽद्धा ताधा धाधिधिरकिट

|
६   ७   ८   ९   १०
तक धाधिरधिरकिटतकधाधिरधिरकिटतकधाकऽद्धा ताधा धिरधिरकिटतक्धा धिरधिरकिटतक्धा

\+
११   १२   १
धिरधिरकिटतकधाकऽ द्धाता धा

ताल एक ताला पेशकार

\+ | |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
१—धाऽ घेड़नग तक्ऽ तिरकिट धाऽ घेड़नग तित् तिरकिट धिरधिर घेड़नग दीना केड़नग

\+ | |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
२—ताऽ घेड़नग् कत्ऽ धिरकिट धाऽ घेड़नग तक्ऽ तिरकिट धिरधिर घेड़नग दीना घेड़नग

\+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
०—धाघेड़ नगधिर धिधिर घेड़नग दीना घेड़नग ताघेड़ नगधिर धिरधिर घेड़नग दीना घेड़नग

\+ | |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
४—ताऽ घेड़नग तक्ऽ धिरकिट धाऽ घेड़नग दीना घेड़नग धिरधिर घेड़नग दीना घेड़नग

\+ | |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
५—ऽघेड़ नगता ऽघेड़ नगधा ऽघेड़ नगदीनाघेड़ नगधिर धिरघेड़ नगघेड़ नगधा ऽघेड़

| |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
६—नगता ऽघेड़ नगदी नाघेड़ नगधिर धिरघेड़ नगधा ऽघेड़ नगता ऽघेड़ नगघा ऽघेड़

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

+
१ २ ३ ३ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
७—नग धिरधिरदी नाघेड़ नगता ऽघेड़ नगधा ऽघेड़ नगघेड़ नगता ऽघेड़ नगधिर धिरघेड़

+
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
८—नगदी नाघेड़ नगदी नाघेड़ नगधिर धिरघेड़ नगदी नाघड़ नगदी नादी नाघेड़ नग

ताल झपताले की उठान

| ० | + | ० |
३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
तित् तां ऽ तिट केने तिट किट नागे किक् किक् केन घेन नाति टता किट ताघेन धा

+ | ० | +
१० १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १
ऽघेन धा ऽघेन धा ऽघेन धा घेनधा ऽघेन धा ऽघेनधा घेनधाघेनधा

बोल ताल झपताला

+ | ० | +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २
धग तिट कतधिन ऽतरा ऽन्धा दिन्ता कत् ऽधा दिन्ता ऽधा दिन्ता किड़धा दिन्ता

| ० | + | ०
३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २ ३ ४ ५ ६ ७
दिंगन दिगादन ताधा ऽद्धा दिन्ता किड़नग त्रकधेत् ऽद्धा ऽदिन ऽन्ता धा ऽकत् ता ऽधा ऽदीं

| + ० | +
८ ९ १० १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १
ऽधा धा ऽकत् ता ऽधा ऽदीं ऽधा धा ऽकत् ता ऽधा ऽदीं ऽधा धा

जोड़

+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २ ३
नगकिट तकधिन ऽनड़ा ऽन्ता थुंगा कत् ऽता थुंगा ऽत्ता थुंगा कत्ता थुँगा गदिगन

० | + | ० |
४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
नगदित धाता ऽधा किड़धा किटतक किड़धेत् ऽत्ता ऽक ऽत्ता धा ऽथुँ गा ऽता ऽथुन् ऽता धा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

+ । ० । +
१० १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १
ऽथुं गा ऽता ऽथुन ऽता धा ऽथुँ गा ऽता ऽथुन ऽन्ता धा

बोल आड़ो लय का ताल झपताला

+ । ० । +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २
तक्कि टकिट दिक्कि टकिट तकिट थुकिट कतग दीगन नगेन तकिट कतिट धान

। ० । +
३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १
ताधा ऽकिट कातिरकिट धीकिट तगेन(दूनकी लय) कतघेघेतिट दिंगनकत तधाधानधा तधाधा

। ० ।
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८
नधा तधाधानधा कतघेघेतिट दिंगनकत्तध। धानधातधाधा ऽनधातधाधान धाऽकतघेघे तिटदिंग

+
९ १० १
नकत् तधाधानधातधाधान धातधाधान धा

जोड़ा आड़ी लय

+ । ० । +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २
कत्ति टतिट थुंकि टकिट कतिट नातिट गेनति टकिट धगेन नगेन कतिट नाऽन

। ० ।
३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
धाता ऽतिट नातिरकिट कतिट तातिट (दून की लय) तकधिधिकिट घेड़नगकत कताधानध।

+ । ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७
कताधानधा कताधानधा ऽतकधिधिकिट घेड़नगकतकता धानधाकताधा ऽनधाकताधान धाऽत

। +
८ ९ १० १
कधिधिकिट घेड़नगकतकताधान धाकताधान धाकताधान धा!

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ताल झपताले का बोल आड़ी और डेढ़ी लय का

\+ | ० | +

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १

धान धातिट कतिट नातिट किड़ता धाधाधा किड़धात तातात कतिट नातेटे, कतिट धादिन्

| ० |

२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९

ताक्धादिन् ताक्धान धाकतिट धादिन्ताक् धादिन्ताक् धानधाक् तिटधादिन ताक्धादिन्

\+

१० १

ताक्धान धा

जोड़ा

\+ ! ० | +

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १

कटित धान किड़ताधा किड़धाता घेतिट नातेटे किटता गेनता धिटधा गेनधा, घेतिटतागे

| ० | +

२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १

नताके नतागेन धाघेतिट तागेनता केनातागे नधाघेति टतागेन ताकेनतागे नताकेन् धा

बोल झपताला, ताल के गति की दून की लय में

\+ | ० |

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८

कतिटधा दिन्ताकिड़धा दिन्ताकति टधानधा दिन्ताधादिन ताकड्धादिन ताकद्धादिन् धकिटधा

\+ | ०

९ १० १ २ ३ ४ ५ ६ ७

नतिटक द्धातधाक द्धातधाक द्धातधाति टकधान कद्धातधा कद्धातधा कद्धातधा तिटकधा

| +

८ ९ १० १

नकद्धात धाकद्धात धाकद्धात धा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

जोड़ा

+		|			०		|
१	२	३	४	५	६	७	८
धाकिटधा	नकिड़ताकत्	गिन्नाकति	कतानधा	गेदिन्ताकत्	तादिन्तादिन्	ताकत्तातिन्	कतिटता

		+		|			०	
९	१०	१	२	३	४	५	६	७
नकिटकत	ताकधाकत्	ताकधाकत्	ताकधाकि	टकतान	कत्ताकधा	कत्ताकधा	कत्ताकधा	किटकता

|			+
८	९	१०	१
नकत्ताक	धाकत्ताक	धाकत्ताक	धा

ताल, झपताला, बोल, शिखर्णी छन्दका

+		|			०		|			+
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	१
कतिटधा	किटनागे	तात्त	किटधिट	धाक	तिटतिट	केनेनागे	तित्क	धिटधिट	घेनेनागे	धित

	|			०		|		+
२	३	४	५	६	७	८	९	१०	१
कतिटता	ऽधात	धातधा	ऽकतिट	ताधा	तधात	धाकति	टताधा	ऽतधात	धा

जोड़ा

+		i			०		|			+	
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	१	२
धकिटधातिटतागे	ताक	तिटतिट	धागे	नागेधागे	तेनगेन	ताक	तागेनाग	धेनगेन	धा	घेतिटधा	

|			०		|		+
३	४	५	६	७	८	९	१०	१
ऽधाग	धागधा	ऽघेतिट	धाधा	ऽगधा	गधाधे	तिटधा	ऽधाग	धा

गत, बेढब, गति, की ताल झपताला

+		|			०		|
१	२	३	४	५	६	७	८
तागेनत	गेनधग	नधगेन	किटनातिरकिट	तिरकिटतक्	तिन्ऽ	तिटतातिरकिट	धिरकिटतक

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

		+		|			०		|	
९	१०	१	२	३	४	५	६	७	८	९
धिनऽ	किटथुन	ऽकऽते	टेता	धाऽकि	टतातिट	ताऽघि	टताधिट	धाऽ	गेनेनागे	नताकेते

	+		|			०		|	
१०	१	२	३	४	५	६	७	८	९
धेनेनागं	धित्तागेधे,	किटतति	टताऽकि	टताधा	ऽकिट	तातिटता	ऽकिटता	धाऽ	किटताति

	+		|			०		|		+
१०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१
टताऽकि	टताधा	ऽकि	टताधा	ऽकि	टताधा	ऽकि	टताधा	ऽकिटता	धा-किटता	घा

जोड़ा

+		|			०		|			+	
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	१	२
नगेनन	गेनदिगे	नदिगेन	केनेनति	टतातिट	ताऽ	तेनेताविट	नातिट	धाऽ	किटता	ऽकऽते	टेता

|			०		|			+		|
३	४	५	६	७	८	९	१०	१	२	३
धाऽकि	टताकिट	ताधि	टतातिट	धाऽ	केनेनागे	नागेदिन	तेनेधागे	नागेविन,	तिटधाति	केनाऽति

		०		|			+		|		
४	५	६	७	८	९	१०	१	२	३	४	५
टताधा	ऽतिट	धातिकेना	ऽतिटवा	धाऽ	तिटधाति	केनाऽति	टताधा	ऽति	टताधा	ऽति	टताधा

०		|			+
६	७	८	९	१०	१
ऽति	टताधा	ऽतिटता	धातिटता	धातिटता	धा

बोल, एक ताला, झपताला, तिताला, और सवारी, १५ मात्रा की

सूचना, इन चारों ताल में बजाया जाता है, और हर एक ताल की हर एक आवर्ती के सम पर धा आता रहता है।

ताल झपताला

+		|			०		|			+		|		०		|			+
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	१
धा	तक	धा	ता	नग	दिग	तक	ता	धा	कत	धा	किट	धा	गेन	ता	धा	धा	तक	गेदि	गन	धा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

| ० | | ० | +
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १
किट तगे तिट धा गेन धा ता धा घेघे घा धा धा किट् तगे नग धा किट तक कत धा

| ० | + | ० | +
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २
गे धा गेन घा घा ता धा धा गेन धा नाकि टता कत गदि गन धा धा धा गेन धा किड़

| ० | + | ० | | |
३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २ ३
ता घा धा कत घेन धा गेन तिट घा किट घा तित् धा धा धा धा गेन घा धा ता दित्

० | + | ० | + |
४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २ ३
थुन धा तिट गेन घा धा न धा तिन घा तिट गेन घा धा दिन् दिन् तिट धा तेन गेन

० | + | ० | |
४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १
धा धा केन धा तेन धा तिट धा धा था धा घेन तिट गेन ताके नाके गन धा

गत, पंजाबी, ताल झपताला, छन्द चम्पक माला वा, कहर, वा का

+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
कतकधि ननतक तकतधि ननधा थुन्तिरकिटतक् तकतिर किटतक ताऽ घेऽ धिटधिट

+ | ० | + |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २ ३
थुनथुन तकधिलांऽगंनग घेत् ता गेदी नटघिन् तरान् घिन्ते ऽ ट्टे धिरधिर किटतकतकिटधा

० | +
४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २
धिरधिर किटतक्तकिटधाधिरधिर किटतक्तकिटधा, कतकधि ननतक तकतधि ननधा थुनतिर-

| ० | + |
३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २ ३ ४
किटतक तकतिर किटतक ताऽ घेऽ धिटधिट थुनथुन तकधिलांऽगनग घेत् ता गेदी नटघिन्

| + |
५ ६ ७ ८ ९ १० १ २ ३
तरान् धिन्ते ऽ ट्टे धिरधिर किटतकतकिट धाधिरधिर किटतकतकिटधाधिरधिर किटतकतकिट

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

० | + |

४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २ ३ ४ ५

धा, कतकधि ननतक तकतधि ननधा थुनतिरकिटतक तकतिर किटतकताऽ घेऽ धिटधिट थुन

० | + | ०

६ ७ ८ ९ १० १ २ ३ ४ ५ ६ ७

थुन तकधिलांऽगनग धेत् ता गेदी नटघिन् तरान् धिन्ते ऽ ट्ट धिरधिर किटतकतकिटधाधिरधिर

| +

८ ९ १० १

किटतकतकिटधाधिरधिर किटतकूतकिट धा तिताले में भी सम से सम तक आती है।

बोल ताल झपताला छन्द घनाक्षरी

+ ० | + |

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २ ३ ४ ५

कत कत कति टक तागे तिट कत कातिर किटतक तागे तिट कत कति टता किटतक

| + | ०

६ ७ ८ ९ १० १ २ ३ ४ ५ ६

तिरकिट तातिर किटता किटतक तिरकिट तकतिर किटतक कातिर किटतक तातिर किटतक

| + |

७ ८ ९ १० १ २ ३

तागे तिट कातिरकिटतकतागे तिटघेतिटधा कतूतकिटधाक तिटधाकतिटधा घेतिटधाकत्कतिट

० | +

४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १

धाकतिटधाकतिटधा घेतिटधाकत्कतिटधाकतिटधाकतिटधा घेतिटधाकत्कतिटधाकतिटधाकतिटधा

बोल पल्लू का बिना दम का ताल झपताला

+ | ० | + |

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २ ३ ४

धाधा धाध तक थुंगा धग दिग ताधा दिन्ता धेत्ता किड़धा तक्का थुंगा तकिटत कातिट

० | + | ०

५ ६ ७ ८ ९ १० १ २ ३ ४ ५ ६

कतगदि गनधा तिद्धा तकिटत कातिट कतगदि गनधा तिद्धा तकिटत कातिट कतगदि गनधा

७

तिद्धा + २ बार और कहने से त्रिताल और झपताल दोनों में सम पर आता है।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ताल, झपताला, पेशकार छन्द चम्पक माला वा कहर वा

\+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
१—घेने कघे नेक धीना तेट्टे घेना दिन्ना गिन्ना तूना कऽत्

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
२—तेने कते नक धीना तेट्टे घेना दिन्ना गिन्ना तूना कऽत

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
३—घेने कधी नाते ट्टेघे नादि न्नागिन्नातू नाक ऽतूघे नेक

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
४—तेने कधी नाते ट्टेघे नागि न्नादि न्नातू नाक ऽतूघे नेक

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
५—घेने कघे नाक दिन्ना गिन्ना तेट्टे घेना धीना तूना कऽत्

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
६—तेने कते नेक गिन्ना दिन्ना तेट्टे घेना धीना तूना कऽत

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
७—घेने कदि न्नागि न्नाते ट्टेघे नाधी नातू नाक ऽतूघे नेक

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
८—तेने कगिन्नादि न्नाते ट्टेधी नागे नातू नाक ऽतघे नेक

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
९—घेने कते ट्टेघे नादि न्नागि न्नाधी नातू नाक ऽतूघे नेक

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
१०—तेने कघे नाते ट्टेगि न्नादि न्नाधी नातू नाक ऽतूघे नेक

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ताल झपताला के ठेके कई प्रकार

\+ | ० | + |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १ २ ३ ४ ५
१—धी ना धि धी ना तिरकिट नातिर किटधिन ऽधि नाधि धी ना तिरकिट नातिर किटतु

० |
६ ७ ८ ९ १०
नाक त्ताधि धिन् ऽन्धि ऽधिन्धि

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
२—धी नातु नाके टेतिर किटधिन् ऽन्धी ऽधिन् ऽन्धी ऽधिन् धी

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
३—ती नातिर नातिर किटधिन् ऽधि नाधिन् ऽति नाधिन् ऽधि ना

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
४—तिना तेटे नातिर किटता ऽतिर किटधिन् नाते टेता ऽधिन् ऽन्ता

\+ | | |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
५—ताधिन् धिन्ता ऽता धिन्धिन् ऽत्ता ताविन् विन्वा ऽवा धिन्धिन् ऽन्ता

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
६—धिधि ना तिरकि टतू नाक ऽत्ता धिन्ति रकिट ऽधि ना

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
७—कधि ऽट ऽधि टधा ऽग ऽति ट ऽति टवा ऽ

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
८—धीना ऽधि धी नाती ऽना ऽधि धीना ऽधि धिन ऽधि

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
९—धाधिन् ऽधिन् धाधा ऽधिन् धिन्धा ऽधा तिन्तिन् ऽत्ता धाधिन् ऽधिन् (डेढ़ी लय)

\+ | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
१०—धिन्धी नातेटे केनेते टेनातिर ऽकिटतिनटे टेगेनेना तेटेनागे नतेटेना गेनताकिट ऽता
(१¾ लय)

ताल धमार की उठान

० | ० | ० + ०
४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १ २ ३ ४
केनेति त्ता तिट घेन ऽति टता गेन तिट नाति टता केने क्तिटकत् ताधा ऽक त्ताधा

| ० ० +
५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १
ऽकत् ताधा ऽकत् ताधाकत ताधा कत् ताधा कत्ता धा कत्ता धा ऽकत्ताधा

[परमलु] ताल धमार

\+ ० | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११
तिटकत गदिगन धा थुं ऽगा कतिटत गेनधुम किटतक कृधान दिगतागे तिटकत गदिगन

० + ० | ०
१२ १३ १४ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
धिलांग तकधिलां ऽगथुं किटतक गदिगन दिगदिग धेन्ना ड़ाधिं ऽतरा ऽन्कत गदिगन धिलांग

| ० + ० | ०
१० ११ १२ १३ १४ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
तकथुंगा दिगतागे तिटकत गदिगन धादि ऽन्ता ऽक ऽत्ताधा ऽ धिन्नांग तकथुंगा दिगतागे

| ० + ० | ०
११ १२ १३ १४ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
तिटकत गदिगन धादि ऽन्ता ऽक ऽत्ता धा ऽ धिलांग तकथुंगा दिगतागे तिटकत गदिगन

| ० +
११ १२ १३ १४ १
धादि ऽनता ऽक ऽता धा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

जोड़ा

\+ ० | |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
किटतक तिटकत कतिटता ऽनथुं तकिटधा ऽनतिट किटतक घेतान गेदिनता किटतक

| ० + ० | ०
११ १२ १३ १४ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
तिटकिट घेनान तिटघेना ऽन्कत् तिटकत गदिगन तेनतेन तिन्ना ड़ाधे ऽत्ता ऽनतिट तिटकत

| ० + ० | ०
९ १० ११ १२ १३ १४ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
घेतान किटतक ता दिगनागे तिटकत किटतक धाक ऽत्ता ऽ धाऽन धा ऽ घेतान किटतक

| ० + ० | ०
९ १० ११ १२ १३ १४ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
ता दिगनागे तिटकत किटतक धाक ऽत्ता ऽधा ऽन धा ऽ घेतान किटतक ता दिगनागे किट

| ० +
१० ११ १२ १३ १४ १
तक किटतक धाक ऽत्ता ऽधा ऽन धा

बोल ताल धमार

\+ ० | ० | ० +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १ २
धेत् धेत् तिरकिट धेत् तिट तिट धिट धिट कत घिन् नड़ा ऽन कत धिट तिट कड़ा

० | ० | ० + ० |
३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १ २ ३ ४ ५ ६ ७
ऽन कड़ा ऽन कड़ा ऽन धा तिट कत धिट तिट कड़ा ऽन कड़ा ऽन कड़ा ऽन धा कत धिट

० | ० +
८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १
तिट कड़ा ऽन कड़ा ऽन कड़ा ऽन धा

बोल धमार और झपताला ताल का

सूचना—यह बोल दोनों तालों में बजाया जाता है और दोनों ताल की हर आवर्ती के सम पर बार बार धा आता रहता है ।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

\+ ० | ० | ० + ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १ २ ३ ४
धा धेत् धिट तिट घेघे तिट कत तिट गदि गन धा कत घेन कत धा कत घड़ा ऽन

| ० + ० | ०
५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
कड़ा ऽन धा दिग दिग तिट कड़ा ऽन तिट तिट धा कत धा दिग तागे तिट किट कत तक

! ० + ० | ० | ०
१० ११ १२ १३ १४ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
तिन नड़ा ऽन धा घेन धा नागे नता किट तक कति टत गेन धा तिट तिट घेन तिट गेन

\+ ० | ० | ० +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १
धा कत तिट कत धा दिग नरा ऽन तिट तरा ऽन तिट कत गेन धा

लय के प्रबन्ध का बोल ताल धमार

\+ | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
(गेदी कत गद्दीगन) (तिरकिटतकता किटतकतिरकिट) (घड़न्ता ऽनधा) (धकिटतकधिरकिट

| ० +
१० ११ १२ १३ १४ १
तकदिग तागेगेदिन्नकिट धेतानधा) (धानधातिट कतिटनातिट) (दिगनन गतिरिकिट

० |
२ ३ ४ ५ ६ ७
तकतकिट) (धातेटेता नातेटेधा ऽकिटतकधा) (किटधागेकतिटधादिन्ता किड़धा केनादिन्ताकदि)

० | ० +
८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १
(किट ऽकि ऽट ऽकि) (तिटक तकति टतग धा)

सूचना—इस बोल में क्रमशः बराबर, दून, कहरवा, चौगुन, आड़ी, डेढ़ी, भड़ौआ, तिगुन पौनी और सवाई लय का बर्ताव अलग अलग ब्रेकेट में बन्द करके किया है।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

बोल ताल धमार

\+ ० | ० | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
धें ढ्धे धिरकिट ढ्धे धितिर किटतक तगतिर किटतक धागे नत किट तक तगे नन

\+ ० | ० | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
धितिर किटतक धा धितिर किटतक धा धितिर किटतक धा कत धितिर किटतक धा धितिर

\+ | ० | ० +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १
किटतक धा धितिर किटतक धा कत धितिर किटतक धा धितिर किटतक धा धितिर किटतक धा

बोल ताल धमार

\+ ० | ० | ० +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १ २
क त्तेटे घेघे तिट घेघे नाना किटतक कति टधा ऽन कति टता किटतक धाति धा क्धा

० | ० | ० +
३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १
ऽन कति टता किटतक धाति धा क्धा ऽन कति टता किटतक धाति धा

बोल, ताल; धमार

\+ ० | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
धगतिट धगतिर किटतक तकिटक ऽत्तगेदि घेन तागेनत गेनधिन धाधिन धातिरकिट

| ० + ० |
११ १२ १३ १४ १ २ ३ ४ ५ ६ ७
धातेटे तकदिन तकदिन तकदिन कतिटत गेनकिट नकतिग नगनग नगतिर किटतक तकिटधिन

० | ० +
८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १
ऽधिन् धिन्घा धाधिन नेगेन्ना ऽड़तिरकिट तकघिरघिरकिट घाघ घा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

चक्करदार टुकड़ा आड़ो लय का ताल धमार

+			०		|		०			|		०	
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४
तक्क	धिकिट	धिकिट	तगेन	तक्‌कि	टतक	धा	कड़ान	धा	कत	धगतिट	ध्ड़ान्	धा	धग

+			०	
१	२	३	४	५
तिट	(ध्ड़ान	धा	धगतिट	ध्ड़ान धा)

जोड़ा

+			०		|		०			|		०
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३
कतत	कतिट	तकिट	कातिरकिट	धीकि	टतक	धा	तित	धा	ध्ड़ान्	क्रिटतक	क	द्धा

	+			०	
१४	१	२	३	४	५
क्रिटतक	/क	द्धा	क्रिटतक	क	धा

सूचना—ऊपर लिखे दोनों बोल पूरा अथवा ब्रैकेट में बन्द हिस्सा दोबार और कहने से सम पर आने हैं।

टुकड़ा ताल धमार ४ मात्रा से आरम्भ

०		|		०			|	
४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
धिकिटता	गदिगन	नगनग	तिरकिटतकता	क्रिटतकगदिगन	धादीं	ई	कताक	ताक

०		+			०		|		०		
१३	१४	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०
ताधागदिगन	धाक्ड़ान	धाथुन	कतक्धा	ऽनधानि	कद्धा	ऽदीं	ऽकत्ता	धाधाति	कद्धा	ऽदीं	ऽकत्ता

|		०		+
११	१२	१३	१४	१
धाधानि	कद्धा	ऽदीं	ऽकत्ता	धा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

टुकड़ा ताल धमार

\+ ० | ० | ० +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १
किटतक गदिगन धाक्ड़ा ऽन्धा ऽक ऽत्ता धा ऽता ऽन धा ऽता ऽधा ऽत धा तधा

० | ० | ० +
२ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १
नधा ऽधा नधा ऽता नधा ऽता किटतक गदिगन धाकिट तकगदि गनधा किटतक गदिगनधा

टुकड़ा ताल धमार

\+ ० | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
तित्तां केकेतिट तिटता किटतक तिरकिटतकति त्ताकिटतकता तिरकिटतक कतिटतगेन

| ० +
९ १० ११ १२ १३ १४ १
तागे तिटकतगदिगन धाकतिटत गेनतागेतिटकत गदिगनधा कतिटतगेनतागे तिटकतगदिगनधा

टुकड़ा ताल धमार

+(डेढ़ी लय) (आड़ी लय)० | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
किड़तांतांकिड़ तीकड़ान धाकिटतक धुमकिटतक घेघेतूतान धाघेघेत् तानधा तानधा

| (डेढ़ी लय) ० + ०
९ १० ११ १२ १३ १४ १ २ ३ ४ ५
धानधा तकिटधा घेघेनगघेघे दींदींकिटकिट किड़तानतान त्राऽ किड़धाधान धाऽ किड़धाधान धा

| ० | ० +
६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १
ऽ किड़धाधान धाऽ किड़धाधान धाताधा धाकिड़धाधा ऽनधाताधा धाकिड़धाधा नधाताधा धा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

जोड़ा

+(डेढ़ी लय) (आड़ी लय०) | ०

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८

घेघेदांदांदां गेदिनतान धाकिटतक दिगतिटकत किड़द्धेधान धाक्डिधे द्धानधा धानधा

| (डेढ़ी लय) ० + ०

९ १० ११ १२ १३ १४ १ २ ३ ४

तानधा कतिटधा किटतकतिट किटकिटकिटकिट कनूतिरकिट ता कत्तिटकिट धा ऽ कत्तिट-

| ० | ० +

५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १

किट धा ऽ कत्तिटकिट धाऽ कत्तिटकिट धाताधाधा कत्तिटकिट धाताधाधा कत्तिटकिट धाताधाधा

टुकड़ा ताल धमार

+ ० | ०

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९

दिन्दिन् तिटतिट नागेतिट घेनेतिट घेतिरकिटतक धातिट कत घेघेनाना घेतिरक्टितक

| ० +

१० ११ १२ १३ १४ १

धाघेघे नानाघेतिर किटतकधा घेघेनाना घेतिरकिटतक धा

टुकड़ा ताल धमार

० | ०

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९

घेनेनाना धिन्तिरकिटतक थुनक ऽतदिन् ऽताऽ क्टितकधाति धाता ऽधात धाकिटतकधा

! ० +

१० ११ १२ १३ १४ १

तिधाता ऽधात धाकिटतकधा तिधाता ऽधात धा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

टुकड़ा ताल धमार १० मात्रा से आरम्भ

\+ | ० + ०
१० ११ १२ १३ १४ १ २ ३ ४
धिन्तरानकत् धादिन्ता ऽकत्ता धा धिन्नड़ान्धा कदिन्ता ऽदिन्ता ऽदिन्ता ऽदिन्ता

| ० |
५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
धाधिन्नड़ान्धा कदिन्ता ऽदिन्ता ऽदिन्ता ऽदिन्ता धाधिन्नड़ान्धा कदिन्ता ऽदिन्ता

० +
१३ १४ १
ऽदिन्ता ऽदिन्ता धा

ठेका, दीप चन्दी, वा होली का, पेशकारा, छन्द त्रीतीय झूलना वा आड़ी गति का

\+ ० | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
१–धिन्न धागेन धात्रेक धीना ऽ धागेन धात्रेक धीनाऽ धागेन धात्रेक धागेन धात्रेक

०
१३ १४
धिटऽ धातिन्ना

\+ ० | ० | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३
२–तिन्न तागेन तात्रेक तीना ऽ तागेन तात्रेक तीनाऽ तागेन तात्रेक तागेन तात्रेक तिटऽ

१०
तातिन्ना

\+ ० | ० | ०
१ २ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
३–धिन्न तागेन तीना ऽ धागेन तात्रेक धीनाऽ तागेन तात्रेक धात्रेक तात्रेक तिटधा तिन्ना

\+ ० | ० | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
४–तिन्न धागेन तात्रेक धीना ऽ तागेन धात्रेक तीनाऽ धागेन तात्रेक तागेन धात्रेक तिटधा तिन्ना

\+ ० | ० | ०
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
५–धिन्न धागेन तात्रेक धीना ऽ तागेन धात्रेक तीनाऽ धागेन तात्रेक तागेन धात्रेक तिटधा तिन्ना

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

\+ ० | ० | ०
१ २ ३ ४ ५६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
६--तिन्न तागेन धात्रेक तीना ऽ धागेन तात्रेक धीनाऽ तागेन धात्रेक धागेन तात्रेक धिटऽ धातिन्ना

\+ ० | ० | ०
१ २ ३ ४ ५६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
७--धिन्न तात्रेक धागेन तोना ऽ धागेन तात्रेक धीनाऽ तागेन धात्रेक धागेन तात्रेक धिटऽ तातिन्ना

\+ ० | ० | ०
१ २ ३ ४ ५६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
८--तिन्न धात्रेक तागेन धीना ऽ तागेन धात्रेक तोनाऽ धागेन तात्रेक धागेन धात्रेक तिटऽ धातिन्ना

\+ ० | ० | ०
१ २ ३ ४ ५ ६७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
९--धिन्न तीनाऽ धागेन तात्रेक तीना ऽ तागेन धात्रेक धागेन तात्रेक धागेन धात्रेक तिटधा तिन्ना

\+ ० | ० | ०
१ २ ३ ४ ५ ६७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
१०--तिन्न धीनाऽ तागेन धात्रेक तोना ऽ धागेन धात्रेक तागेन धात्रेक तागेन धात्रेक धिटता तिन्ना

\+ ० | ० | ०
१ २ ३ ४ ५६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
११--धिन्न धोनाऽ तोनाऽ धात्रेक ऽ तागेन तात्रेक धागेन तागेन धात्रेक धागेन तागेन तिटऽ तातिन्ना

\+ ० | ० | ०
१ २ ३ ४ ५६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४
१२--तिन्न तीनाऽ धीनाऽ तात्रेक ऽ धागेन धात्रेक तागेन धागेन तात्रेक तागेन धागेन धिटऽ धातिन्ना

ताल, धमार, की तिहाइयाँ हर एक मात्रा से सम तक की

\+ ० | ० | ० +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १
१--तिट कत गदि गन धा तिट कत गदि गन धा तिट कत गदि गन धा

\+ ० | ० | ० +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १
२- कत किट तगे नता धाक तकि टत गेन ताधा कत किट तगे नता धा

\+ ० | ० | ० +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १९ ११ १२ १३ १४ १
३- तिट कत धाक ड्डा ऽवि टक तधा कड्डा ऽ तिट कत धाक ड्डा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

\+ ० | ० | ० +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १
४— किटतक धा तिद्धा किटतक धा ति द्धा किटतक धा ति द्धा

\+ ० | ० | ० +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १
५— कद्धा ऽता ऽन धा कद्धा ता नधा कद्धा ऽता ऽन धा

\+ ० | ० | ० +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १
६— तिटकत किटतक धा कधा ऽतिटक तकिटत कधाक धातिट कतकिट तकधाकधा

\+ ० | ० |
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२
७— किटतकनगतित् धाक्ड़ानधा कद्धाकिट तकनगतित्धा क्ड़ानधाकद्धाकिट-

० +
१३ १४ १
तक नगतित्धा क्ड़ानधाक धा

\+ ० | ० | ० +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १
८— तिटकत किटतकधा ऽतिट कतकिटतक धा ऽतिट कतकिटतक धा

\+ ० | ० | ० +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १
९— किटतकधा कधा ऽकिटतक धाकधा ऽकिट तकधाक धा

\+ ० | ० | ० +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १
१०— तिरकिटधा तद्धा तिरकिटधात द्धा तिरकिटधात धा

\+ ० | ० | ० +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १
११— कततधा ऽकत् धधा ऽकतत् धा

\+ ० | ० | ० +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १
१२— किटतकधा ऽकिटतक धाकिटतक धा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

+ ० | ० | ० +
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १
१३– किटतकधाकिट तकधाकिटतक धा

+ ० | ० | ० . +
१ २ ३ ४ ४ ६ ७ ८ ९ १० ११ ·१२ १३ १४ १
१४– धाधा धा

मात्रा और मात्रा अर्धांशं की तिहाइयों का विवेचन

तिहाई पूरी १५ मात्रा
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५
तिट कत गदि गन धा तिट कत गदि गन धा तिट कत गदि गन धा ।

नीचे की तिहाइयों में धा, के साथ जो चिन्ह है, वह आधी, मात्रा का माना गया है।

तिहाई पूरी १५॥ मात्रा
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५
तिट कत गदि गन धा[] तिट कत गदि गन धा[] तिट कत गदि गन धा[]

तिहाई पूरी ९ मात्रा
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
तिटकत गदिगन धा[] तिटकत गदिगन धा[] तिटकत गदिगन धा

तिहाई पूरी ९॥ मात्रा
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
तिटकत गदिगन धा[] तिटकत गदिगन धा[] तिटकत गदिगन धा[]

तिहाई पूरी ८॥ मात्रा
१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८
तिटकत गदिगन धा[] तिट कतगदि गनधा[] तिटकत गदिगन धा[]

नीचे की तिहाइयों में जो धा, के साथ चिन्ह है वह चौथाई मात्रा का माना गया है ।

तिहाई पूरी ७। मात्रा
१ २ ३ ४ ५ ६ ७
तिटकत गदिगन धा‿ तिटकत गदिगन धा‿ तिटकत गदिगन धा‿

तिहाई पूरी ७॥ मात्रा
१ २ ३ ४ ५ ६ ७
तिटकत गदिगन धा‿ तिटकत गदिगन धा‿ तिटकत गदिगन धा‿‿

तिहाई पूरी ७॥। मात्रा
१ २ ३ ४ ५ ६ ७
तिटकत गदिगन धा‿ तिटकत गदिगन धा‿ तिटकत गदिगन धा‿‿‿

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सूचना(-) ताल अध्याय में बराबर मात्रा के लय, की गति मानते हुए, १-३-५- इत्यादि, अथवा २-४-८ इत्यादि मात्रा को लेते हुए तिहाई के तीन हिस्से (चरण) बराबर के हो सकते हैं, किन्तु मात्रा के लय की गति डबल (दूनी) मानते हुए, तिहाई के तीन हिस्से बराबर के, जबतक आधी मात्रा न मिलाई जाय तबतक कदापि नहीं हो सकते यों ताल अध्याय में तिहाई के तीन हिस्से बराबर के न होते हुए भी विशेष विद्वत्ता मानी जाती है। ताल अध्याय में १ मात्रा का ४० अंश तक माना गया है जिसमें आज कल के प्रसिद्ध विद्वानों में क्वचित लोग १६–३२ अंश तक की क्रिया करते हैं।

ताल धमार की दून, तिगुन चौगुन

दून

+			०		|		०			|		०	
१	२	२	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४
कधि	टधि	टधा	ऽग	तिट	तिट	ताऽ	कधि	टधि	टधा	ऽग	तिट	तिट	ताऽ

तिगुन

+			०		|		०			|		०	
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४
कधिट	धिटधा	ऽगति	टतिट	ताऽक	धिटधि	टधाऽ	गतिऽ	तिटता	ऽकधि	टधिट	धाऽग	तिटति	टताऽ

चौगुन

+			०		|		०			|		०	
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४
कधिटधि	टधाऽग	तिटतिट	ताऽकधि	टधिटधा	ऽगतिट	तिटताऽ	कधिटधि	टधाऽग	तिटतिट	ताऽकधि	टधिटधा	ऽगतिट	तिटताऽ

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

दादरा के बोल

\+ ० + ० + ० + ० +

१—धाकिटधिनन द्रग द्रग द्रग तकिटथुकिट दननननन गेदिनतान धागेदिन तानधा गेदिनतानधा

\+ ० + ० +

१ २ ३ ४ ५ ६ १ २ ३ ४ ५ ६ १

२—थुगिन थुंगिन तकिट तकिट। धातिट किटधा तिट कत गदि गन। धा

\+ ० + ०

१ २ ३ ४ ५ ६ १ २ ३ ४ ५ ६

३—धेत् धिट धिट कत गदि गन। धातिट किटधा तिट कत गदि गन।

\+ ० +

१ २ ३ ४ ५ ६ १ २ ३ ४ ५ ६

४—कत् तिट तिट कत गदि गन। धातिट किटधा तिट कत गदि गन। धा

लग्गी दादरा

\+ ० + ०

धागेन धातृक। धागे धिन धिन॥ तगेन तातृक। धागे धिन धिन॥

ताल सीर व झम्पा मात्रा ५

१	२	३	४	५
धा	दिन	ता	तिट	कत

ताल झम्पा ९ मात्रा

+								
१	२	३	४	५	६	७	८	९
धा	ता	किट	तक	गदि	गन	ता	कि	तक

ताल झम्पा ११ मात्रा

+										
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११
धा	ऽ	दिन	ता	ऽ	तिट	धा	ऽ	तिट	कत	गदि

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

शुद्धि-अशुद्धि पत्र

पेज	लाइन	अशुद्ध	शुद्ध
६	८	चनौ	चनै
,,	१०	प्लुत	प्लुते
,,	१९	पद	पाद
८	१	मध्य	×
,,	१२	की	×
,,	२०	व्रिल्व	विलम्ब
९	१०	ऽ	ऽ
,,	१३	। ११ तग	। ११ तग
१३	७	युक्ताश्चेन्त्त	युक्ताश्चेत्त
१४	२	नांशान्भि	नांशाभि
,,	१०	न	ना
,,	,,	प	पु
,,	,,	ते	तें
१६	३	द्वितीय	द्वितिय
,,	७	भूलना	भूलना
१७	६	वर्णा	वर्णा:
,,	१५		संत
,,	१२	। १३	। १३
,,	२१	रूप	सूक्ष्म रूप
२४	१९	प्रस्तर	प्रस्तार
,,	२०	६ ता	। ६ ता
२५	३	। २१ तिट	२१ तिट
२५	५	। ११ तिट	। १० ता
२७	१०	४ तिट	। ४ तिट
२८	६	१२ तक	। १२ तक
,,	८	९ तिट	। ९ तिट
,,	१२	६ ता	⋮ ६ ता
३२	१७	धतगे	धेत्तगे
,,	,,	कृतत	कृतंक्
३३	७	६ धि	७ धि
३४	२०	११ धागिन	११ धागिन
३९	१९	परिणाम	परिभाजन
४६	६	दिन	दिन्
४९	४	। १३ तगेन	। १३ धा
५९	६	। धा	+ धा
,,	,,	तान तादित्	० तानवादित्
,,	७	+	+ धा
५०	५	१ न	+ १ धा
,,	७	+ १ धुं	+ १ ऽ
,,	७	३ क	३ ऽ
,,	८	११ ऽ तूके	११ ऽ तूके

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

पेज	लाइन	अशुद्ध	शुद्ध	पेज	लाइन	अशुद्ध	शुद्ध
,,	,,	१५ ऽ तूके	१५ ऽ तूके	,,	,,	१६ ऽ न	१६ ऽ न
५१	४	१४ ऽ क	१४ ऽ क	७२-७३		थुन	थुन
,,	७	१६ धा क्र	१६ धा क्र	७४	८	+ थेइ +	+ थेइ +
५४	११	१२ किड़धेत्त	१२ किड़धेत्	७५	१	१ थेई	१ थेई
,,	,,	नगधेत	नगधेत्	,,	३	१५ ऽ क	१५ ऽ क
५७	१	१० न धा |	१० न-धा |	,,	८	१६ ऽ क्ड़ान	१६ ऽ क्ड़ान्
,,	,,	१३ धेड़	१३ धेड़	७८	१३	कि	×
,,	,,	१४ नग	१४ नग	८५	२	५ किड़ता	५ क्रिड़ताधा
,,	,,	१५ तूना	१५ तूना	,,	८	गतिकी	गतिका
,,	,,	१६ कत्ता	१६ कत्ता |	९०	८	९ ऽ तू	९ ऽ त्
,,	४	५ कत	५ कत	,,	९	९ ऽ त्	९ ऽ त
,,	,,	१६ कत्ता	१६ कत्ता	९१	१	•	ठेके के
५८	१	१० तरा	१० तरा	९४	१	३ कत	३ घड़ा
,,	,,	१६ ऽ ता	१६ ऽ ता	,,	८		४ नातेटेधा
,,	१०	१६ ऽधिरकिटेतक	१६ ऽधिरकिंटतक	९६	३	२ ३ ४ ५ (ड्ड़ान धा धगतिट ड्ड़ान धा)	
				शुद्ध ,,	,,		१ २ ३ ४ ५ (ड्ड़ानधा धगतिट ड्ड़ान् धा)
७२	५	११ गेदा	११ गेदा	,,	११	धाधाति	धाधानि
,,	,,	१२ ऽ न	१२ ऽ न	१०२	१३	७ धा⌣⌣	७ धा⌣⌣⌣
,,	,,	१५ गेदा	१५ गेदा	१०३	७	लांन	लाग
				,,	१२	गतिऽ	गतिट
				,,	८		कर्णाटक पद्धति के ताल

सूचना—लाइन की संख्या मात्रा की लाइन छोड़कर लिखी है।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

पुस्तक मिलने के पते—

[१] मैनेजर—"प्रभात प्रेस"
आलमगीरीगंज, बरेली।

[२] मन्नू जी मृदङ्गाचार्य,
किसुनदास मुकुन्ददास,
बरतन के व्यापारी,
गोपाल मन्दिर,
बनारस सिटी।

मुद्रक—प्रभात प्रेस, आलमगीरीगञ्ज, बरेली।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain; Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi